

## Pratibha Education Ujjain

9425985098

डी टी पी क्या है? (What is DTP )

डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ छापी जाने वाली सामग्री को अपनी मेज पर ही तैयार करना होता है अर्थात् अपनी मेज पर रखे उपकरणों द्वारा ही प्रकाशन का कार्य करना, इसका व्यवहारिक अर्थ है – कम्प्यूटर और उससे जुड़े उपकरणों द्वारा प्रकाशन का कार्य करना, दूसरे शब्दों में इस प्रणाली में पाठ्य कम्पोज करने, चित्र आदि बनाने से लेकर उन्हें विभिन्न पृष्ठों पर स्थान देने अर्थात् सेट करने तक का सारा कार्य अपनी मेज पर रखे कम्प्यूटर में ही किया जाता है और अंत में ऐसी मास्टर प्रति लेजर प्रिंटर पर छापकर तैयार कर ली जाती है, जिसे आप किसी छपाई की विधि जैसे ऑफसेट विधि से सीधे कागज पर उतार सकते हैं और इच्छानुसार कितनी भी प्रतिया छाप सकते हैं संक्षेप में, अपने डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है, इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध हैं, जिनके द्वारा आप टुकड़ों में बंटी हुई सूचनाओं और सामग्री को आपस में जोड़कर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते हैं।

डी टी पी की सुविधा व्यवसायिक प्रकाशन ही नहीं कार्यालय स्वचालन के क्षेत्र में भी एक प्रमुख उपलब्धि है सभी छोटी बड़ी कम्पनियां अपने कार्य के बारे में अनेक प्रकार की सामग्री जैसे पैम्फलेट, पोस्टर, विज्ञापन, बैलेंसशीट, प्रगति पत्रिका, पुस्तिकाएं आदि प्रतिवर्ष छपवाती हैं, पहले यह कार्य हस्तचालित टाइप सेटिंग द्वारा किया जाता था, जिसमें प्रत्येक शब्द हाथ से कंपोज करना पड़ता है और चित्र या ग्राफ का ब्लॉक बनाना पड़ता है, कम्पोज हो जाने के बाद उसकी जाँच करके उसे छापा जाता है, इस कार्य में कभी भी पूर्ण संतुष्टि नहीं मिलती क्योंकि कार्य के बीच में दस्तावेज में कोई भी बड़ा परिवर्तन या सुधार करना संभव नहीं होता है।

लेकिन डी टी पी की सुविधा उपलब्ध हो जाने से यह कार्य बहुत सरल, विविधापूर्ण और रुचिकर हो गया है इसमें छपाई की सामग्री पर हमारा पूर्ण नियंत्रण रहता है, हम अक्षरों को मनचाहे आकार और रूप में ढाल सकते हैं और पलक झापकते ही उनका टाइपफेस या फॉण्ट बदल सकते हैं, मनचाहे रंगों के चित्र बनाना उनका आकार बदलना और दस्तावेज में कहीं भी बहुत सरल हो गया है और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद उनकी मास्टर प्रति छापकर अधिक प्रतियो की छपाई हेतु दी जा सकती है, डीटीपी से प्रकाशन की सारी प्रक्रिया बहुत ही सरल और तेज हो गयी है, जिसके कारण मोटी मोटी पुस्तकें भी कुछ ही दिनों में छापकर तैयार कर दी जाती हैं आपके हाथों में जो पुस्तक है, वह भी डीटीपी प्रणाली द्वारा ही तैयार की गयी है।

डीटीपी के कार्य के लिये मुख्यतः तीन वस्तुओं की आवश्यकता होती है: एक पर्सनल कम्प्यूटर, एक लेजर प्रिंटर तथा डीटीपी का सॉफ्टवेयर, पर्सनल कम्प्यूटर में पर्याप्त क्षमता की रैम तथा हार्ड डिस्क एवं माउस अवश्य होने चाहिए, अच्छी छपाई के लिये लेजर प्रिंटर भी आवश्यक है वैसे प्रूफ आदि की छपाई साधारण डॉक्ट्रिन्स प्रिंटरों पर भी की जा सकती है, डीटीपी का वास्तविक कार्य इसके लिये उपयोग किये जाने वाले विशेष सॉफ्टवेयर पैकेजों द्वारा किया जाता है।

Uses of DTP (डेक्स टॉप पब्लिकेशन के उपयोग)

वर्तमान प्रिन्टिंग तकनीक हमारे जीवन से बहुत गहराई से जुड़ी हुई हैं। हम रोज विभिन्न प्रिन्ट सामग्री का उपयोग करते हैं। समाचार पत्र, पत्र, बिल आदि विभिन्न प्रिन्ट माध्यम से हम जुड़े होते हैं। इन सभी प्रिन्ट की हुई वस्तुओं की डिजाइन बनाने का काम डीटीपी सॉफ्टवेयर में होता है। डीटीपी सॉफ्टवेयर की सहायता से सभी प्रकार के दस्तावेज की डिजाइन बनाई जा सकती हैं। प्रत्येक प्रकार के दस्तावेज का ले आउट अलग अलग होता है। जैसे किताब का पेज का आकार अलग होता है, ब्राउशर के पेज का आकार अलग होता है। साधारणतः निम्न दस्तावेज की डिजाइन बनाई जाती हैं।

किताबें

मासिक पत्रिका

समाचार पत्र

नियंत्रण पत्रिका

बिजनेस कार्ड

लेटर हेड

पोस्टकार्ड

विज्ञापन

लिफाफे

कैलेंडर

पोस्टर

बिल बुक

कंपनी की सालाना रिपोर्ट

आवेदन पत्र

कार्यलयीन नोटीस

बैनर

## Use of DTP

परम्परागत प्रकाशन प्रणाली की तुलना में डीटीपी का उपयोग करना इसलिए सुविधाजनक है कि परम्परागत विधि में प्रकाशन की सामान्यी तैयार करने का कार्य मुख्यतः बाहरी व्यक्तियों जैसे चित्रकारों डिजायनरों कम्पोजीटरों और प्रूफ रीडरों पर निर्भर करता है जबकि डेस्कटॉप प्रकाशन प्रणाली में यह कार्य प्रायः एक ही व्यक्ति के अपने हाथ में होता है बाहरी व्यक्तियों पर निर्भरता के कारण परम्परागत विधि में कोई प्रकाशन अपने रूप में तैयार होने तक बहुत समय ले लेता है,

जबकि डीटीपी में यह कार्य बहुत कम समय में सम्पन्न कर लिया जाता है डेस्कटॉप प्रकाशन में समस्त कार्य एक ही स्थान पर किया जाता है अले ही कई व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा हो इसलिये इसमें स्वभाविक रूप से कम समय लगता है इसलिए इससे कोई भी सामान्यी अपना महत्व खो देने से पहले ही छापकर संबंधित व्यक्तियों तक पहुचाई जा सकती है इससे प्रकाशन का उददेश्य भी सफल होता है, डीटीपी विधि से प्रकाशन करने में समय और साधनों की आरी बचत होती है, जिससे प्रकाशन का मूल्य कम होता है और अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुचाया जा सकता है।

डीटीपी का एक विशेष लाभ यह है कि इसमें तैयार किए गये प्रकाशन को किसी भंडारण माध्यम जैसे हार्ड डिस्क, फ्लॉपी, सीडी, चुम्बकीय टेप आदि पर उतार कर दीर्घ काल तक सुरक्षित रखा जा सकता है और आवश्यकता पड़ने पर उसको पूर्ण रूप में या उसके किसी भाग को पुनः छापा जा सकता है अथवा अन्य प्रकाशन में उपयोग किया जा सकता है परम्परागत विधि की तरह इसमें टाइप सेट किए हुए पेजों को भौतिक रूप में सुरक्षित नहीं रखना पड़ता परम्परागत प्रणाली में किसी प्रकाशन को फिर से छापने के लिए प्रकाशन की समस्त प्रक्रिया पूरी तरह दोहरानी पड़ती है, जबकि नवीन प्रणाली में सारा कार्य अपने अंतिम रूप में तैयार रखा रहता है, उसे केवल प्रिंटिंग प्रेस तक पहुचाना होता है।

### *Advantages of DTP (डेक्सटॉप पब्लिकेशन के लाभ)*

डीटीपी सॉफ्टवेयर का मुख्य काम इच्छित प्रिन्टिंग के कार्य को सही तरीके से एवं तेजी से कम्प्यूटर पर सेट करना है। कुछ सॉफ्टवेयर एकल पेज डिजाइनिंग के लिए प्रयोग होते हैं, जैसे कोई पोस्टर की डिजाइन बनाना है, या लेटरपैड की डिजाइन बनाना आदि। कुछ सॉफ्टवेयर बहु पेज दस्तावेज के सेटिंग के लिए प्रयोग होते हैं, जैसे किसी किताब की सेटिंग करना आदि। डीटीपी से सम्बंधित कार्य करने के लिए कई सॉफ्टवेयर होते हैं जिनसे हम किसी भी Document, image को बहुत ही जल्दी और आसानी से तैयार कर सकते हैं जैसे –

Adobe Pagemaker  
 Adobe Photoshop  
 Coral Draw  
 Adobe in Design  
 Adobe Frame maker  
 Page Plus

### *कम्प्यूटर पर आधारित डेक्स टॉप पब्लिशिंग प्रणाली के निम्न लाभ हैं-*

- गति (Speed) :-** पुरानी पद्धति की तुलना में इस प्रणाली में काम बहुत अधिक तेजी से किया जा सकता है। इसमें ना सिर्फ नये काम बना सकते हैं, अपितु पहले बनाये गये काम को भी तेजी से सुधार सकते हैं। इसमें टेक्स्ट फॉर्मेटिंग, फोटो में बदलाव करना आदि काम बहुत तेजी से किये जा सकते हैं।
- बदलाव (Changes) :-** इस प्रणाली में बनाये गये डॉक्यूमेंट या फाइल में आसानी से सुधार एवं बदलाव कर सकते हैं। इसमें विभिन्न कार्मों को संग्रहित कर सकते हैं, जिससे उसे किसी भी समय खोल कर उसमें बदलाव कर सके इस प्रणाली में आप मूल डिजाइन को वैसे ही रखते हुए नये बदलाव भी कर सकते हैं। सभी डेक्स टॉप पब्लिकेशन पैकेज में आपके द्वारा किये गये बदलाव स्क्रीन पर दिखते हैं। आधुनिक इंटरनेट के युग में आप दूरस्थ (remote location) कम्प्यूटर की डिजाइन में भी बदलाव कर सकते हैं।
- पेज सजावट (Page Formatting) :-** डेक्स टॉप पब्लिकेशन के बहुत से सॉफ्टवेयर में विभिन्न पेज लेआउट दिये हैं, तथा बहुत से पेज सजावट के टूल हैं। कम्प्यूटर में विभिन्न प्रकार के टेक्स्ट के प्रकार, जिन्हें हम font कहते हैं, उपलब्ध रहते हैं। इसमें विभिन्न प्रकार की बार्डर, क्लिप आर्ट पिक्चर, सिम्बल आदि उपलब्ध हैं, उनकी सहायता से बहुत अच्छे तरीके से पेज की फॉरमेटिंग कर सकते हैं।
- कम लागत (Low cost) :-** पुराने समय में किसी किताब की कंपोजिंग करने के लिये बहुत अधिक समय लगता था, तथा उसमें बहुत से कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता होती थी। यदि किसी काम में चित्र या पिक्चर डालना हो तब कुशल कलाकार की आवश्यकता होती थी। परन्तु आज किसी भी काम को डीटीपी पैकेज की सहायता से बड़ी किताब की भी कंपोजिंग बहुत जल्दी एवं अच्छी तरीके से की जा सकता है। डीटीपी पैकेज के कारण कंपोजिंग की लागत बहुत कम हो गई है।
- विभिन्न टूल (Various tool) :-** लगभग सभी डीटीपी पैकेजों में spell check, index, find and replace आदि टूल होते हैं इन टूल की सहायता से कार्य त्रुटि रहित एवं आसान हो गया है। यदि किसी व्यक्ति को किसी भाषा की बहुत अधिक जानकारी नहीं है, तब वह कंपोजिंग का कार्य कर सकता है। वर्तमान में कुछ सॉफ्टवेयर में अनुवाद (translation) की भी सुविधा दी गई है।
- फान्ट कर्निंग (Font Kerning) :-** अंग्रेजी भाषा में जब कोई टेक्स्ट टाइप करते हैं, तब उनके कैरेक्टर के बीच की दूरी अलग अलग रहती है। यह दूरी उन दो कैरेक्टर के shape पर निर्भर होती है। उदाहरण के लिए “TODAY” इस शब्द में “A” और “Y” के बीच अधिक दूरी है। इस प्रकार कैरेक्टर की दूरी अलग अलग होती है। फान्ट कर्निंग सुविधा से हम कैरेक्टर की दूरी सेट कर सकते हैं। इससे टेक्स्ट डाटा अच्छा एवं पढ़ने में सरल हो जाता है।

पाठ्य तैयार करना (Creating Text) इस चरण में सामान्यतया किसी वर्ड प्रोसेसर द्वारा पाठ्य सामग्री तैयार की जाती है, जिसमें टाइप करना, प्रूफ देखना, वर्तनी की जांच करना, सम्पादन करना, संशोधन करना आदि शामिल होता है।

1. चित्र तैयार करना (Creating Illustrations)
2. पेज की डिजाइन बनाना (Designing Page)
3. पेज तैयार करना (Making The Page)
4. पब्लिकेशन को छापना (Printing The Publication)
5. पब्लिकेशन को अंतिम रूप देना (Finalizing the Publication)

### चित्र तैयार करना (Creating Illustrations)

यह कार्य सामान्यतया दो प्रकार से किया जाता है या तो किसी ग्राफिक सॉफ्टवेयर द्वारा आवश्यक चित्र बना लिये जाते हैं या पहले से बने हुए अथवा छपे हुए चित्र को किसी स्कैनर द्वारा इलैक्ट्रॉनिक डाटा में बदलकर कम्प्यूटर में स्टोर कर लिया जाता है इस विधि में स्कैनर की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण होती है आवश्यकता के अनुसार इन दोनों विधियों का उपयोग करके सभी प्रकार के चित्र रेखाचित्र, फोटो आदि तैयार कर लिये जाते हैं।

### पेज की डिजाइन बनाना (Designing Page)

इस चरण में प्रत्येक पृष्ठ की टेम्पलेट तैयार की जाती है इसमें पृष्ठ की लंबाई, चैडाई और चारों ओर छोड़े जाने वाले मार्जिन तय कर लिये जाते हैं यह कार्य डीटीपी सॉफ्टवेयर द्वारा करना कही आसान है क्योंकि उसमें आप विभिन्न प्रकार की डिजाइन मिनिटो में बनाकर देख सकते हैं कि कौन सी डिजाइन आपके लिये सर्वश्रेष्ठ रहेगी।

### पेज तैयार करना (Making The Page)

यह चरण सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, वास्तव में यही डीटीपी का मुख्य चरण है। इनमें समस्त तैयार की हुई सामग्री को इलैक्ट्रॉनिक पृष्ठ पर अच्छी तरह लगाया जाता है इसमें पाठ्य के फाण्ट आकार तथा चित्रों के आकार के बारे में निर्णय लिये जाते हैं और उन्हें इस प्रकार लगाया जाता है कि प्रत्येक प्रष्ठ अधिक अधिक सुन्दर और उपयोगी बने डीटीपी सॉफ्टवेयर द्वारा ऐसा करना बहुत सरल होता है क्योंकि इसमें आप अपने कम्प्यूटर की स्क्रीन पर ही किसी पेज को कई प्रकार से लगाकर देख सकते हैं कि कौन सा प्रकार सबसे अच्छा रहेगा।

### प्रकाशन को छापना (Printing The Publication)

इस चरण में इलैक्ट्रॉनिक रूप से तैयार किए गए प्रकाशन के सभी पृष्ठों को किसी लेजर प्रिंटर पर छापा जाता है। इस चरण में परम्परागत विधि और डीटीपी विधि में अंतर साफ मालूम पड़ता है, क्योंकि परम्परागत प्रकाशन में सामाग्री भातिक रूप में पहले ही छपी हुई उपलब्ध होती है जबकि डीटीपी में सामाग्री सबसे बाद में छपी जाती है।

### प्रकाशन के अंतिम रूप देना (Finalizing the Publication)

इस चरण में प्रकाशित दस्तावेज को एक बार पुनः भली प्रकार देखकर उसके खाके और सामग्री में यत्र तत्र संशोधन किए जाते हैं और अंतिम बार छाप कर वह प्रति ऑफसेट छपाई के लिए देंटी जाती है।

## What is Laser Printer (लेजर प्रिंटर क्या हैं?)

लेजर प्रिंटर यह कम्प्यूटर से जुड़ा हुआ प्रिंटर होता है। यह वर्तमान में बहुत अधिक प्रयोग हो रहा है। इस प्रिंटर में कागज के साथ ही, फिल्म transparent paper, butter paper एवं PVC place आदि पर भी प्रिंट निकाला जा सकता है। इसकी तकनीक कॉपियर (झेराक्स) तकनीक के समान होती है। इसमें किसी प्रकार के रिबन का प्रयोग नहीं किया जाता इसमें लेजर किरण एवं प्रकाश के स्त्रोतों से इमेज को उत्पन्न किया जाता है। लेजर के किरणों को कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित किया जाता है। कोई इमेज Raster Scan तकनीक से प्रिंट की जाती है। लेजर प्रिंटर में, किसी इमेज को प्रिंट करने की प्रक्रिया सात पदों में पूर्ण होती है।

## Resting Image Processing

पेज की एक लाइन में जो डाटा प्रिंट होता हैं, वह प्रिंटर के टोनर से काले डॉट में प्रिंट होता हैं। पेज की एक आँखी लाइन के डाट को Raster line या Scan Line कहा जाता है। इन Raster Line को Raster Image Processor प्रिंट करता है। यह प्रोसेसर विभिन्न कम्प्यूटर भाषाओं में बनाया जाता है, जैसे adobe script, HP printer

### Charging

प्रिंटर में एक ड्रम लगा होता है। वह electrostatic चार्च होता है। जैसे जैसे पेज आगे जाता है, यह ड्रम धुमते जाते हैं। जैसे ड्रम धुमता है, वैसे लेजर बीम उससे टकराता है, लेजर बीम यह प्रकाश के Photons होते हैं। ड्रम में का जो हिस्सा लेजर बीम से टकराता है, उसे चार्च ड्रम के चार्च से विपरीत हो जाता है। लेजर बीम उस ड्रम पर बंधित डाटा की प्रतिकृती बनाया है। पाजीटिव चार्च का जो हिस्सा लेजर बीम से टकराता है वह हिस्सा निगेटिव चार्च हो जाता है।

### Fusion

उसके बाद पेपर पर टोनर पाउडर छिड़क दिया जाता है। यह पाउडर पाजीटिव चार्च होता है। जैसे ड्रम धुमता है, टोनर पाउडर उस हिस्से में चिपकता है, जहाँ पर लेजर बीम ने प्रतिकृती बनाई है। ड्रम पूरा धुमने बाद, पेपर एक बेल्ट से निकलता है। यह बेल्ट ड्रम से लगा होता है। पेपर को नेगेटिव चार्च यह लेजर बीम से ड्रम पर लगाये नेगेटिव चार्च से भारी होता है। पेपर जैसे-जैसे बाहर जाता है, वैसे discharge होता जाता है। फिर पेपर fuse से गुजरता है। fuse से पेपर जाते समय उष्मा के कारण पाउडर पिघलते हैं। जिस हिस्से में टोनर चार्च होता, वह पेपर से चिपक जाता है। यह Fusion की प्रक्रिया ताप या दाढ़ से होती है। इसीलिए जब कोई पेपर लेजर प्रिंटर से प्रिंट होकर निकलता है तब वह थोड़ा गरम रहता है।

### Printing

इसकी छपाई की गुणवत्ता बहुत उच्च दर्जे की होती है, तथा प्रिन्ट होते समय कोई आवाज या शोर नहीं होता है। सामान्यतः 600 से 1200 vpi (एक चौरस इंच से 600 से 1200 डॉट) तथा 6 से 12 पेज एक मिनट में प्रिंट होते हैं। इन प्रिंटर की मूल कीमत तथा प्रति पेज छपाई की कीमत ज्यादा होने के कारण साधारण कार्यालयीन कामों में ज्यादा उपयोग नहीं होता है। इस प्रिंटर का प्रयोग डेस्कटॉप पब्लिकेशन के कामों से ज्यादा होता है। वर्तमान में रंगीन लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध के कामों से ज्यादा होता है। वर्तमान में रंगीन लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, जिसमें विशेष टोनर होता है, जिसमें अलग अलग रंगों के कण रहते हैं।

## Types of Laser Printer (लेजर प्रिंटर के प्रकार)

यद्यपी सभी लेजर प्रिंटर की प्रिंट करने के तकनीक एक समान होती है, लेकिन उनके आकार, प्रिन्ट करने की गति के अनुसार उन्हें वर्गीकृत किया गया है।

### Personal :-

इस प्रकार के लेजर प्रिंटर आकार में छोटे होते हैं। इन्हें आप एक टेबल पर कम्प्यूटर के साथ जोड़ कर रख सकते हैं। इस साधारणतः एक ही कम्प्यूटर से जोड़ा जा सकता है। सभी पर्सनल लेजर प्रिंटर यह Simplex प्रकार के होते हैं, अर्थात् एक समय में कागज के एक ही तरफ प्रिंटिंग की जा सकती है। इन प्रिंटर की प्रिंट करने की गति कम होती है, यह साधारणतः 4 पेज प्रति मिनट की दर से प्रिंट कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रिंटर की मेमोरी भी कम होती है, बहुत जटिल या अधिक ग्राफिक्स का डाटा प्रिंट करने मुश्किल हो सकती हैं।

### Office:-

इस प्रकार के लेजर प्रिंटर यह Personal laser printer से बड़े होते हैं, लेकिन इन्हें भी आप टेबल पर रख सकते हैं। इसमें एक से अधिक कम्प्यूटर के साथ LAN (local area network) से साझा किया जा सकता है। इस प्रकार के प्रिंटर की प्रिंट करने की गति 8 से 10 पेज प्रति मिनट तक होती है। इन प्रिंटर में आप एक साथ बहुत से प्रिंट निकाल सकते हैं। इस प्रकार के प्रिंटर में एक sheet feeder होता है, उसमें 250 पन्ने रख सकते हैं, प्रिंटर उसमें स्वयं ही एक पेज लेते जाता है। इस प्रकार के प्रिंटर में कम्प्यूटर से जोड़ने के लिए Parallel और serial दो प्रकार के पोर्ट होते हैं, जिससे और अधिक कम्प्यूटर से उस प्रिंटर का साझा किया जा सकता है। इन प्रिंटर में मेमोरी Personal प्रिंटर से अधिक होती है, तथा कुछ प्रिंटर में मेमोरी बढ़ाने की संभावना होती है। इस प्रकार के प्रिंटर भी Simplex प्रकार के होते हैं। इस प्रकार के प्रिंटर का उपयोग छोटे ऑफिस, डैटीपी ऑपरेटर इत्यादि जगह होता है।

### Work group :-

इस प्रिंटर का उपयोग बहुत से कम्प्यूटर से जोड़ कर किया जाता है। इस प्रकार के प्रिंटर आकार में बड़े होते हैं, इन्हें जमीन पर रखा जाता है, लेकिन वर्तमान में कुछ छोटे आकार के Workgroup लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, जिन्हें टेबल पर रखा जा सकता है। इस की गति 15 से 30 पेज प्रति मिनट की होती है। इसमें पेपर रखने की बड़ी दृ होती है, जिसमें 1500 से 2500 पेज रखे जा सकते हैं। इन प्रिंट में भी expansion slot होता है। इन प्रिंटर की मेमोरी office प्रिंटर से अधिक होती है। इस प्रकार के प्रिंटर duplex प्रकार के होते हैं, जिससे एक साथ दोनों तरफ प्रिंट किया जा सकता है।

### Production:-

इस प्रकार के प्रिंटर की गति सबसे ज्यादा होती है। यह एक बड़े आकार का प्रिंटर है, जिसे टेबल पर नहीं रखा जा सकता है। कुछ स्थितियों में इस प्रिंटर को अलग वातानुकूलित करने में भी रखा जाता है। इस प्रकार के प्रिंटर का उपयोग जहाँ लगातार प्रिंटिंग की आवश्यकता होती है, वहाँ किया जाता है। इस प्रकार के प्रिंटर हैं। इन प्रिंटर की गति 50 से 135 पेज प्रति मिनट तक हो सकती है। इस प्रकार के प्रिंटर में 70,000 पेज एक दिन में प्रिंट किये जा सकते हैं। इन प्रिंटर में मेमोरी भी बहुत अधिक होती है।

### Color :-

वर्तमान में कलर लेजर प्रिंटर भी उपलब्ध हैं, इनमें बहुरंगी प्रिंटिंग की जा सकती है। इस प्रिंटर में चार हिस्से होते हैं, जो नीला (Cyan), लाल (Magenta), पीला (Yellow), एवं काला (Black) रंग प्रिंट होता है, इन चारों हिस्से से प्रिंट हो बहुरंगी प्रिंट निकलता है। इन प्रिंटर की गति 2 से 8 पेज प्रति मिनट तक होती है।

## Advantages of Laser Printer (लेजर प्रिंटर के लाभ)

1. इसकी प्रिंटिंग की गुणवत्ता अच्छी होती है।
2. प्रिंटिंग की गति बाकी प्रिंटर से अधिक होती है।
3. कागज के अतिरिक्त दूसरे मीडिया जैसे butter paper, pvc plate आदि पर भी प्रिंट किया जा सकता है।
4. ग्राफिक्स डाटा अधिक सूखमता से प्रिंट होता है।
5. प्रिंट करते समय आवाज नहीं करता है।
6. छोटे कार्यतयीत कार्य से लेकर बड़े नेटवर्क प्रिंटर में भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

## Disadvantages of Laser Printer (लेजर प्रिंटर की कमीयाँ)

1. लेजर प्रिंटर बाकी सभी कम्प्यूटर प्रिंटर से महंगा होता है।
2. कलर लेजर प्रिंटर अधिक महंगा होता है।
3. लेजर प्रिंटर इंकजेट प्रिंटर से बड़ा एवं भारी होता है।
4. Dot Matrix Printer के समान इसमें ड्रूपलीकेट प्रिंटिंग नहीं कर की जा सकती।
5. लेजर प्रिंटर से प्रिंट करने के लिए अधिक इलेक्ट्रिक पावर की आवश्यकता होती है।
6. \_\_\_\_\_

### *Difference between Word Processing and Desktop Publishing Software*

#### **Word Processing Software**

1. इसमें टेक्स्ट का निर्माण(creation), संपादन (editing) और मुद्रण (printing) शामिल है।
2. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग सरल मेमो, पत्र, पांडुलिपियाँ (manuscripts) और resume बनाने के लिए किया जाता है।
3. किसी भी वर्ड प्रोसेसर सॉफ्टवेयर में सीधे सीधे टेक्स्ट जोड़ सकते हैं।
4. वर्ड प्रोसेसिंग के अंतर्गत माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और ओपन ऑफिस जैसे सॉफ्टवेयर आते हैं।
5. डेस्कटॉप पब्लिशिंग की तुलना में वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करना आसान होता है।

वर्ड प्रोसेसर एक ऐसा प्रोग्राम होता है जिसका उपयोग किसी भी प्रकार की छापने योग्य सामग्री तैयार करने में किया जाता है |ऐसे प्रोग्राम में मुख्यतः पाठ्य को प्रविष्ट करने(Entering text), सम्पादित करने(To edit), फॉर्मेट करने और प्रिंट करने की समस्त सुविधाएं होती हैं |पहले यह कार्य टाइपराइटरों द्वारा हाथ से किये जाते थे, परन्तु उनमें बहुत अधिक समय लगता था, लेकिन वर्ड प्रोसेसर द्वारा यह कार्य अत्यंत सरल एवं आनंददायक हो गया है |

वर्ड प्रोसेसर स्वतंत्र प्रोग्राम के रूप में भी हो सकता और किसी बड़े पैकेज का एक भाग भी हो सकता है |वर्ड प्रोसेसरों में डॉक्यूमेंट की डिजाइन बनाने, चित्र बनाने अथवा डालने की सुविधाएं भी होती हैं |कई अच्छे वर्ड प्रोसेसरों में स्पेलिंग और ग्रामर की गलतियों को खोजने और ठीक करने की भी क्षमता होती है।

#### **Desktop Publishing Software**

1. डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर के जरिये हम उन दस्तावेजों का उत्पादन कर पाते हैं जिनमें टेक्स्ट और ग्राफिक्स का एक साथ प्रयोग किया जाता है।
2. डेस्कटॉप पब्लिशिंग का उपयोग समाचार पत्र, परिकार्यालय, विज्ञापनों और ब्रोशर जैसी चीजों पर काम करने के लिए किया जाता है जहां लेआउट महत्वपूर्ण होता है।
3. डेस्कटॉप पब्लिशिंग में टेक्स्ट को जोड़ने के लिए पहले टेक्स्ट फ्रेम को जोड़ना होता है।
4. डेस्कटॉप पब्लिशिंग सॉफ्टवेयर जैसे कि क्वार्कएक्सप्रेस 6.5 और 7.0 और साथ ही एडोबे इनडिजाइन सीएस और सीएस 2 का उपयोग किया जाता है।
5. वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर की तुलना में इसका उपयोग करना मुश्किल होता है।

डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ छापी जाने वाली सामग्री को अपनी मेज पर ही तैयार करना होता है अर्थात् अपनी मेज पर रखे उपकरणों द्वारा ही प्रकाशन का कार्य करना, इसका व्यवहारिक अर्थ है – कम्प्यूटर और उससे जुड़े उपकरणों द्वारा प्रकाशन का कार्य करना, दूसरे शब्दों में इस प्रणाली में पाठ्य कम्पोज करने, चित्र आदि बनाने से लेकर उन्हें विभिन्न पृष्ठों पर स्थान देने अर्थात् सेट करने तक का सारा कार्य अपनी मेज पर रखे कम्प्यूटर में ही किया जाता है और अंत में

ऐसी मास्टर प्रति लेजर प्रिंटर पर छापकर तैयार कर ली जाती है। जिसे आप किसी छपाई की विधि जैसे ऑफसेट विधि से सीधे कागज पर उतार सकते हैं और इच्छानुसार कितनी भी प्रतिया छाप सकते हैं।

संक्षेप में, अपने डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है। इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध हैं, जिनके द्वारा आप टुकड़ों में बंटी हुई सूचनाओं और सामान्य को आपस में जोड़कर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते हैं।

### What is Offset Printing (ऑफसेट प्रिंटिंग क्या हैं ?)

ऑफसेट प्रिंटिंग एक ऐसी प्रिंटिंग हैं जो साधारणतः छोटे एवं मध्यम कार्डों में प्रयोग की जाती हैं, जैसे Newspaper, Books, Magazine, bill book, form इत्यादि। इस प्रिंटिंग की गति तेज होती हैं इससे एक साथ 1000 से 10,000 प्रतियां छापी जाती हैं। यह तेज एवं स्थिर प्रिन्टिंग प्रणाली है। लेकिन इसकी प्रिन्टिंग गुणवत्ता बहुत अच्छी नहीं होती हैं, तथा कलात्मक काम इसमें प्रिन्ट नहीं किये जा सकते हैं। लेकिन सामान्य प्रिन्टिंग कार्डों के लिए यह पद्धति बहुत प्रयोग होती हैं।

इस प्रकार की प्रिन्टिंग तकनीक में इमेज प्रिन्टिंग प्लेट से रबर की शीट पर स्थनांतरित की जाती हैं, उस रबर शीट से कागज पर इमेज स्थनांतरित की जाती हैं। इस प्रकार की तकनीक में Oil और Water का प्रयोग करते हुए श्याही से कागज पर इमेज प्रिन्ट की जाती हैं। इसमें रबर की शीट में जो हिस्सा प्रिन्ट नहीं होना हैं, उसमें पानी का बेस बनता हैं, तथा जिन हिस्सों को प्रिन्ट होना हैं उसमें स्याही (जिसमें आईल होता) का बेस बनता हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिंग 1900 शताब्दी के शुरुआत से चालू हुई थी।

बाकी मुद्रण पद्धतियों से यह प्रभावी स्तरी, एवं तेज तकनीक हैं। इसमें बड़े आकार की प्रिन्टिंग कम समय में की जा सकती हैं। इस प्रकार की पद्धति में प्रयोग होने वाली मशीनों का रखरखाव भी लगता हैं। बाकी प्रिन्टिंग मशीनों से ऑफसेट मशीनों पर कार्य करना आसान है। इसका प्रयोग अधिकतर कागज पर प्रिन्टिंग के लिए होता है।

इस प्रकार के प्रिन्टिंग को लिथोग्राफी भी कहा जाता हैं। इस प्रकार के प्रिन्टर में एक प्लेट प्रयोग की जाती हैं। यह प्लेट PVC या एल्युमीनियम की होती हैं। इसके अतिरिक्त अनेक प्रकार की प्लेट होती हैं, लेकिन साधारणतः एल्युमीनियम की प्लेट प्रयोग की जाती हैं। यह वजन में हल्की एवं मजबूत होती हैं। एल्युमीनियम की प्लेट पर पानी एवं आईल का काई असर नहीं होता हैं। इस प्लेट पर प्रक्रिया कर उस पर जो डाटा प्रिन्ट करना है, वह उतारा जाता है।

### Process of Offset Printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग की प्रक्रिया)

ऑफसेट मशीन में मुख्यतः तीन सिलेंडर होते हैं, पहले सिलेंडर पर मास्टर या प्लेट लगाई जाती है, दूसरे सिलेंडर पर रबर की परत होती हैं, जिससे इमेज प्रिन्ट की जाती हैं, तीसरे सिलेंडर पर कागज लगता है। इसके अतिरिक्त स्याही को अच्छे से मिलाने के लिए विभिन्न रबर के रोल होते हैं। ऑफसेट प्रिन्टिंग में प्रिन्ट करने की निम्न विधि हैं।

1. सबसे पहले जो डाटा प्रिन्ट करना हैं, उसे कम्प्यूटर द्वारा प्लास्टिक प्लेट पर या बड़ी एक्सपोजिंग मशीन द्वारा एल्युमीनियम की प्लेट पर उतारा जाता है।
2. मशीन के पहले सिलेंडर को मास्टर सिलेंडर भी कहा जाता हैं।
3. जिस रंग में छपाई करना हैं, उस रंग की स्याही इंक रोल में डाली जाती हैं। स्याही को मशीन में जिस जगह रखा जाता हैं, उस जगह को Ink Dust कहा जाता है।
4. Ink Dust यह एक रोलर से जुड़ा होता है, वह रोलर Ink Dust से आवश्यकतानुसार स्याही लेता रहता है।
5. इंक रोलर अन्य दो दो रोलर से जुड़ा होता हैं, उनमें एक रोलर दाँड़-बाँड़ भी घुमता रहता हैं, जिससे स्याही अच्छे से मिक्स हो जाती हैं। दूसरा इंक रोलर प्लेट के सिलेंडर से घस्ते हुए घुमता हैं।
6. बेस रोल में पानी डाला जाता है। इस प्रकार की प्रिन्टिंग में पानी की बहुत अहम भूमिका होती हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिंग में जिस हिस्से में प्रिन्टिंग होना हैं, वहाँ पर स्याही आती हैं, तथा जिस हिस्से में प्रिन्ट नहीं होना हैं, उस पर पानी की परत आती हैं। इस तरह से सिर्फ प्लेट पर छपा मैटर ही प्रिन्ट होती हैं। इससे स्याही प्लेट पर लगती हैं। प्लेट के दूसरे हिस्से में पानी का रोल भी जुड़ा होता हैं। स्याही और पानी दोनों प्लेट पर एक साथ लगती जाती हैं।
7. अब मशीन को चालू कर दिया जाता हैं। कुछ देर बाद स्याही या प्लेट सिलेंडर पर आती हैं।
8. प्लेट सिलेंडर यह रबर के सिलेंडर (जिसे ब्लान्केट कहा जाता हैं) से घस्ते हुए घुमता हैं। इससे प्लेट पर लगी हुई स्याही रबर के सिलेंडर पर आती हैं।
9. रबर के सिलेंडर से और एक सिलेंडर लगा होता हैं। उन दोनों के बीच में से पेपर जाता हैं। जो इमेज रबर के सिलेंडर पर आती वह पेपर पर प्रिन्ट होती हैं।
10. प्लेट के जिस हिस्से में इमेज या टेक्स्ट हैं, उस पर स्याही की परत लग जाती हैं। बाकी हिस्से में पानी की परत आ जाती हैं।
11. प्लेट पर जिस हिस्से में स्याही लगी हैं, उसकी मिरर इमेज दूसरे सिलेंडर पर आती हैं। इस सिलेंडर पर रबर की परत चढ़ी होती हैं।
12. अंत में रबर की परत वाले सिलेंडर से पेपर पर इमेज प्रिन्ट होती हैं।

इस प्रकार प्रिन्टिंग सिर्फ एक समान के पेपर पर ही की जा सकती हैं। यदि बहुरंगी प्रिन्टिंग करना हैं, तब उसे एक से अधिक बार प्रिन्ट किया जाता हैं। नीले, लाल, पीले एवं काले रंग से लगभग सभी रंग प्रिन्ट किये जाते हैं। कुछ बड़ी मशीनों में यह चारों रंग एक साथ प्रिन्ट होते हैं।

## Advantages of Offset printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग प्रणाली के लाभ)

1. इसमें डाटा साफ एवं स्पष्ट प्रिंट होता है। इसमें टेक्स्ट के साथ ग्राफिक की भी प्रिन्टिंग की जा सकती है।
2. इसकी गति बहुत अधिक होती है। यह सामान्यतः 1000 पेज प्रति घंटे से 10,000 पेज प्रति घंटे तक प्रिंट कर सकता है।
3. किसी पेज का मास्टर बनने के बाद, बहुत कम समय में मशीन पर प्रिन्टिंग चालू कर सकते हैं।
4. इसमें प्लेट बनाने के बाद उस प्लेट से एक बार से कितनी भी प्रिन्टिंग की जा सकती है।
5. इस प्रकार की मशीनों में स्थाही की खपत एवं अपव्यव बहुत कम होता है, इसलिए यह एक सस्ती प्रणाली है।
6. इस प्रणाली से की गई प्रिन्टिंग करने के बाद कोई और प्रक्रिया नहीं करनी पड़ती है।
7. बड़े आकार की प्रिन्टिंग भी की जा सकती है।
8. इस प्रकार की प्रिन्टिंग में बहुत अधिक कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता नहीं होती है।
9. अधिक मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए यह सबसे सस्ती प्रणाली है।
10. बहुरंगी प्रिन्टिंग की जा सकती है।
11. प्रिन्टिंग के समय बहुत शोर नहीं होता है, जैसे की Letterpress Printing में होता है।

## Disadvantages of Offset printing (ऑफसेट प्रिन्टिंग प्रणाली की कमीयें)

1. ऑफसेट मशीन की लागत अधिक होती है।
2. इसमें इलेक्ट्रिक पावर की आवश्यकता अधिक होती है।
3. इस प्रिंटिंग के लिए अर्धकुशल कर्मचारियों की आवश्यकता होती है।
4. एक बार बनाई प्लेट को बार बार प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
5. कम मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए महंगी प्रणाली है।
6. फोटो क्वालिटी प्रिन्टिंग अच्छी नहीं होती है।

वर्तमान में इस प्रकार की प्रिन्टिंग लगभग सभी छपाई के काम के लिए प्रयोग हो रही हैं। किताब, समाचार पत्र, बहुरंग पोस्टर आदि का उत्पादन इस प्रकार की प्रिन्टिंग प्रणाली से किया जाता है।

---

**प्रिंटिंग क्या है? प्रिंटिंग के प्रकार (What is Printing and its types)**

**प्रिंटिंग क्या है? (What is Printing?)**

डेस्कटॉप प्रकाशन में, टेक्स्ट को वर्ड प्रोसेसर पर तैयार किया जाता है, और ड्राइंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करके इमेज तैयार किए जाते हैं। फोटोग्राफ या अन्य कला को भी एक स्कैनर का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक रूप से कैप्चर किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक फाइलों को अगले पेज-लेआउट एप्लिकेशन चलाने वाले कंप्यूटर पर भेजा जाता है। पेज लेआउट सॉफ्टवेयर डेस्कटॉप प्रकाशन के बहुत महत्वपूर्ण है। यह सॉफ्टवेयर डेस्कटॉप प्रकाशक को एक पेज पर टेक्स्ट और चित्रण में हेरफेर करने की अनुमति देता है।

वांछित प्रिंटिंग गुणवत्ता के आधार पर, इलेक्ट्रॉनिक पेजों को या तो डेस्कटॉप प्रिंटर पर प्रिंट किया जा सकता है, या प्रिंटिंग ब्यूरो में भेजा जा सकता है जहां इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट एक उच्च अंत कंप्यूटर पर लोड होता है। यदि डॉक्यूमेंट एक प्रिंटिंग ब्यूरो को भेजा जाता है, तो स्कैन की गई इमेजेयों को प्रिंटिंग से पहले उच्च-रिज़ॉल्यूशन इलेक्ट्रॉनिक इमेजेयों से बदला जा सकता है। यदि डॉक्यूमेंट को कलर में प्रिंट करना है, तो प्रिंटिंग ब्यूरो चार कलर का उपयोग करेगा सियान, मैजेंटा, पीला और काला।

अधिकांश डेस्कटॉप प्रिंटर कागज पर डॉट्स खींचकर चित्र बनाते हैं। मानक प्रिंटर रिज़ॉल्यूशन 300 डॉट प्रति इंच होता है, जिसमें उच्च रिज़ॉल्यूशन उपलब्ध होता है। यह कंप्यूटर टर्मिनल के 72 डॉट प्रति इंच के रिज़ॉल्यूशन से बहुत अधिक है।

**प्रिंटिंग के प्रकार (Types of Printing).**

कई प्रकार की टेक्नोलॉजी हैं जिनका उपयोग सामान को प्रिंट करने के लिए किया जाता है। डेस्कटॉप पुब्लिशिंग में निम्न औद्योगिक प्रिंटिंग प्रक्रियाएं प्रयोग होती हैं:

- Offset or Offset lithography Printing (ऑफसेट या ऑफसेट लिथोग्राफी)

यह प्रिन्टिंग के क्षेत्र में सबसे कॉमन प्रिन्टिंग मैथड हैं। अधिकतर प्रिन्टर्स ऑफसेट या ऑफसेट लिथोग्राफी का इस्तेमाल करते हैं। इनमें इंक की खपत कम होती है, साथ ही साथ मशीन को सेट करने में भी कम टाइम लगता है। यह प्रिन्टिंग के उन्नत तरीकों में से एक है। यह बड़े और महंगे प्रिंटिंग प्रेस का उपयोग करता है और उपलब्ध प्रिंटिंग की उच्चतम गुणवत्ता का उत्पादन करता है। ऑफसेट प्रिंटिंग में, डिजाइन को आमतौर पर कंप्यूटर फाइल के रूप में डिजिटल रूप में प्रदान किया जाता है। इस फाइल को प्रिंटिंग के लिए तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कंप्यूटर पर प्रोसेस किया जाता है (इसे प्री-प्रेस कहा जाता है)।

अगले चरण में 'प्लेट्स' बनाना शामिल है जिसका उपयोग ऑफसेट प्रिंटर में किया जाएगा। प्लेटों की संख्या प्रिंट रन में उपयोग किए जाने वाले रंगों की संख्या के बराबर होती है। आमतौर पर, उपयोग किए जाने वाले रंगों की सबसे कम संख्या 4 है, अन्य विकल्पों में 6 और 8 रंग प्रक्रियाएं हैं। स्रोत के रूप में रेडी-ट्रॉप्रिंट फाइल का उपयोग करके, प्लेट बनाई जाती है और फिर ऑफसेट प्रिंटर में लोड की जाती है। इनमें से प्रत्येक प्लेट का उपयोग मीडिया पर इसके संबंधित रंग को प्रिंट करने के लिए किया जाता है। एक बार सभी रंगों के प्रिंट हो जाने के बाद, हम अंतिम डिजाइन प्राप्त करते हैं जो चार रंगों में अपना परिणाम देती है। उपयोग किए गए रंगों की संख्या 4, 6 या अधिक वांछित गुणवत्ता पर आधारित है। रंगों की संख्या जितनी अधिक होती है, प्रिंट की गुणवत्ता उतनी ही अधिक होती है लेकिन इससे प्रिंट रन की लागत भी बढ़ जाती है।

- Engrave Printing (एनग्रेव प्रिंटिंग)

प्रिंटिंग में, एनग्रेव का मतलब प्रिंटिंग प्लेट में एक पैटर्न बनाना है। एनग्रेव पैटर्न इमेज को प्रिंट करने के लिए उपयोग की जाने वाली स्याही को बरकरार रखता है। इसका विकास 1446 में हुआ था इसलिए यह तकनीक कम से कम 560 वर्ष पुरानी है। इसमें एक धातु की प्लेट पर इमेज को उकेरा जाता है इसके बाद प्लेट पर स्याही लगाई जाती है, फिर स्याही को पोछा जाता है ताकि स्याही केवल एनग्रेव लाइनों में बनी रहे, फिर इमेज का एक प्रिंट बनाने के लिए इसे कागज पर दबाया जाता है।

एनग्रेविंग सबसे प्राचीनतम ग्रेविंग तकनीक में से एक है। यह एनग्रेविंग प्रिन्टिंग तकनीक अन्य तकनीक से तुलनात्मक रूप से सबसे शार्प इमेज प्रोड्यूस करती है। यह नक्काशी छपाई की एक मैथड है।

- Screen Printing (स्क्रीन प्रिंटिंग)

स्क्रीन प्रिंटिंग छोटे एवं मध्यम डाटा को प्रिंट करने के लिए प्रयोग होती हैं। इसके लिए बहुत कम संसाधनों की आवश्यकता होती हैं। इस प्रकार की प्रिन्टिंग का प्रयोग ना सिर्फ कागज अपितु दूसरे माध्यम पर भी आसानी से कर सकते हैं। स्क्रीन प्रिंटिंग का उपयोग visiting card, शादी की पत्रिका आदि प्रिंट करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार की प्रिंटिंग की गति कम होती है। स्क्रीन प्रिंटिंग में विभिन्न रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जाता है। इस पद्धति में प्रिंटिंग गहरे (dark) कलर में आती है, लेकिन इसकी प्रति पेज प्रिंटिंग लागत अधिक होती है। यह प्रिंटिंग तकनीक संपूर्णतः मशीन रहित है। इस प्रकार की प्रिंटिंग कागज के अतिरिक्त दूसरे मीडिया जैसे कपड़ा, लेदर इत्यादि पर भी की जा सकती हैं।

- Flexography Printing (फ्लेक्सोग्राफी प्रिंटिंग)

फ्लेक्सोग्राफी को अक्सर फ्लेक्सों कहा जाता है। फ्लेक्सोग्राफी में जिस सामग्री को प्रिंट करने की आवश्यकता होती है, वह प्रिंटिंग प्लेट की एक रिलीफ पर होती है, जिसे रबर से बनाया जाता है। इस प्लेट पर स्याही लगाई जाती है और उस स्याही वाली इमेज को बाद में प्रिंटिंग सतह पर स्थानांतरित कर दिया जाता है। इस प्रक्रिया को कागज के साथ-साथ प्लास्टिक, धातु, सिलोफन और अन्य सामग्रियों पर भी प्रिंट किया जा सकता है। फ्लेक्सो का उपयोग मुख्य रूप से पैकेजिंग और लेबल के लिए और कुछ हद तक समाचार पत्रों के लिए भी किया जाता है।

- Gravure printing (ग्रेवर प्रिंटिंग)

ग्रेवर प्रिंटिंग को रोटोग्राफर के रूप में भी जाना जाता है, यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें एक इमेज को एक प्रिंटिंग सिलेंडर में उकेरा जाता है। उस सिलेंडर पर स्याही लगी होती है और यह स्याही बाद में कागज में स्थानांतरित हो जाती है। Gravure का उपयोग उच्च मात्रा में काम करने के लिए किया जाता है जैसे कि समाचार पत्र, पत्रिकाएं और पैकेजिंग।

- Inkjet printing (इंकजेट प्रिंटिंग)

इंकजेट प्रिंटिंग लेजर प्रिंटिंग के समान है। इसमें 4, 6 या अधिक रंगों का उपयोग होता है। हालांकि, ये रंग तरल होते हैं इंकजेट प्रिंटर में, प्रिंटर सॉफ्टवेयर निर्धारित करता है कि अंतिम प्रिंट प्राप्त करने के लिए किस स्थान पर किस रंग को लागू किया जाना है। रंग को मीडिया पर छोटी बूँदों में छिड़का जाता है और इन सभी रंगों के संयोजन से अंतिम इमेज बनती है।

- Laser Printing (लेजर प्रिंटिंग)

लेजर प्रिंटर का प्रयोग कंप्यूटर सिस्टम में 1970 के दशक से हो रहा है पहले ये Mainframe Computer में प्रयोग किये जाते थे 1980 के दशक में लेजर प्रिंटर का मूल्य लगभग 3000 डॉलर था ये प्रिंटर आजकल अधिक लोकप्रिय हैं क्योंकि ये अपेक्षाकृत अधिक तेज और उच्च क्वालिटी में टेक्स्ट और ग्राफिक्स प्रिंट करते हैं अधिकांश लेजर प्रिंटर (Laser Printer) में एक अतिरिक्त माइक्रो प्रोसेसर (Micro Processor) रेम (Ram) व रोम (Rom) का प्रयोग (use) किया जाता है यह प्रिंटर भी डॉट्स (dots) के द्वारा ही कागज पर प्रिंट (print) करता है परन्तु ये डॉट्स (dots) बहुत ही छोटे व पास-पास होने के कारण बहुत सपष्ट प्रिंट (print) होते हैं इस प्रिंटर में कार्टरेज का प्रयोग किया जाता है जिसके अंदर सुखी स्याही (Ink Powder) को भर दिया जाता है लेजर प्रिंटर के कार्य करने की विधि मूलरूप से फोटोकॉपी मशीन की तरह

होती है लेकिन फोटोकॉपी मशीन में तेज रोशनी का प्रयोग किया जाता है लेजर प्रिंटर (Laser Printer) 300 से लेकर 600 DPI (Dot Per Inch) तक या उससे भी अधिक रेजोल्युशन की छपाई करता है रंगीन लेजर प्रिंटर उच्च क्वालिटी का रंगीन आउटपुट देता है इसमें विशेष टोनर होता है जिसमें विभिन्न रंगों के कण उपलब्ध रहते हैं यह प्रिंटर बहुत महंगे होते हैं क्योंकि इनके छापने की गति उच्च होती है तथा यह प्लास्टिक की सीट या अन्य सीट पर आउटपुट (output) को प्रिंट (print) कर सकते हैं।

लेजर प्रिंटर कम्प्यूटर से जुड़ा होता है। इस प्रिंटर में कागज के साथ ही, film transparent paper, butter paper एवं PVC place आदि पर भी प्रिंट निकाला जा सकता है। इसकी तकनीक कॉपियर (झोराक्स) तकनीक के समान होती है। इसमें किसी प्रकार के रिबन का प्रयोग नहीं किया जाता। इसमें लेजर किरण एवं प्रकाश के स्त्रोतों से इमेज को उत्पन्न किया जाता है। लेजर के किरणों को कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इमेज Raster Scan तकनीक से प्रिंट की जाती है। लेजर प्रिंटर में, किसी इमेज को प्रिंट करने की प्रक्रिया सात पदों में पूर्ण होती है।

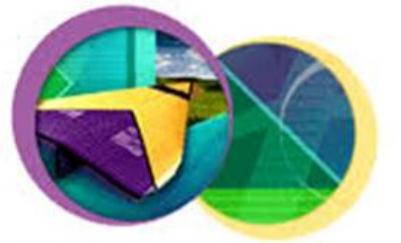
#### वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज (Word Processing Package)

वर्ड प्रोसेसिंग एक वर्ड एडिटिंग सॉफ्टवेयर हैं क्योंकि इस पैकेज का प्रयोग टेक्स्ट पर सुविधापूर्वक कार्य करने के लिए किया जाता है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से हम image पर ज्यादा अच्छे से कार्य नहीं कर सकते हैं। वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज के अंतर्गत वे सॉफ्टवेयर आते हैं जिनका प्रयोग डॉक्यूमेंट में text Formatting, page setup, border, printing आदि करने के लिए किया जाता है। साधारण: Book, magazine, office letter, application आदि के लिए इसका उपयोग किया जाता है। MS-word आदि इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण हैं।



#### पेज लेआउट के पैकेज (Page Layout Package)

इस पैकेज का प्रयोग विभिन्न प्रकार की पेज एडिटिंग करने के लिए किया जाता है। यह Application (अनुप्रयोग) सामान्यतः पेज ले आऊट बनाने के लिये इस्तेमाल होता है। जैसे की किताब की डिजाइन (book design), पत्रिकायें (magazine), परिचय पत्र (identity letter), आदि। इसमें रंग संयोजन की भी सुविधाये होती हैं। इस प्रकार के पैकेज में वर्ड प्रोसेसर की अपेक्षा टेक्स्ट पर अधिक नियंत्रण रख सकते हैं। इन पैकेजों में अन्य अप्लिकेशन की फाइल का आसानी से प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रकार के पैकेज में साधारणतः टेक्स्ट एक block के रूप में होता है। जिसे आसानी से इच्छित जगह रखा जा सकता है। पेज लेआउट को भी सेट किया जा सकता है, जैसे बड़े आकार के समाचार पत्र आदि। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण पेजमेकर, एम एस पब्लीशर आदि हैं।



#### ग्राफिक डिजाइन के पैकेज (Graphic Design Package)

इस पैकेज का प्रयोग अलग अलग प्रकार के ग्राफिक बनाने के लिए किया जाता है। इन पैकेजों के द्वारा जटिल तथा कलात्मक डिजाइन बना सकते हैं। इस पैकेज में व्हेक्टर ग्राफिक्स (Vector Graphic) बनाने, बहुरंग पोस्टर बनाने, ब्राउशर डिजाइन के इन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। साधारणतः इन अप्लिकेशन में बनाई हुए फाइलों का आकार बड़ा होता है। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण कोरलड्रा, अँडोब इलास्टेटर, फोटोशॉप आदि हैं।



फोटो एडीटिंग पैकेज (Photo Editing Package).

इस पैकेज का प्रयोग फोटो में एडीटिंग करने के लिए किया जाता है। यह पैकेज सामान्यतः फोटो में बदलाव तथा फोटो में विभिन्न इफेक्ट देने के लिये प्रयोग होता है। सामान्यतः इन पैकेजों में काम करने के लिये ज्यादा मेमोरी की जरूरत होती है। इस प्रकार के पैकेज के उदाहरण अँडोब फोटोशॉप, कोरल ड्रा. फोटो पैट आदि हैं।



### एडोब पेजमेकर 7.0 का परिचय (Introduction of Page Maker)

Adobe PageMaker सबसे पहले 1985 में Apple Macintosh पर Aldus द्वारा पेश किया गया डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रोग्राम है। बाद में इसे एडोब कॉरपोरेश ने ग्रहण किया। इसके बाद इसके कई वर्जन बाजार में जारी किये गए।

Adobe PageMaker एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जिसका उपयोग ब्रोशर, फ्लायर्स, न्यूज़लेटर्स, रिपोर्ट और कई अन्य व्यावसायिक-गुणवत्ता के दस्तावेज़ बनाने के लिए किया जाता है। जो व्यवसाय या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। प्रोग्राम उपयोगकर्ताओं को दस्तावेज़ों को फॉर्मेट करना, उनके लेआउट को समायोजित करना और विभिन्न डिज़ाइन विवरणों को बदलना आसान बनाता है, जैसे कि ग्राफिक्स और फॉट, दस्तावेज़ को प्रिंट करने और वितरित करने से पहले।

एडोब पेजमेकर 7.0 डेस्कटॉप प्रकाशन एप्लिकेशन का अंतिम संस्करण है। हालाँकि यह अभी भी Adobe द्वारा बेचा और समर्थित है। एडोब पेजमेकर 7.0 मूल रूप से 2002 में जारी किया गया था। यह छोटे व्यवसायों और पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह प्रिंट के लिए चीज़ों को डिज़ाइन करने और पोस्टरों से लेकर रिपोर्टों तक के लिए बनाया गया है। एडोब के अधिकांश आउटपुट की तरह यह एक सुविधा संपन्न कार्यक्रम है।

एडोब पेजमेकर Macintosh और Windows दोनों कंप्यूटरों पर चलता है। और यह अनुशंसा की जाती है कि प्रोग्राम को चलाने के लिए उपयोग किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम में कम से कम 200 मेगाबाइट हार्ड डिस्क स्थान उपलब्ध हो। पेजमेकर एडोब फोटोशॉप, एडोब इलस्ट्रेटर और एडोब एक्झेक्यूटिव सहित अन्य एडोब कार्यक्रमों के साथ मिलकर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

#### पेजमेकर की विशेषताएँ (Features of PageMaker).

- इसमें टेम्पलेट को ऐड किया गया है। जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेजों की डिज़ाइन पहले से ही निर्धारित होती है। और आप उनका उपयोग करके अपने काम को जल्दी कर सकते हैं।
- इस एडिशन में पहली बार ट्लबार को जोड़ा गया। जिसके द्वारा काम करने की स्पीड में वृद्धि हुई है। इस ट्लबार की मदद से आप फाइल को प्रिंट, सेव, फॉर्माटिंग, स्पेलिंग घेक एक ही क्लिक से कर सकते हैं।

इसमें कलर मैनेजमेंट का प्रयोग भी किया गया है। इसके द्वारा आप डॉक्यूमेंट में रंगों का निर्धारण अपनी पसंद के अनुसार कर सकते हैं।

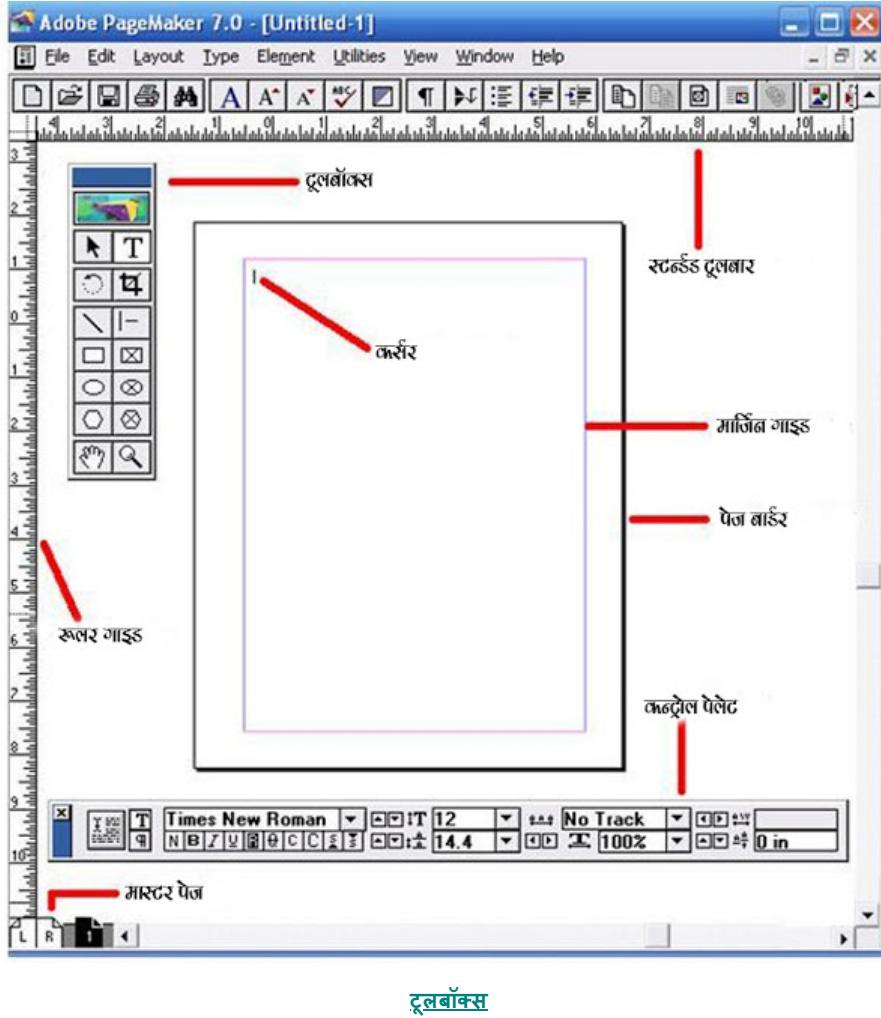
क्लिप आर्ट के प्रयोग से आप चित्र और आइकॉन का उपयोग पब्लिशिंग में आसानी से कर सकते हैं।

आधुनिक तथा एडवांस प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से आप दोनों तरफ प्रिंटिंग, ड्रूचर्क्स प्रिंटिंग, बाइंडिंग प्रिंटिंग आदि आसानी से कर सकते हैं।

फोटोशॉप के द्वारा फोटो को डायरेक्टली इम्पोर्ट करके उपयोग में ले सकते हैं।

## Adobe PageMaker Screen (एडोब पेजमेकर की स्क्रीन)

पेजमेकर को खोलने पर आपके सामने जो स्क्रीन आती है उसमे निम्न विकल्प होते हैं -



यह PageMaker में काम करते समय प्रयोग में लाये जाने वाले औजारों (Tools) का एक Box होता है, यहाँ पर आपको पब्लिकेशन बनाने के लिए 14 प्रकार के टूल्स मिलते हैं। पेजमेकर में जो फाइल बनाई जाती है उसे पब्लिकेशन कहा जाता है। इसे आप अपनी सुविधानसार कहीं भी मूव कर सकते हैं।

पेजमेकर में जब कोई नया पब्लिकेशन बनाया जाता है या पहले बनाये गये पब्लिकेशन को खोला जाता है तभी ट्रूल बॉक्स में जो Icons होते हैं वो दिखाई देने लगते हैं। अगर किसी वजह से ट्रूल बॉक्स दिखाई ना दे तो विंडो मेनू को ओपन करके Show Tools पर क्लिक करके पेजमेकर में पब्लिकेशन के टेक्स्ट तथा ग्राफिक्स की एडिटिंग की जा सकती है।

## स्टैंडर्ड दूल बार

पेजमेकर के मेनू बार के नीचे स्टैंडर्ड ट्रूल बार होती है। इसमें प्रयोग किये जाने वाली कमांड जैसे न्यू ओपन, सेव, प्रिंट, फाइल आदि आइकॉन के रूप में दिए होते हैं। जिन्हें आप पब्लिकेशन में काम करते समय प्रयोग में ला सकते हैं।

रुलर गाइड्स

पेज की लम्बाई-चौड़ाई बताने के लिए रुलर गाइड्स का प्रयोग होता है। जरूरत होने पर इसे भी मूव किया जा सकता है। रुलर गाइड्स पब्लिकेशन के लेफ्ट और टॉप में होती है।

## कण्टोल पैलेट

इसमें फॉन्ट, फॉन्ट साइज़, बोल्ड, इंटैलिक, अंडर लाइन, लाइन स्पेसिंग, आदि ऑप्शन दिए गए होते हैं। जो पब्लिकेशन पर काम करते समय किसी प्रकार की एडिटिंग करने में प्रयोग किये जाते हैं।

इससे आप पेज की बार्डर सिलेक्ट कर सकते हैं। आपको कितनी बार्डर रखनी है अगर आपने कुछ टाइप किया है और वह पेज की बार्डर से बाहर चला जाता है तो वह प्रिंट निकालते समय प्रिंट नहीं होता है।

## मार्जिन गाइड्स

पेज के अंदर टाइपिंग की जगह को निर्धारित करने के लिए इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है। पेज पर यह नीले रंग की एक पतली रेखा के रूप में दिखाई देती है।

### पेजमेकर के वर्जन

June 20, 2019

1,500 Views

5 Min Read

एल्डस पेजमेकर (*Aldus PageMaker*)

एल्डस पेजमेकर मैक और विंडोज के लिए एक डेस्कटॉप पब्लिकेशन सॉफ्टवेयर है। पेजमेकर पहले 1985 में एल्डस द्वारा शुरू किया गया था, शुरुआत में इसे सिर्फ ऐप्पल मैकिन्टोश के लिए ही रिलीज किया गया था लेकिन कुछ समय बाद 1987 में आईबीएम पीसी के लिए 1.0 को रिलीज किया गया।

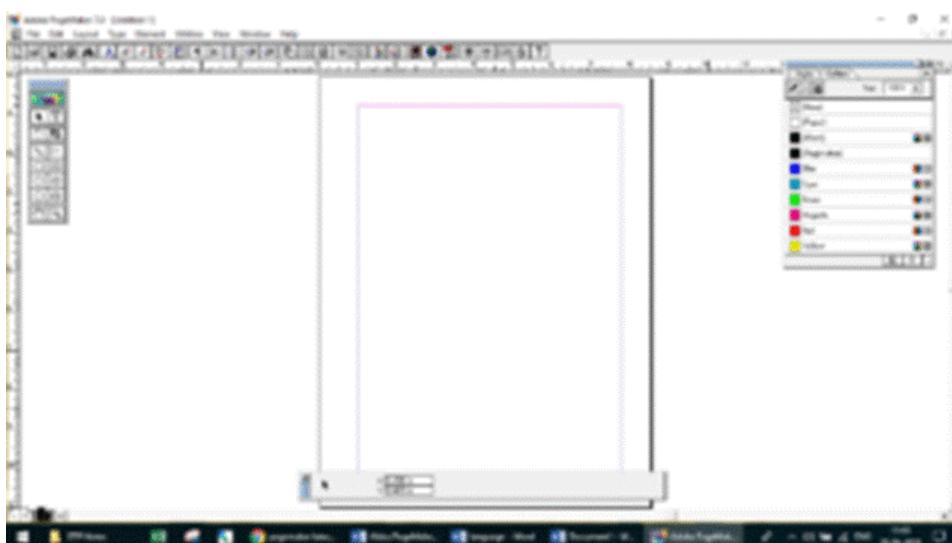
Adobe PageMaker सबसे पहले 1985 में Apple Macintosh पर Aldus द्वारा पेश किया गया डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रोग्राम है। बाद में इसे एडोब कॉरपोरेशन ने ग्रहण किया। इसके बाद इसके कई वर्जन बाजार में जारी किये गए।

एडोब पेजमेकर (*Adobe PageMaker*)

Adobe PageMaker एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जिसका उपयोग ब्रोशर, फ्लायर्स, न्यूज़लेटर्स, रिपोर्ट और कई अन्य व्यावसायिक-गुणवत्ता के दस्तावेज़ बनाने के लिए किया जाता है जो व्यवसाय या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। प्रोग्राम उपयोगकर्ताओं को दस्तावेज़ों को फॉर्मेट करना, उनके लेआउट को समायोजित करना और विभिन्न डिज़ाइन विवरणों को बदलना आसान बनाता है, जैसे कि ग्राफिक्स और फॉट, दस्तावेज़ को प्रिंट करने और वितरित करने से पहले।

एडोब पेजमेकर 7.0 डेस्कटॉप प्रकाशन एप्लिकेशन का अंतिम संस्करण है। हालाँकि यह अभी भी Adobe द्वारा बेचा और समर्थित है। एडोब पेजमेकर 7.0 मूल रूप से 2002 में जारी किया गया था, यह छोटे व्यवसायों और पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया था। यह प्रिंट के लिए चीज़ों को डिज़ाइन करने और पोस्टरों से लेकर रिपोर्टों तक के लिए बनाया गया है। एडोब के अधिकांश आउटपुट की तरह यह एक सुविधा संपन्न कार्यक्रम है।

एडोब पेजमेकर Macintosh और Windows दोनों कंप्यूटरों पर चलता है, और यह अनुशंसा की जाती है कि प्रोग्राम को चलाने के लिए उपयोग किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम में कम से कम 200 मेगाबाइट हार्ड डिस्क स्थान उपलब्ध हो। पेजमेकर एडोब फोटोशॉप, एडोब इलस्ट्रेटर और एडोब एक्झेक्यूट इन्डेपेंडेंट सहित अन्य एडोब कार्यक्रमों के साथ मिलकर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।



पेजमेकर के वर्जन्स (*Versions Of PageMaker*)

पेजमेकर के अब तक कई सारे वर्जन मार्केट में आ चुके हैं जिनके बारे में हम विस्तार से जानेगे।

- एल्डस पेजमेकर 1.0 को जुलाई 1985 में मैकिन्टोश के लिए और दिसंबर 1986 में आईबीएम पीसी के लिए जारी किया गया था।

- मैकिन्टोश के लिए एल्डस पेजमेकर 1.2 को 1986 में जारी किया गया था।

- मैकिन्टोश के लिए एल्डस पेजमेकर 4.0 को 1990 में जारी किया गया था और लंबे दस्तावेज़ों को संभालने के लिए एनर्डवर्ड प्रोसेसिंग क्षमताओं, विस्तारित टाइपोग्राफिक नियंत्रण और उन्नत सुविधाओं की पेशकश की गई थी।

- एल्डस सिस्टम्स द्वारा एल्डस कॉर्पोरेशन का अधिग्रहण करने के एक साल बाद 1995 में एडोब पेजमेकर 6.0 जारी किया गया था।
- एडोब पेजमेकर 6.5 1996 में जारी किया गया था। एल्डस पेजमेकर 2.0 को 1987 में जारी किया गया था। मई 1987 तक, विडोज 1.0.3 के पूर्ण संस्करण के साथ प्रारंभिक विडोज रिलीज को बंडल किया गया था; यह संस्करण MS डोस को भी सपोर्ट करता था।
- अप्रैल 1988 में मैकिंटोश के लिए एल्डस पेजमेकर 3.0 को भैंज दिया गया था।
- एडोब पेजमेकर 7.0, 9 जुलाई 2001 को जारी किया गया था, हालांकि दो समर्थित प्लेटफॉर्मों के लिए अपडेट जारी किए गए हैं। Macintosh संस्करण केवल Mac OS 9 या पूर्व में चलता है, मैक ओएसएक्स, के लिए कोई मूल समर्थन नहीं है।

पेजमेकर डी.टी.पी. सॉफ्टवेयर के रूप में (PageMaker as a DTP Software).

पेजमेकर पहले एल्डस द्वारा विकसित किया गया था और बाद में 90 के दशक में एडोब द्वारा इसे अधिग्रहित किया गया था। पेजमेकर आज भी सबसे लोकप्रिय डी.टी.पी. सॉफ्टवेयर में से एक है। लेकिन इसके विकास को संस्करण 7 के बाद रोक दिया गया है। हालांकि इसे अभी भी कुछ चुनिदा उपयोगकर्ताओं के लिए विपणन किया जा रहा है। पेजमेकर की विशेषताएं अब InDesign के साथ एकीकृत हैं, जिसे Adobe सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

पेजमेकर में पुस्तक प्रकाशन को छोड़कर लगभग सभी डी.टी.पी. अनुपयोगों के लिए विशेष सॉफ्टवेयर हैं। यह पीडीएफ, एचटीएमएल से फाइलों को इम्पोर्ट कर सकता है और QuarkXPress और माइक्रोसॉफ्ट Publisher फोर्मेट्स को परिवर्तित कर सकता है। इसमें प्लगइन्स के फीचर्स हैं और यह मैक और विडोज दोनों विडोज दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम्स पर चलता है।

पेजमेकर की विशेषताएं (Features of PageMaker).

- इसमें टेम्पलेट को ऐड किया गया है। जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेजों की डिजाइन पहले से ही निर्धारित होती है। और आप उनका उपयोग करके अपने काम को जल्दी कर सकते हैं।
- इस एडिशन में पहली बार टूलबार को जोड़ा गया। जिसके द्वारा काम करने की स्पीड में वृद्धि हुई है। इस टूलबार की मदद से आप फाइल को प्रिंट, सेव, फॉर्मेटिंग, स्पेलिंग चेक एक ही क्लिक से कर सकते हैं।
- इसमें कलर मैनेजमेंट का प्रयोग भी किया गया है। इसके द्वारा आप डॉक्यूमेंट में रंगों का निर्धारण अपनी पसंद के अनुसार कर सकते हैं। क्लिप आर्ट के प्रयोग से आप चित्र और आइकॉन का उपयोग पब्लिशिंग में आसानी से कर सकते हैं।
- आधुनिक तथा एडवांस प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से आप दोनों तरफ प्रिंटिंग, डुप्लेक्स प्रिंटिंग, बाइंडिंग प्रिंटिंग आदि आसानी से कर सकते हैं। फोटोशॉप के द्वारा फोटो को डायरेक्टली इम्पोर्ट करके उपयोग में ले सकते हैं।

### पेजमेकर शॉर्टकट कीज (Page Maker Shortcut keys)

#### USER INTERFACE SHORTCUT KEYS

Display/hide all palettes	TAB
Display/hide all palettes except tools	SHIFT + TAB
Display/hide control palette	CTRL + ‘
Display/hide colors palette	CTRL + J
Display/hide style palette	CTRL + B
Define styles	CTRL + 3
Display/hide master pages palette	CTRL+ SHIFT + 8
Display/hide layers palette	CTRL + 8
Display/hide hyperlinks palette	CTRL + 9

#### TOOL PALETTE SHORTCUT KEYS

Rotation tool	SHIFT + F2
Line tool	SHIFT + F3
Rectangle tool	SHIFT + F4
Ellipse tool	SHIFT + F5
Polygon tool	SHIFT + F6
Hand tool	SHIFT + F7
Text tool	SHIFT + ALT + F1
Cropping tool	SHIFT + ALT + F2
Constrained line tool	SHIFT + ALT + F3
Rectangle frame tool	SHIFT + ALT + F4
Ellipse frame tool	SHIFT + ALT + F5
Polygon frame tool	SHIFT + ALT + F6
Zoom tool	SHIFT + ALT + F7

*MENU BAR SHORTCUT KEYS*

**FILE MENU**

New	CTRL + N
Open	CTRL + O
Close	CTRL + W
Save	CTRL + S
Save as	SHIFT + CTRL + S
Place	CTRL + D
Links	SHIFT + CTRL + D
Print	CTRL + P
Document setup	SHIFT + CTRL + P
General Preferences	CTRL + K
Quit PageMaker	CTRL + Q

### EDIT MENU

Undo	CTRL + Z
Cut	CTRL + X
Copy	CTRL + C
Paste	CTRL + V
Clear	DEL
Select all	CTRL + A
Deselect all	SHIFT + CTRL + A
Edit Story / Edit Layout	CTRL + E
Close Story (Story View)	CTRL + W

### LAYOUT MENU

Go to Page	ALT + CTRL + G
Move to Previous Page	PAGE UP
Go Back	CTRL + PAGE UP
Move to Next Page	PAGE DOWN
Go Forward	CTRL + PAGE DOWN

### TYPE MENU

Bold	CTRL + SHIFT + B
Italic	CTRL + SHIFT + I
Underline	CTRL + SHIFT + U
All Caps	CTRL + SHIFT + K
Strike Through	CTRL + SHIFT + /
Super Script	CTRL + SHIFT + \
Sub Script	CTRL + \
Reverse	CTRL + SHIFT + V
Normal formatting	CTRL + SHIFT + SPACEBAR

Normal width	CTRL + SHIFT + X
Auto Leading	ALT + SHIFT + A
Expert Tracking (No track)	CTRL + SHIFT + Q
Horizontal Scale (Normal)	CTRL + SHIFT + X
Character	CTRL + T
Paragraph	CTRL + M
Indent Tabs	CTRL + I
INCREASE FONT SIZE	
1 point	CTRL + SHIFT + >
Next standard type size	CTRL + ALT + >
DECREASE FONT SIZE	
1 point	CTRL + SHIFT + <
Next standard type size	CTRL + ALT + <
ALIGNMENTS	
Align left	CTRL + SHIFT + L
Align Center	CTRL + SHIFT + C
Align Right	CTRL + SHIFT + R
Justify	CTRL + SHIFT + J
Force Justify	CTRL + SHIFT + F
Define Styles	CTRL + 3
ELEMENT MENU	
Fill & Stroke	CTRL + U
FRAME	
Attach Content	CTRL + U
Frame Option	ALT + CTRL + F
Change to Frame	SHIFT + ALT + CTRL + F

Next Frame	ALT + CTRL + ]
Previous Frame	ALT + CTRL + [
<b>ARRANGE</b>	
Bring to Front	SHIFT + CTRL + ]
Bring Forward	CTRL + ]
Send Backward	CTRL + [
Send to Back	SHIFT + CTRL + [
Align Objects	SHIFT + CTRL + E
Text Warp	ALT + CTRL + E
Group	CTRL + G
Ungroup	SHIFT + CTRL + G
Lock Position	CTRL + L
Un Lock	ALT + CTRL + L
Mask	CTRL + 6
Un Mask	SHIFT + CTRL + 6
<b>MOVING THE INSERTION POINT</b>	
To beginning of line	HOME
To beginning of sentence	CTRL + HOME
To beginning of story	CTRL + 9
To end of line	END
To end of sentence	CTRL + END
To end of story	CTRL + 3
Left one character	LEFT ARROW
Left one word	CTRL + LEFT ARROW
Right one character	RIGHT ARROW
Right one word	CTRL + RIGHT ARROW

Up one line	UP ARROW
Up one paragraph	CTRL + UP ARROW
Down one line	DOWN ARROW
Down one paragraph	CTRL + DOWN ARROW
Go to next frame	CTRL + ALT + ]
Return to previous frame	CTRL + ALT + [

#### UTILITIES MENU

Find	CTRL + F
Find Next	CTRL + G
Change	CTRL + H
Check Spelling (Story View)	CTRL + L
Index Entry	CTRL + Y
Fast Index Entry	CTRL + SHIFT + Y

#### VIEW MENU

Zoom in	CTRL + +
Zoom out	CTRL + -
Fit in window	CTRL + CLICK RIGHT MOUSE BUTTON
Actual size	CTRL + CLICK RIGHT MOUSE BUTTON
Fit page in window	CTRL + 0
Entire pasteboard	CTRL + SHIFT + 0

#### ZOOM TO

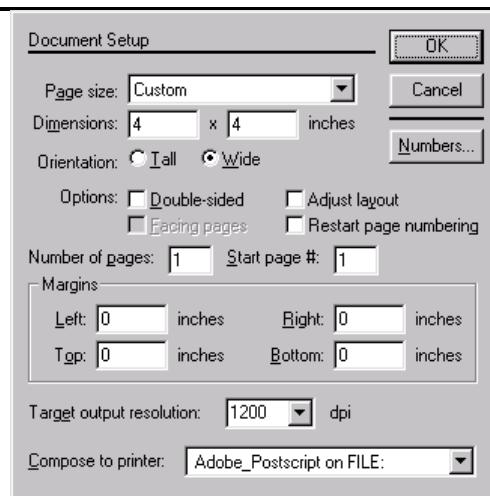
50%	CTRL + 5
75%	CTRL + 7
100% (Actual size)	CTRL + 1
200%	CTRL + 2
400%	CTRL + 4

Redraw current page at high resolution	CTRL-SHIFT -F12
Display non-printing items	CTRL-ALT-N
Preview hyperlinks	F10
Rulers on/off	CTRL + R
Snap to rulers on/off	CTRL + ALT + R
Show/Hide guides	CTRL + ;
Snap to guides on/off	CTRL+ SHIFT + ;
Lock guides	CTRL + ALT + ;

#### INSERT SPECIAL CHARACTERS SHORTCUT KEYS

End of paragraph	ENTER
Forced line break	SHIFT +ENTER
Discretionary hyphen	CTRL + SHIFT + HYPHEN
Non breaking hyphen	CTRL + ALT + HYPHEN
Opening double quotation ("")	ALT + SHIFT + [
Closing double quotation (")	ALT + SHIFT + ]
Opening single quotation ('')	ALT + [
Closing single quotation (')'	ALT + ]
Page number marker (on master pages)	CTRL + ALT + P
Bullet (•)	ALT + 8
Registered trademark (®)	ALT + R
Trademark (™)	ALT + 0153
Copyright (©)	ALT + G
Paragraph marker (¶)	ALT + 7
Section marker (§)	ALT + 6
Degree symbol (°)	ALT + 0176

English pound (£)	ALT + 0163
Japanese Yen (¥)	ALT + 0165
Cent (¢)	ALT + 0162
Foot mark (‘)	CTRL + ALT + ”
Inch mark (“)	CTRL + ALT + SHIFT + ”
Foot mark (Symbol font) (')	ALT + 0162
Inch mark (Symbol font) (")	ALT + 0178
One fourth fraction (¼)	ALT + 0188
One half fraction (½)	ALT + 0189
Three fourths fraction (¾)	ALT + 0190

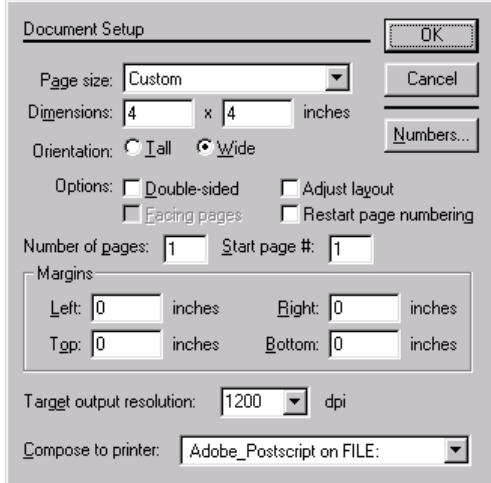


### पेजमेकर 7.0 मे नया डॉक्यूमेंट कैसे बनाये (How to Create a Document in Page maker 7.0)

पेजमेकर से परिचित होने के बाद आप उसका उपयोग करके कोई प्रकाशन जिसे हम दस्तावेज (Document) भी कहते हैं। बनाने के लिए तैयार है इसके लिए सबसे पहले हम एक नया खाली दस्तावेज खोल लेते हैं फिर उसमे अपनी आवश्यकता के अनुसार पाठ्य, चित्र आदि सामाग्री लगाते जाते हैं इस प्रकार एक पूरा दस्तावेज तैयार हो जाता है जिसे हम किसी प्रिंटर पर छपवा लेते हैं।

#### नया प्रकाशन प्रारम्भ करना (Starting a New Publication)

नया पेजमेकर दस्तावेज बनाने के लिए सबसे पहले पीछे बताई जा चुकी विधि से पेजमेकर प्रारम्भ कीजिए और File Menu मे New कमांड पर क्लिक कीजिये अथवा कंट्रोल के साथ N (Ctrl+N) बटन दबाइए, जिससे आपकी स्क्रीन पर Document Setup का डायलाग बॉक्स खुल जाएगा। इस डायलॉग बॉक्स मे आपके दस्तावेज के बारे मे प्रारंभिक विवरण सेट किया जाता है। जिसके अनुसार खाली दस्तावेज खोल दिया जाता है। वैसे यह डायलॉग बॉक्स आप File Menu मे Document Setup आदेश देकर अथवा शिफ्ट और कंट्रोल के साथ P (Shift+Ctrl+P) बटन दबाकर भी खोल सकते हैं।



इस डायलॉग बॉक्स में निम्नलिखित सूचनाएं पहले से ही सेट होती हैं। जिन्हे आप अपनी आवश्यकता के अनुसार बदल सकते हैं।

#### पेज आकार (Page Size).

इसमें प्रकाशन अथवा दस्तावेज के प्रत्येक पृष्ठ का सामान्य आकार सेट किया जाता है।

पेज आयाम (Page Dimensions) इससे आपके द्वारा चुने गए आकार के पेज की वास्तविक चैडार्ड और ऊचाई सेट की जाती है। ये आयाम सामान्यतया इंचों में दिखाए जाते हैं, लेकिन आप कोई अन्य मापन विधि चुनकर उसमें भी देख सकते हैं। आप अपनी इच्छानुसार कोई अन्य पेज आकार तय करने के लिए पेज आयाम भर सकते हैं।

#### ओरियंटेशन (Orientation).

सामान्यतया दस्तावेज के पेजों का ओरियंटेशन Tall होता है जिसे पोर्ट्रेट (Portrait) भी कहते हैं। इसमें चैडार्ड कम और ऊचाई अधिक होती है। Wide चुनने से पेज 90° घूम जाता है। जिसे लैंडस्केप (Landscape) भी कहते हैं। इसमें चैडार्ड अधिक और ऊचाई कम होती है। वैसे आपके द्वारा भरे गये पेज आयामों के अनुसार पेजमेकर इनमें से कोई ओरियंटेशन स्वतः ही चुन लेता है। आप चाहे तो उसे बदल सकते हैं।

#### पृष्ठों की संख्या (Number Of Pages).

इसमें आप यह बताते हैं कि आपके दस्तावेज में कितने पृष्ठ होंगे प्रारम्भ में उतने ही पृष्ठों का खाली दस्तावेज खोला जाता है बाद में आवश्यकता होने पर आप पृष्ठों की संख्या बढ़ा सकते हैं अथवा घटा सकते हैं।

#### प्रारम्भिक पेज संख्या (Starting Page Number).

इसमें आप यह बताते हैं कि इस दस्तावेज में पृष्ठ संख्या किस संख्या से प्रारम्भ की जाएगी। उदाहरण के लिए यदि आप चाहते हैं कि दस्तावेज से पहले पेज की पृष्ठ संख्या 8 दूसरे पेज की 9 हो तो आपको इसके बॉक्स में 8 भरना चाहिए।

#### हाशिए (Margins).

इन टेक्स्ट बॉक्सों में नए दस्तावेज के प्रत्येक पृष्ठ के चारों ओर के हाशिए सेट किए जाते हैं। आप इन्हे अपनी इच्छानुसार बदल सकते हैं।

#### विकल्प (Options).

इस भाग में दस्तावेज के बारे में अन्य विकल्प सेट किए जाते हैं जैसे दस्तावेज कागज के दोनों ओर छिपा जाएगा या एक ओर, बांयी ओर से पन्नों को बांधने के लिए हाशियों को ठीक किया जायेगा या नहीं आदि।

#### प्रिंटर (Printer).

इसमें आप उस प्रिंटर का नाम चुनते हैं जिस पर उसका दस्तावेज छापा जाएगा। यह प्रिंटर आपके कम्प्यूटर में स्थापित होना चाहिए यदि आपके पास कोई प्रिंटर नहीं है तो इस बाक्स में Display on None शब्द दिखाई देगा। आप दस्तावेज फिर भी तैयार कर सकते हैं।

**पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कैसे करें  
(How to Import and Export Document in Pagemaker 7.0)**

इस पोस्ट में हम आपको बताएँगे कि आप पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट कैसे कर सकते हैं।

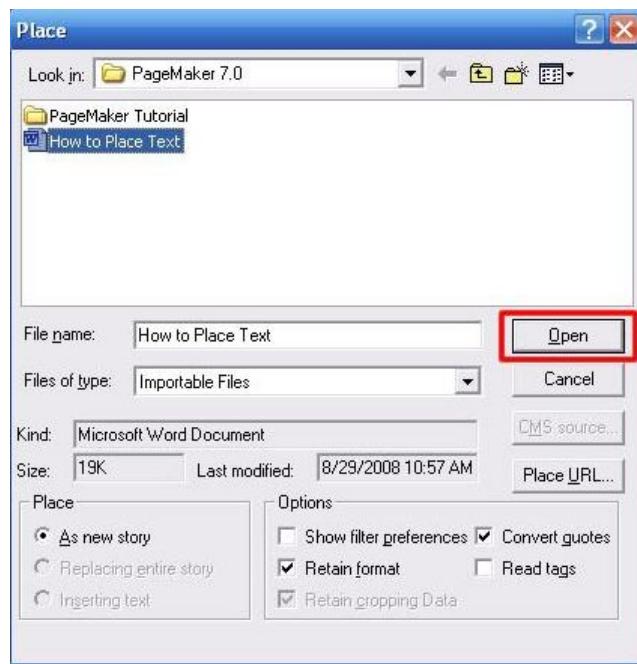
*How to Import Word Document and Text into PageMaker 7.0  
(पेजमेकर 7.0 में वर्ड डॉक्यूमेंट और टेक्स्ट को कैसे आयात करें)*

यदि आप ऐसे वर्ड के डॉक्यूमेंट को पेजमेकर में खोलना चाहते हैं हैं तो उसके लिए हम इम्पोर्ट विकल्प का प्रयोग करते हैं।

- सबसे पहले फाइल मेनू पर क्लिक करें और फिर ड्रॉप-डाउन मेनू से Place... विकल्प चुनें।



- आपके सामने प्लेस डायलॉग बॉक्स खुल जायेगा।
- इसके बाद उस फोल्डर पर जाएँ जिसमें आपकी टेक्स्ट फाइल हैं और उसे खोलने के लिए डबल क्लिक करें। जिस फाइल को आप रखना चाहते हैं, उस पर क्लिक करें।
- Open बटन पर क्लिक करें।

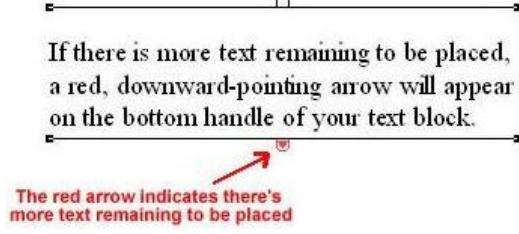


- आपका कर्सर एक लोड किए गए टेक्स्ट आइकन में बदल जाएगा। अपने कर्सर को पेजमेकर के पेज में उस स्थान पर रखें जहाँ आप टेक्स्ट फाइल को Import करना चाहते हैं।
- आपका टेक्स्ट उतना ही नीचे की ओर जाएगा, जितना आपके कॉलम, टेक्स्ट ब्लॉक या पेज में फिट होगा।
- अब आप आवश्यकतानुसार अपने टेक्स्ट को एडिट और फॉर्मट कर सकते हैं।

#### टिप-

आप अपने टेक्स्ट या ग्राफिक को सीधे एक नए टेक्स्ट बॉक्स में import कर सकते हैं। जब कर्सर चरण 5 में लोड किए गए आइकन में बदल जाता है, तो माउस को नीचे, विकर्ण दिशा (diagonal direction) में क्लिक करें और खींचें। यह एक टेक्स्ट बॉक्स बनाएगा। एक बार जब आप माउस छोड़ देते हैं, तो आपकी import फाइल को इस टेक्स्ट बॉक्स में रखा जाएगा।

यदि आपके पास माइक्रोसॉफ्ट वर्ड या किसी अन्य स्रोत से बड़ी मात्रा में टेक्स्ट है, तो यह उस कॉलम या पेज में फिट नहीं हो सकता है जो इसे जगह देता है। जब टेक्स्ट की मात्रा आपके कॉलम या पेज को ओवररन करती है, तो एक लाल, नीचे की ओर-इंगित तीर दिखाई देने लगता है। जब तक आप Autoflow का चयन नहीं करेंगे, तब तक आपके टेक्स्ट ब्लॉक के निचले हैंडल पर दिखाई देगा।



बाहरी टेक्स्ट फाइल को पेजमेकर दस्तावेज़ में रखने के लिए आप दो तरीकों का उपयोग कर सकते हैं:

मैनुअल फ्लो (Manual Flow)- यह आपको मैन्युअल रूप से शेष टेक्स्ट को दूसरे कॉलम या पेज पर रखने की सुविधा देता है।

ऑटोफ्लो (Autoflow)- यह अपने टेक्स्ट प्रवाह को अगले कॉलम या क्रमिक पृष्ठों में स्वचालित रूप से रखने की सुविधा देता है।

#### Manual Flow

- टेक्स्ट को जारी रखने के लिए लाल तीर पर क्लिक करें। कर्सर लोड किए गए टेक्स्ट आइकन पर वापस बदल जाएगा।
- लोड किए गए टेक्स्ट आइकन को अपने दस्तावेज़ पर किसी अन्य स्थान पर रखें, और क्लिक करें। एक बार फिर, टेक्स्ट कॉलम, टेक्स्ट ब्लॉक या पेज के निचले भाग में जाएगा।
- इस चरण को तब तक दोहराएं जब तक कि आपने अपना सारा टेक्स्ट न लगा दिया हो। जब सारा टेक्स्ट फिट हो जायेगा, तो नीचे का हैंडल खाली हो जाएगा।

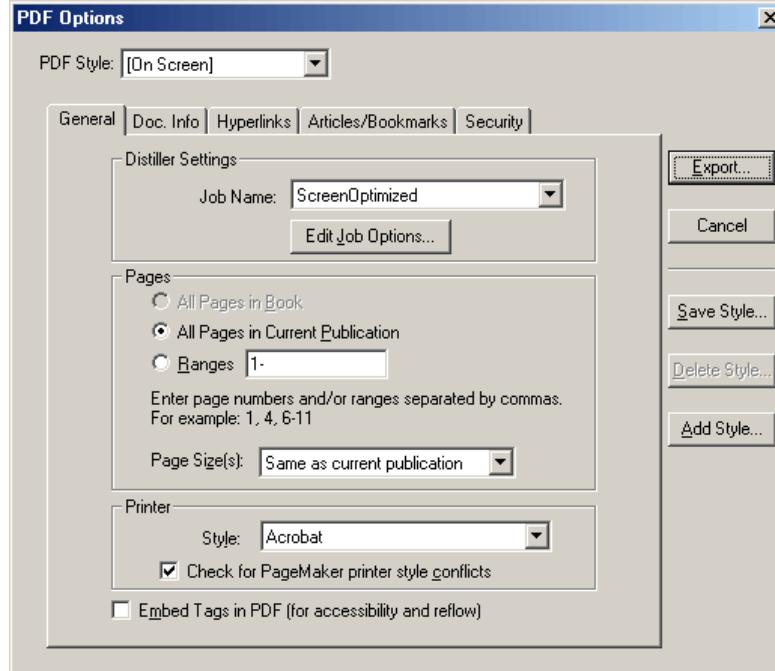
#### Autoflow

- मेनू बार से Layout Menu खोलें।
- ड्रॉप-डाउन मेनू से Autoflow कमांड का चयन करें। लोड किए गए टेक्स्ट आइकन में थोड़ी क्षैतिज रेखाओं के बजाय एक घुमावदार तीर होगा।
- अपने टेक्स्ट को रखने के लिए दस्तावेज़ पर एक जगह पर क्लिक करें। टेक्स्ट स्वचालित रूप से रखा जाएगा, और पेजमेकर आवश्यकतानुसार पेज जोड़ देंगा।

एडोब पेजमेकर 7.0 को पीडीएफ फॉर्मेट में कैसे बदलें (How to Convert Adobe Pagemaker 7.0 to PDF Format).

एडोब पेजमेकर 7.0 अपने उपयोगकर्ताओं को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर सैकड़ों विभिन्न प्रकार के समाचार पत्र, ब्लॉशर और रिपोर्ट बनाने की अनुमति देता है। एडोब पेजमेकर फोटोशॉप या इलस्ट्रेटर जैसे अन्य एडोब प्रोग्राम से टेक्स्ट या ग्राफिक्स के एकीकरण का समर्थन करता है। अपने एडोब पेजमेकर दस्तावेजों को पीडीएफ फॉर्मेट में बदलने के लिए आपको विभिन्न घटकों को इनस्टॉल करने की आवश्यकता होती है जो पेजमेकर इनस्टॉल करते समय ही इनस्टॉल हो जाते हैं।

- सबसे पहले अपना पेजमेकर डॉक्यूमेंट खोलें और अपनी स्क्रीन के शीर्ष पर "File" बटन पर क्लिक करें। "Export" उप-मेनू से "Adobe PDF" चुनें। पॉप-अप स्क्रीन में "Job Name" मेनू से एक पीडीएफ विकल्प चुनें।
- पॉप-अप मेनू में टैब से किसी भी इच्छित पूर्व निर्धारित विकल्प को बदलें और "Export" पर क्लिक करें।



- अपने PDF डॉक्यूमेंट के लिए एक नाम दर्ज करें और अपने कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव पर save करने के लिए लोकेशन चुनें।
- "PDF View" का चयन करें और "Save" पर क्लिक करें।

**पेजमेकर में स्टोरी एडिटर क्या हैं? (What is Story Editor in Page Maker?)**

पेजमेकर में स्टोरी एडिटर एक टेक्स्ट-ओनली व्यू है जहां आप टेक्स्ट को जल्दी और आसानी से एडिट कर सकते हैं क्योंकि पेजमेकर को ग्राफिक्स या रीफाइंड फॉर्मटिंग प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं है, टेक्स्ट को एक ऐसे फॉर्मेट में एडिट करने के लिए, जो वर्ड प्रोसेसर की तरह दिखता है स्टोरी एडिटर आसान सुधार के लिए एक ही पेज में सभी टेक्स्ट प्रदर्शित करता है, भले ही स्टोरी आपके दस्तावेज़ में कई पृष्ठों तक फैला हो। टेक्स्ट के दाईं ओर एक स्क्रॉल बार आपको टेक्स्ट ब्लॉक के माध्यम से स्क्रॉल करने की अनुमति देता है।

स्पेल चेकर और फाइंड एंड रिप्लेस कमांड केवल स्टोरी एडिटर के भीतर उपलब्ध हैं। क्योंकि स्टोरी एडिटर सभी टेक्स्ट एन्हांसमेंट्स को प्रदर्शित नहीं करता है, यहां एडिटिंग और टाइपिंग, टेक्स्ट लेआउट मोड की तुलना में तेज है। पेजमेकर में कुछ कार्य केवल स्टोरी एडिटर के व्यू में किए जा सकते हैं, जैसे कि स्पेलिंग ग्रामर चेक करना, टेक्स्ट को फाइंड और रिप्लेस करना।

स्टोरी एडिटर पेजमेकर में टेक्स्ट टाइप और एडिट करने का एक तरीका है। बस उस टेक्स्ट पर क्लिक करें जिसमें आप सुधार करना चाहते हैं, Ctrl + E दबाएं (या मेनू से Edit > Edit Story का उपयोग करें), और आपकी कहानी अपने वर्ड प्रोसेसिंग विंडो में दिखाई देती है। स्टोरी एडिटर में सभी टेक्स्ट टूल के एडिटिंग कमांड (इन्सर्ट, डिलीट कट और पेस्ट) उपलब्ध हैं।

जब आप स्टोरी एडिटर में होते हैं, तो आप सामग्री में रुचि रखते हैं, न कि फॉर्म में। हालांकि स्टोरी एडिटर टाइप स्टाइल (बोल्ड, इटैलिक आदि) दिखाता है, लेकिन यह पेज लेआउट, ग्राफिक्स या फॉर्मटिंग नहीं दिखाता है। जब आप स्टोरी एडिटर में होते हैं, जो लेआउट व्यू के विपरीत है। जब आप पेजमेकर चालू करते हैं और कुछ भी टाइप करते हैं उस समय आपको जो व्यू दिखाई देता है उसे Layout View कहा जाता है।

आप कुछ तरीकों से स्टोरी एडिटर का उपयोग कर सकते हैं। आप इसका उपयोग में सुधार करने के लिए कर सकते हैं जो पहले से ही पब्लिकेशन में रखा गया है। आप टाइपिंग की गलतियों को ठीक कर सकते हैं, कहानी में वर्तनी की जांच कर सकते हैं, या फाइंड और रिप्लेस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। दूसरी बात, हालाँकि आप स्टोरी एडिटर में फॉर्मटिंग नहीं करना चाहते हैं, फिर भी आप अपनी फॉर्मटिंग को बदलने के लिए फ़ाइंड और फीचर को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाह सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि सबहेझस 14 पॉइंट Times New Roman में है, तो स्टोरी एडिटर स्वचालित रूप से उन्हें 16 पॉइंट Helvetica में बदल सकता है। स्टोरी एडिटर का उपयोग करने का दूसरा तरीका यह है कि एडिटर का उपयोग करके स्क्रैच से पूरी कहानी बनाएं और टाइप करें। स्टोरी एडिटर कई फायदे प्रदान करता है। आप Layout View की तुलना में कहानी के व्यू में बहुत तेजी से टाइप और सुधार कर सकते हैं क्योंकि स्टोरी एडिटर स्क्रीन पर फॉट और ग्राफिक्स प्रदर्शित नहीं करता है, और न ही यह लाइन या पेज विराम के साथ ही चिन्ता करता है।

स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी में सुधार करने के लिए, टेक्स्ट टूल के साथ टेक्स्ट पर क्लिक करें, या पॉइंटर टूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक का चयन करें, और Ctrl + E दबाएं या Edit > Edit Story चुनें। आप पॉइंटर टूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक पर ड्रॉपल करके स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी भी लोड कर सकते हैं। स्टोरी एडिटर में एक नई कहानी बनाने के लिए, बिना किसी टेक्स्ट या टेक्स्ट ब्लॉक के Ctrl + E दबाएं।

जब आप स्टोरी एडिटर को लोड करते हैं, तो आप एम एस वर्ड की तरह दिखाई देने वाली विंडो में पहुच जाते हैं स्टोरी एडिटर का मेन्यू बार पब्लिकेशन विंडो में आपके द्वारा देखे जाने से थोड़ा अलग है क्योंकि आपके पास प्रत्येक व्यू में अलग-अलग क्षमताएं हैं।

पेजमेकर में स्टोरी एडिटर कैसे खोले (How to open Story Editor in Page Maker 7.0)

- स्टोरी एडिटर में एक मौजूदा कहानी में सुधार करने के लिए टेक्स्ट ट्रूल के साथ टेक्स्ट पर क्लिक करें, या पॉइंटर ट्रूल के साथ टेक्स्ट ब्लॉक का चयन करें और **Ctrl + E दबाएं**

या Edit Menu से, Story Editor का चयन करें



- पूरी कहानी का टेक्स्ट अब स्टोरी एडिटर में दिखाई देगा।

माउस विकल्प:

- पॉइंटर ट्रूल के साथ स्टोरी एडिटर तक पहुंचने के लिए टेक्स्ट ब्लॉक में ट्रिपल-क्लिक करें।
- जब आप स्टोरी एडिटर को लोड करते हैं, तो आप एम एस वर्ड की तरह दिखाई देने वाली विंडो में पहुच जाते हैं स्टोरी एडिटर का मेन्यू बार पब्लिकेशन विंडो में आपके द्वारा देखे जाने से थोड़ा अलग है क्योंकि आपके पास प्रत्येक व्यू में अलग-अलग क्षमताएं हैं।

अब आप इस स्टोरी एडिटर व्यू में टेक्स्ट को फाइंड और रिप्लेस कर सकते हैं।

How to Use Find and Replace option in Page Maker 7.0

टेक्स्ट की स्पेलिंग की जाँच कर सकते हैं।

How to Use Spell check option in Page Maker 7.0

स्टोरी एडिटर से बाहर कैसे निकले

Edit Menu से, Edit layout का चयन करें

या Story menu से, Close Story चुनें

या CLOSE बॉक्स पर क्लिक करें

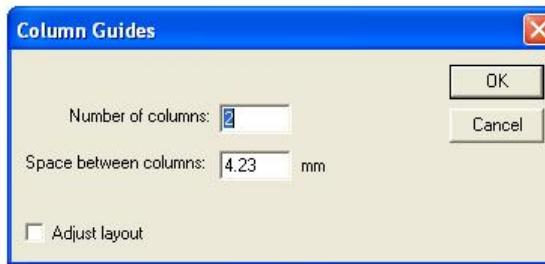
**पेजमेकर 7.0 में कॉलम क्या हैं?**

पेजमेकर में समाचार पत्र और ब्रोशर बनाते समय अक्सर हमें कॉलम के उपयोग की आवश्यकता होती है। आप अपने टेक्स्ट ब्लॉक की चौड़ाई सेट करके मैन्युअल रूप से कॉलम बना सकते हैं, तो कॉलम बनाकर इस प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। जैसे ही आप पेजमेकर के साथ कॉलम बनाते हैं, गाइड का एक सेट (पेज मार्जिन की तरह) पेज में जुड़ जाता है। जब आप पहली बार अपना दस्तावेज़ बनाते हैं, तो इसका डिफॉल्ट प्रति पेज एक कॉलम होता है। पेजमेकर एक पेज पर 20 कॉलम बनाने का विकल्प प्रदान करता है। प्रत्येक कॉलम के बीच में एक ‘गटर’ होगा। गटर प्रत्येक कॉलम के बीच कुछ सफेद स्थान जोड़ता है इसलिए अगले कॉलम के ऊपर टेक्स्ट दिखाई नहीं देगा।

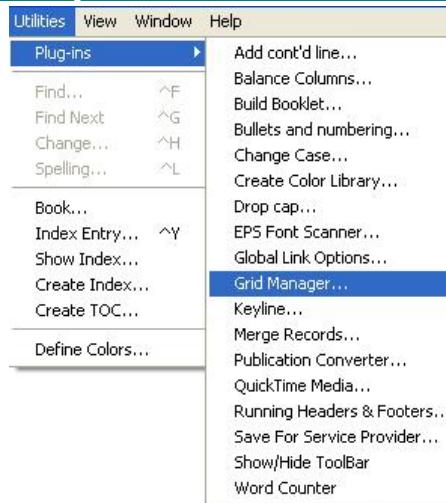
नोट: यदि आप अपने दस्तावेज़ के सभी पेज के लिए कॉलम सेट करना चाहते हैं, तो उन्हें मास्टर पेज पर सेट करें।

पेजमेकर 7.0 में कॉलम कैसे इन्सर्ट करें (How to Insert Column in Page Maker 7.0)

- कॉलम बनाने के लिए सबसे पहले आप Layout Menu पर क्लिक करे और Column Guide विकल्प चुने।



- यह कमांड एक समान चौड़ाई के कॉलमों की संख्या बनाता है, उन्हें पेज के मार्जिन के भीतर फिट करता है। यदि टेक्स्ट या ग्राफिक्स पहले से ही पेज पर हैं तो पेजमेकर रिवाइज़ डॉक्यूमेंट सेटअप के साथ अलाइन करने के लिए उन्हें बदल सकता है यदि आप Column Guide डायलॉग बॉक्स में adjust layout का चयन करते हैं।
- Utilities > Plug in > Grid Manager कमांड आपके द्वारा निर्दिष्ट किसी भी क्षेत्र के भीतर कॉलम फिट बैठता है, या एक निर्दिष्ट चौड़ाई के कॉलम बनाता है।



- आप एक पेज पर 20 कॉलम तक बना सकते हैं।  
पेज पर कॉलम सेट कैसे करें (How to Set Column on Page).
- पेज या मास्टर पेज पर जाएं जहाँ आप कॉलम चाहते हैं।
- layout Menu > Column Guide चुनें। आपके सामने Column Guide डायलॉग बॉक्स खुल जायेगा।
- Number of Columns बॉक्स में इच्छित कॉलम की संख्या और Space Between Columns वाले बॉक्स में कॉलम के बीच का स्थान (गटर) टाइप करें। यदि आप बाएँ और दाएँ पेज अलग-अलग सेट कर रहे हैं, तो दोनों पृष्ठों के लिए मान टाइप करें।
- यदि आप कॉलम सेटअप में समायोजित करने के लिए पेज पर मौजूदा टेक्स्ट और ग्राफिक्स चाहते हैं, तो Adjust layout का चयन करें और फिर Ok पर क्लिक करें। पेजमेकर कॉलम की निर्दिष्ट संख्या बनाता है, समान रूप से स्थान और समान आकार।

पेजमेकर 7.0 में गटर क्या है?

दो फेसिंग पेजों के बीच इनसाइड मार्जिन या ब्लैंक स्पेस गटर होता है। आपने बहुत सी किताबें पढ़ी हैं और ये जानते हैं की किताब के पन्नों को कैसे जोड़ा जाता है। दो पन्नों को आपस में ऐसे जोड़ते हैं जैसे उसकी लिखावट ना मिटे।



इसे करने के लिए पेज के एक तरफ (जिस तरफ से उसको दूसरे पन्ने से जोड़ना हो) कुछ खाली जगह छोड़ देते हैं ताकि किताब में की चीजें ना छिप जायेः।  
फिर उस खाली जगह का ही किताब के बाइंडिंग में प्रयोग करते हैं।

इसी तरह पेजमेकर में भी गठर मार्जिन यानी पेज के एक तरफ खाली जगह छोड़ी जाती है अगर उसकी हार्डकॉपी निकाल कर बाइंडिंग की जाये तो उसके अंदर का टेक्स्ट न छिपे। अक्सर ऐसे डॉक्यूमेंट बनाये जाते हैं जिसे बाँध कर किसी फाइल में या कवर में डालना होता है इसीलिए गठर मार्जिन एक अच्छा विकल्प साबित होता है।

### कलर तथा स्टाइल पेलेट क्या है

(What is Color and Styles Palettes)

कलर्स तथा स्टाइल्स पैलेट्स ट्रूलबॉक्स की तरह एक फ्लॉटिंग बॉक्स में होते हैं। इनका प्रयोग पेजमेकर डॉक्यूमेंट में उपयोग किये जाने वाले कलर्स तथा स्टाइल्स को जोड़ने, मिटाने या समायोजित करने के लिये किया जाता है। कलर तथा स्टाइल स्वतः प्रदर्शित हाती हैं जब एक नया पेजमेकर डॉक्यूमेंट आरंभ किया जाता है, लेकिन स्क्रीन पर अतिरिक्त पैलेट्स विन्डो मेन्यू से इसका चयन करके जोड़े जा सकते हैं।

### कलर तथा स्टाइल पेलेट को कैसे प्रदर्शित करें

(How to display color and style pallet)

स्टाइल पेलेट (Style pallet)

इस पैलेट का उपयोग टैक्स्ट टूल के साथ किसी पैराग्राफ के ऊपर कोई स्टाइल लागू करने अथवा लागू स्टाइल का नाम देखने के लिए किया जाता है। आप Window Menu में Show Styles आदेश देकर अथवा कंट्रोल के साथ B (Ctrl + B) Button दबाकर उसे देख सकते हैं।

स्टाइलो से संबंधित विशेष कार्य इसके पैलेट मेन्यू में उपलब्ध है जिसे आप इसके दाएं कोने के निकट बने तीर के बटन को क्लिक करके खोल सकते हैं। इसमें किसी स्टाइल को डुप्लीकेट करने, सुधारने आदि की क्रियाए उपलब्ध हैं आप अपनी नई स्टाइल भी बना सकते हैं। और उन्हे किसी भी पैराग्राफ पर लागू कर सकते हैं।



कलर पेलेट (Color pallet).

फॉण्ट ग्राफिक्स आदि को अलग-अलग कलर देने के लिए कलर पेलेट का प्रयोग किया जाता है कलर पेलेट में डिफॉल्ट के तौर पर Cyan,Magenta,Yellow, Black, Red, Green,Blue,None,Paper,Registration आदि कलर प्रदर्शित होते हैं। अगर आप चाहे तो इसके अलावा भी कलर प्रदर्शित कर सकते हैं।

कलर पैलेट को प्रदर्शित करने के लिये Window मेन्यू से Show Colors का चयन कीजिये, तथा इसका प्रयोग सिलेक्टेड टैक्स्ट या ऑब्जेक्ट पर कलर को अप्लाई करने या अप्लाई कलर के नाम या प्रकार को देखने के लिये कीजिये।



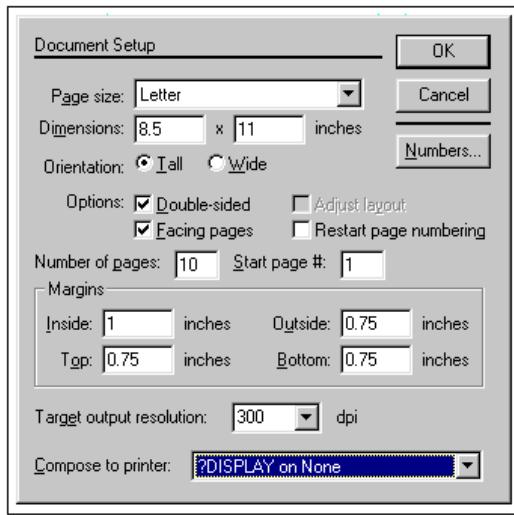
### पेजमेकर 7.0 में डॉक्यूमेंट सेटअप कैसे करें (How to setup a document in Page Maker 7.0)

जब आप कोई नया दस्तावेज बनाने के लिए File Menu में New आदेश देते हैं तो सबसे पहले आपको Document Setup का डॉयलॉग बॉक्स दिया जाता है जिसमें दस्तावेज से संबंधित अनेक प्रकार की सेटिंगें की जाती हैं आप आप इस डॉयलॉग बॉक्स को किसी खुले हुए दस्तावेज के लिए किसी भी समय File Menu में Document Setup आदेश देकर या शिफ्ट और कंट्रोल के साथ P (Shift + Ctrl + P) दबाकर खोल सकते हैं। इससे वह डॉयलॉग बॉक्स खुल जाएगा।

आप इस डॉयलॉग बॉक्स में विभिन्न प्रकार की सेटिंगें करके उन्हें अपने दस्तावेज के उन पृष्ठों पर लागू कर सकते हैं जिन पर डाक्यूमेंट मास्टर नामक मास्टर पेज लागू है। पेजमेकर में आपके कम्प्यूटर से जुड़े हुए प्रिंटर के अनुसार सभी संभव और प्रचलित या मानक पृष्ठ आकार पहले से सेट किए हुए होते हैं। आप अपने प्रिंटर द्वारा संभाले जा सकने वाले अधिकतम भौतिक आकार के कागज से अधिक आकार का पेज सेट नहीं कर सकते हैं।

लेकिन उससे कम आकार का पेज कभी भी सेट कर सकते हैं अपने चुने हुए आकार को आप Tall या Wide में से किसी एक ओरियेंटेशन को सेट कर सकते हैं। इसी प्रकार आप अपने चुने हुए आकार के लिए पृष्ठ के चारों ओर छोड़ जाने वाले हाशिए भी सेट कर सकते हैं। पृष्ठ आकार कागज का पूरा आकार होता है और हाशिए उस पेज की भौतिकी सीमा रेखाए होती है जो यह बताती है कि प्रिंटर की सामान्यी और चित्र आदि कहा छापना चाहिए।

हाशिए चार होते हैं: ऊपरी (Top), निचला (Bottom)। बाहरी (Outside)] भीतरी (Inside) पेजमेकर मे कोई दायां या बायां हाशिया नहीं होता, क्योंकि सामान्यतया प्रकाशन दो तरफा (Double-Outside) होता है। जिसमे आमने सामने के पृष्ठ होते हैं। ऐसे जुड़वां पृष्ठों के संदर्भ मे बाहरी तथा भीतरी हाशिए सार्थक होते हैं।



अपने प्रकाशन के पृष्ठों के विभिन्न गुणों को सेट करने के लिए निम्न प्रकार कीजिए।

1. पेजमेकर मे पहले से उपलब्ध प्रचलित अथवा मानक आकारो मे से किसी को चुनने के लिए Page Size ड्राप डाउन लिस्ट बॉक्स के तीर के बटन को क्लिक कीजिए, जिससे मानक आकारो की लिस्ट खुल जातगी।
2. उपलब्ध आकारो मे से किसी को क्लिक करके चुनिए, आवश्यक होने पर लिस्ट को स्क्राल करके आप अन्य उपलब्ध आकारो को देख सकते हैं।
3. पेज ओरियेंटेशन के दो रेडियो बटनो Tall तथा Wide मे से उसको क्लिक करके सेट कीजिए, जिसे आप चुनना चाहते हैं।
4. अब माउस प्वाइंटर को उस हाशिए के सामने के टैक्स्ट बॉक्स मे लाकर क्लिक कीजिए, जिसे आप बदलना या सेट करना चाहते हैं, इससे कर्सर उसमे आ जाएगा।
5. चुनी हुई मापन प्रणाली मे उस हाशिए का नया मान टाइप कीजिए।
6. अगले हाशिए पर जाने के लिए टेब कुंजी या दाएं तीर के बटन को दबाइए।
7. दस्तावेज मे पृष्ठों की संख्या सेट करने के लिए Number Of Pages के टेक्स्ट बॉक्स मे माउस प्वाइंटर ले जाकर क्लिक कीजिए या टेब दबाइए, जिससे कर्सर उसमे आ जाएगा। अब इसमे पृष्ठों की संख्या टाइप कीजिए। जिससे कर्सर उसमे आ जाएगा।
8. यदि आप पृष्ठ संख्याए 1 के स्थान पर किसी अन्य संख्या से प्रारंभ करके डालना चाहते हैं तो Start Page # टेक्स्ट बॉक्स मे माउस प्वाइंटर ले जाकर क्लिक कीजिए या टेब दबाइए, जिससे कर्सर उसमे आ जाएगा। अब इसमे पहली पृष्ठ संख्या टाइप कीजिए, जिससे प्रारंभ करके आप दस्तावेज मे पृष्ठ संख्याए डालना चाहते हैं।
9. सभी सेटिंग करने के बाद डॉयलॉग बॉक्स से बाहर निकलने के लिए या तो OK Button को Click कीजिए अथवा एप्टर दबाइए जिससे आपके द्वारा की हुई सेटिंग लागू हो जाएगी।

यदि आपने अपने प्रकाशन मे कुछ पृष्ठों की सामान्य तैयार कर ली है और तब आप पृष्ठ आकार हाशिए आदि बदलते हैं तो कुछ पेजों की सामान्य गडबड हो सकती है। इसलिए सबसे अच्छा तो ये है कि दस्तावेज मे कोई भी सामान्य भरने से पहले ही आप पेज अच्छी तरह सेट कर ले यदि कभी पेज सेटिंग बदलना आवश्यक ही हो, तो पहले दस्तावेज को सुरक्षित कर लेना चाहिए ताकि कोई गडबडी होने पर आप पुरानी स्थिति मे वापस आ सके।

### पेजमेकर 7.0 मे डॉयलॉग बॉक्स सेटअप कैसे करें (How to setup a document in Page Maker 7.0)

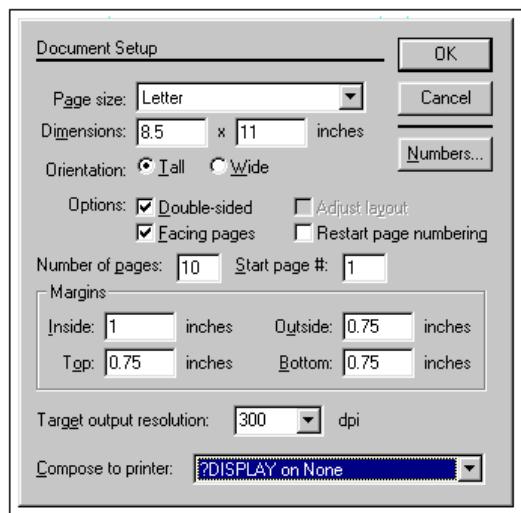
जब आप कोई नया दस्तावेज बनाने के लिए File Menu मे New आदेश देते हैं तो सबसे पहले आपको Document Setup का डॉयलॉग बॉक्स दिया जाता है जिसमे दस्तावेज से संबंधित अनेक प्रकार की सेटिंगे की जाती हैं। आप आप इस डॉयलॉग बॉक्स को किसी खुले हुए दस्तावेज के लिए किसी भी समय File Menu मे Document Setup आदेश देकर या शिफ्ट और कंट्रोल के साथ P (Shift + Ctrl + P) दबाकर खोल सकते हैं। इससे वह डॉयलॉग बॉक्स खुल जाएगा।

आप इस डॉयलॉग बॉक्स मे विभिन्न प्रकार की सेटिंगे करके उन्हे अपने दस्तावेज के उन पृष्ठों पर लागू कर सकते हैं जिन पर डॉयलॉग मास्टर नामक मास्टर पेज लागू है। पेजमेकर मे आपके कम्प्यूटर से जुड़े हुए प्रिंटर के अनुसार सभी संभव और प्रचलित या मानक पृष्ठ आकार पहले से सेट किए हुए होते हैं। आप अपने प्रिंटर द्वारा संभाले जा सकने वाले अधिकतम भौतिक आकार के कागज से अधिक आकार का पेज सेट नहीं कर सकते हैं।

लेकिन उससे कम आकार का पेज कभी भी सेट कर सकते हैं अपने चुने हुए आकार को आप Tall या Wide मे से किसी एक ओरियेंटेशन को सेट कर सकते हैं। इसी प्रकार आप अपने चुने हुए आकार के लिए पृष्ठ के चारो ओर छोड़ जाने वाले हाशिए भी सेट कर सकते हैं। पृष्ठ आकार कागज का पूरा आकार होता

है और हाशिए उस पेज की भीतरी सीमा रेखाए होती है जो यह बताती है कि प्रिंटर की सामाग्री और चित्र आदि कहा छापना चाहिए।

हाशिए चार होते हैं: ऊपरी (Top), निचला (Bottom), बाहरी (Outside) व भीतरी (Inside) पेजमेकर में कोई दायां या बायां हाशिया नहीं होता, क्योंकि सामान्यतया प्रकाशन दो तरफा (Double-Side) होता है। जिसमें आमने सामने के पृष्ठ होते हैं। ऐसे जुड़वां पृष्ठों के संदर्भ में बाहरी तथा भीतरी हाशिए सार्थक होते हैं।



अपने प्रकाशन के पृष्ठों के विभिन्न गुणों को सेट करने के लिए निम्न प्रकार क्रियाए कीजिए।

1. पेजमेकर में पहले से उपलब्ध प्रचलित अथवा मानक आकारों में से किसी को चुनने के लिए Page Size इनपुट डाउन लिस्ट बॉक्स के तीर के बटन को क्लिक कीजिए, जिससे मानक आकारों की लिस्ट खुल जाती है।
2. उपलब्ध आकारों में से किसी को क्लिक करके चुनिए, आवश्यक होने पर लिस्ट को स्क्राल करके आप अन्य उपलब्ध आकारों को देख सकते हैं।
3. पेज ऑरिंगटेशन के दो रेडियो बटनों Tall तथा Wide में से उसको क्लिक करके सेट कीजिए, जिसे आप चुनना चाहते हैं।
4. अब माउस प्वाइंटर को उस हाशिए के सामने के टैक्स्ट बॉक्स में लाकर क्लिक कीजिए, जिससे आप बदलना या सेट करना चाहते हैं। इससे कर्सर उसमें आ जाएगा।
5. चुनी हुई मापन प्रणाली में उस हाशिए का नया मान टाइप कीजिए।
6. अगले हाशिए पर जाने के लिए टैब कुंजी या दाँए तीर के बटन को दबाइए।
7. दस्तावेज में पृष्ठों की संख्या सेट करने के लिए Number Of Pages के टेक्स्ट बॉक्स में माउस प्वाइंटर ले जाकर क्लिक कीजिए। जिससे कर्सर उसमें आ जाएगा। अब इसमें पृष्ठों की संख्या टाइप कीजिए।
8. यदि आप पृष्ठ संख्याएं 1 के स्थान पर किसी अन्य संख्या से प्रारंभ करके डालना चाहते हैं तो Start Page # टेक्स्ट बॉक्स में माउस प्वाइंटर ले जाकर क्लिक कीजिए या टैब दबाइए, जिससे कर्सर उसमें आ जाएगा। अब इसमें पृष्ठों की संख्या टाइप कीजिए, जिससे प्रारंभ करके आप दस्तावेज में पृष्ठ संख्याएं डालना चाहते हैं।
9. सभी सेटिंग करने के बाद डायलाग बॉक्स से बाहर निकलने के लिए या तो OK Button को Click कीजिए अथवा एप्टर दबाइए जिससे आपके द्वारा की हुई सेटिंग लागू हो जाएंगी।

यदि आपने अपने प्रकाशन में कुछ पृष्ठों की सामाग्रा तैयार कर ली हैं और तब आप पृष्ठ आकार, हाशिए आदि बदलते हैं तो कुछ पेजों की सामाग्री गडबड हो सकती है। इसलिए सबसे अच्छा तो ये है कि दस्तावेज में कोई भी सामाग्री भरने से पहले ही आप पेज अच्छी तरह सेट कर ले यदि कभी पेज सेटिंग बदलना आवश्यक ही हो, तो पहले दस्तावेज को सुरक्षित कर लेना चाहिए ताकि कोई गडबडी होने पर आप पुरानी स्थिति में वापस आ सकें।

### पेजमेकर

#### पेजमेकर 7.0 में रूलर का उपयोग कैसे करें

April 20, 2017

3,260 Views

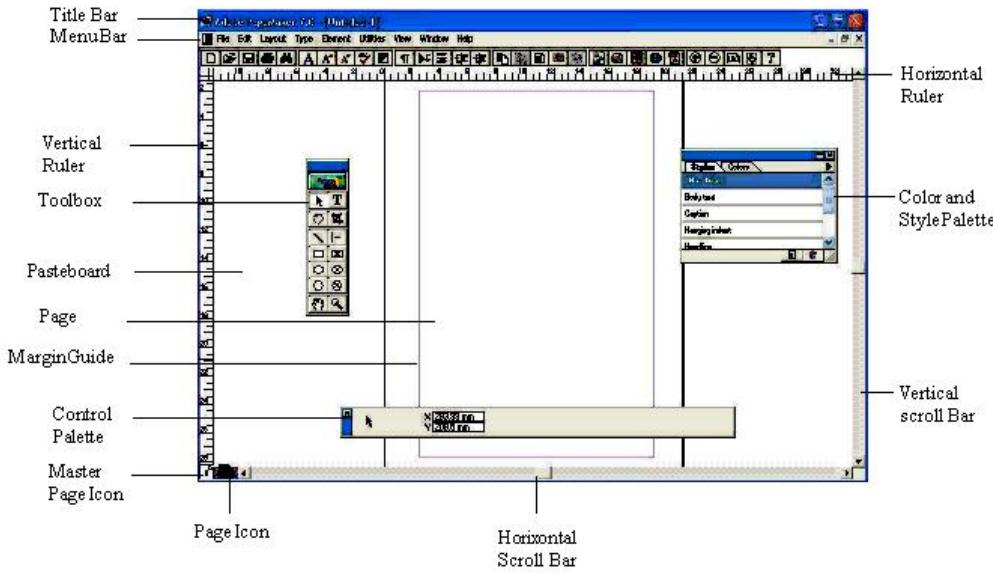
2 Min Read

#### पेजमेकर 7.0 में रूलर का उपयोग कैसे करें (How to use the ruler in PageMaker 7.0)

रूलरों का उपयोग करने से हमें अपने प्रकाशन के किसी पेज का प्रिंट बनाने और उस पर कंटेंट को शुद्धता से किसी जगह स्थापित करने में सहायता मिलती है। रूलर दो प्रकार के होते हैं: ऊर्ध्वाधर (Vertical) क्लैरिज (Horizontal)।

जब भी आप माउस प्वाइंटर या किसी वस्तु को प्रकाशन के किसी पेज पर इधर उधर ले जाते हैं, तो उसकी स्थिति बताने वाली दो रेखाए रूलरो पर चलती हैं। जिनसे पता चल जाता है कि उस समय उसका माउस प्वाइंटर कहां पर है अथवा वह वस्तु किस स्थान या बिंदु से प्रारम्भ करके लगी हुई है। यदि आप उसकी वर्तमान स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं, तो पुनः उसे खिसकाकर उचित स्थान पर सेट कर सकते हैं।

यदि रूलर दिखाई न दे तो आप View Menu में Show Rulers आदेश देकर अथवा कंट्रोल के साथ R (Ctrl+R) Button दबाकर उन्हें स्क्रीन पर देख सकते हैं, एक बार फिर Ctrl+R Button दबाकर आप उन्हें छिपा सकते हैं।



रूलरों पर सामान्यतया इंचों से निशान बने होते हैं आप इन निशानों को अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी अन्य मापन प्रणाली या इकाई में डालकर भी देख सकते हैं।

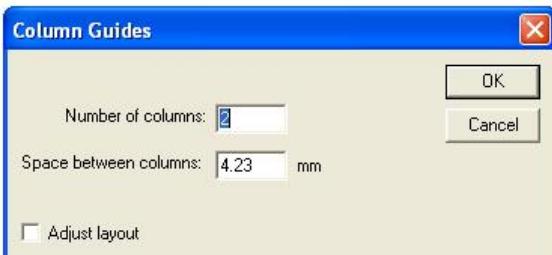
### पेजमेकर 7.0 में कॉलम क्या हैं?

पेजमेकर में समाचार पत्र और ब्रोशर बनाते समय अक्सर हमें कॉलम के उपयोग की आवश्यकता होती है। आप अपने टेक्स्ट ब्लॉक की चौड़ाई सेट करके मैन्युअल रूप से कॉलम बना सकते हैं, तो कॉलम बनाकर इस प्रक्रिया को आसान बनाया जा सकता है। जैसे ही आप पेजमेकर के साथ कॉलम बनाते हैं, गाइड का एक सेट (पेज मार्जिन की तरह) पेज में जुड़ जाता है। जब आप पहली बार अपना दस्तावेज़ बनाते हैं, तो इसका डिफॉल्ट प्रति पेज एक कॉलम होता है। पेजमेकर एक पेज पर 20 कॉलम बनाने का विकल्प प्रदान करता है। प्रत्येक कॉलम के बीच में एक ‘गटर’ होगा। गटर प्रत्येक कॉलम के बीच कुछ सफेद स्थान जोड़ता है इसलिए अगले कॉलम के ऊपर टेक्स्ट दिखाई नहीं देगा।

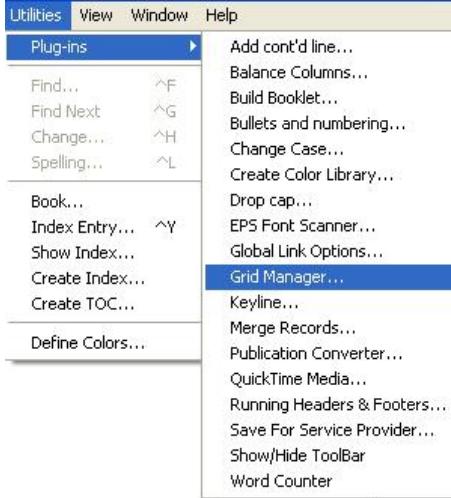
नोट: यदि आप अपने दस्तावेज़ के सभी पेज के लिए कॉलम सेट करना चाहते हैं, तो उन्हें मास्टर पेज पर सेट करें।

पेजमेकर 7.0 में कॉलम कैसे इन्सर्ट करें (How to Insert Column in Page Maker 7.0).

- कॉलम बनाने के लिए सबसे पहले आप Layout Menu पर क्लिक करे और Column Guide विकल्प चुनें।



- यह कमांड एक समान चौड़ाई के कॉलमों की संख्या बनाता है, उन्हें पेज के मार्जिन के भीतर फिट करता है। यदि टेक्स्ट या ग्राफिक्स पहले से ही पेज पर हैं, तो पेजमेकर रिवाइज़ डिज़ेन सेटअप के साथ अलाइन करने के लिए उन्हें बदल सकता है यदि आप Column Guide डायलॉग बॉक्स में adjust layout का चयन करते हैं।
- Utilities> Plug in> Grid Manager कमांड आपके द्वारा निर्दिष्ट किसी भी क्षेत्र के भीतर कॉलम फिट बैठता है, या एक निर्दिष्ट चौड़ाई के कॉलम बनाता है।



- आप एक पेज पर 20 कॉलम तक बना सकते हैं।
- पेज पर कॉलम सेट कैसे करें (How to Set Column on Page).
- पेज या मास्टर पेज पर जाएं जहाँ आप कॉलम चाहते हैं।
- layout Menu> Column Guide चुनें। आपके सामने Column Guide डायलॉग बॉक्स खुल जायेगा।
- यदि Number of Columns बॉक्स में इच्छित कॉलम की संख्या और Space Between Columns वाले बॉक्स में कॉलम के बीच का स्थान (गटर) टाइप करें। यदि आप बाएँ और दाएँ पेज अलग-अलग सेट कर रहे हैं, तो दोनों पृष्ठों के लिए मान टाइप करें।
- यदि आप कॉलम सेटअप में समायोजित करने के लिए पेज पर मौजूदा टेक्स्ट और ग्राफिक्स चाहते हैं, तो Adjust layout का चयन करें और फिर Ok पर क्लिक करें। पेजमेकर कॉलम की निर्दिष्ट संख्या बनाता है, समान रूप से स्थान और समान आकार।

ड्रॉप कैप क्या है? इसे पेजमेकर में कैसे प्रयोग करते हैं

June 5, 2019

526 Views

2 Min Read

एक Drop Cap एक सजावटी तत्व है जो आमतौर पर किसी सेक्शन या अध्याय की शुरुआत में उपयोग की जाती है। यह किसी पैराग्राफ या ब्लॉक के शुरुआत में उपयोग किया जाने वाला कैपिटल लेटर होता है जिसमें सामान्य टेक्स्ट की दो या दो से अधिक पंक्तियों की गहराई होती है।

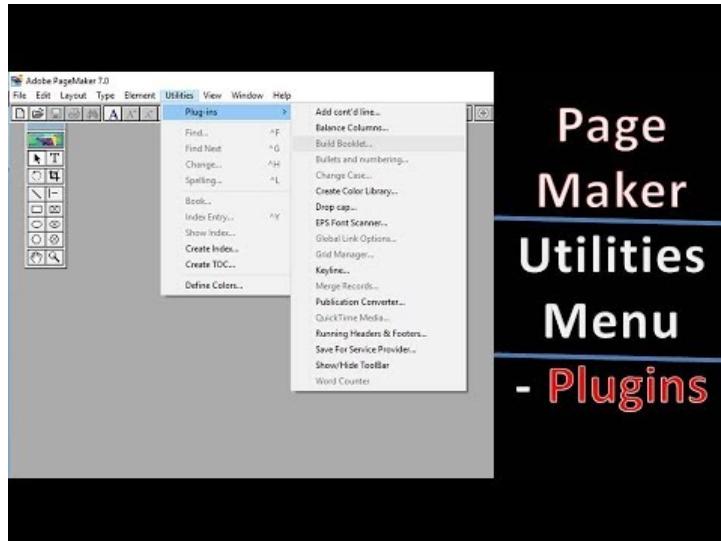
अगर आप किसी पैराग्राफ या पेज की शुरुआत को और भी अच्छे तरीके से दर्शाना चाहते हैं ताकि वो आकर्षित लगे तो आप ड्रॉप कैप का प्रयोग कर सकते हैं। ड्रॉप कैप का अर्थ हुआ किसी वाक्य के शुरुआती अक्षर को कैपिटल में इतना बड़ा कर देना जिस से वो दो या उस से बड़े लाइन से भी बड़ा हो जाए। एक Drop Cap एक सजावटी तत्व है जो आम तौर पर किसी सेक्शन या अध्याय की शुरुआत में उपयोग की जाती है। यह किसी पैराग्राफ या ब्लॉक के शुरुआत में उपयोग किया जाने वाला Capital letter होता है जिसमें सामान्य टेक्स्ट की दो या दो से अधिक पंक्तियों की गहराई होती है।

Once upon a time in a blueberry  
bubblegum land covered in pink violets  
that swayed to the rhythm of "My Baby  
Just Cares for Me" there lived a podgy yet  
attractive raspberry fairy called Bedooda.

जैसे आप ऊपर दिए गये चित्र में देख सकते हैं कि कैसे O जो कि पैराग्राफ का शुरुआती अक्षर है उसकी साइज़ को बड़ा दिया गया है और कैपिटल कर दिया गया है जिसके कारण वो तीन पंक्तियों में फैला हुआ है। ड्रॉप कैप के उपयोग से आपका पेज और भी पोलिश किया हुआ लगने लगता है और पेज या पैराग्राफ की शुरुआत कहाँ से हो रही है ये भी काफी आसानी से दिख जाता है।

ड्रॉप कैप बनाने के लिए निम्न स्टेप्स को फॉलो करना पड़ता है।

- टेक्स्ट ट्रूल के साथ, उस अक्षर को हाइलाइट करें या टाइप करे जिसे आप ड्रॉप कैप में बनाना चाहते हैं।



- टेक्स्ट को टाइप करके Utilities Menu पर क्लिक करेंगे।
- फिर Plug-ins-कमांड सेलेक्ट करेंगे।
- इसके बाद Drop cap का ऑप्शन चुनेगे, जिससे नीचे दिया गया डायलॉग बॉक्स ओपन होगा।

### What is OLE?

OLE का पूरा नाम object linking & embedding है। इसका तात्पर्य एक Application के object को दूसरे application से link करना है। इसे Microsoft द्वारा विकसित किया गया है जो कि Components object Model (COM) पर आधारित है।

“OLE Microsoft की एक तकनीक है जिसके द्वारा हम डायनामिक तरीके से files तथा applications को एक साथ link कर सकते हैं।”

Linking दो ऑब्जेक्ट्स के बीच कनेक्शन स्थापित करती है, और embedding एप्लिकेशन डेटा सम्मिलन की सुविधा प्रदान करती है। इस प्रकार OLE का तात्पर्य एक ऐसी तकनीक से है जो application के object को दूसरे application से link करती है। OLE का उपयोग कंपाउंड दस्तावेज़ प्रबंधन के साथ-साथ ड्रैग-एंड-ड्रॉप और क्लिपबोर्ड संचालन के माध्यम से applications डेटा स्थानांतरण के लिए किया जाता है।

### उदाहरण के लिए:-

- हम MS Word में MS Excel की Sheet को लिंक कर सकते हैं जब वर्ड में स्प्रेडशीट खुल जाती है तब स्प्रेडशीट का यूजर इंटरफ़ेस लोड होता है। और word डॉक्यूमेंट के अंदर हम Excel पर कार्य कर सकते हैं।
- इसके द्वारा हम किसी image/picture को photo editing प्रोग्राम जैसे:- photoshop में ओपन करके उसे word, excel या किसी अन्य application में move कर सकते हैं।

OLE को बाद में बहुत बड़े स्टैण्डर्ड में विकसित किया गया जिसे COM (components object model) कहते हैं। COM को Mac, unix तथा windows systems के द्वारा सपोर्ट किया जाता है। परंतु इसे मुख्यतया Microsoft विंडोज में प्रयोग किया जाता है। COM जो है वह ActiveX की foundation है जिसके द्वारा डेवलपर, वेब के लिए interactive content बनाते हैं।

### OLE-supported software applications

- Microsoft Windows applications जैसे – Excel, Word and PowerPoint

Corel WordPerfect

Adobe Acrobat

AutoCAD

- Multimedia applications, जैसे – photos, audio/video clips and PowerPoint presentations.

### Disadvantage of OLE

1. Embedded objects होस्ट डॉक्यूमेंट फाइल के साइज को बढ़ा देता है जिससे स्टोरेज और लोडिंग की परेशानी होती है।

2. linked objects ब्रेक हो सकते हैं अगर linked objects को ऐसी लोकेशन में रख दिया जाता है जहाँ original डॉक्यूमेंट application नहीं होती है।

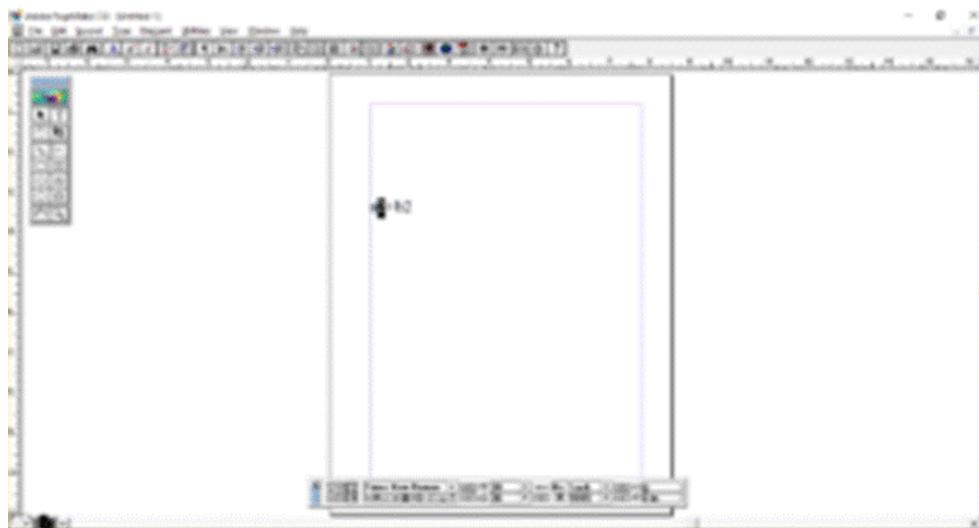
## मैथमैटिकल इक्वेशन्स

(Mathematical equation in page-maker)

पेजमेकर में आप आसानी से मैथमैटिक एक्वेशन्स बना सकते हैं। इसके लिए आपको मैथमैटिक सिम्बल्स की जानकारी होना आवश्यक है। आप निम्न प्रोसेस से पेजमेकर में मैथमैटिक सिंबल लगा सकते हैं।

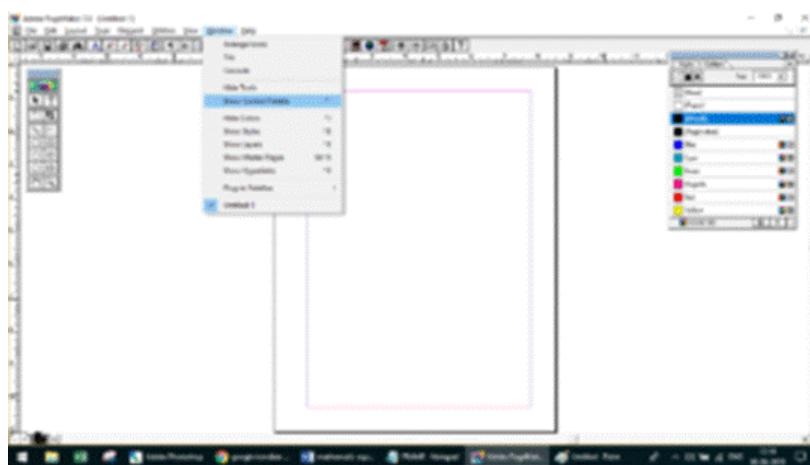
### Method I

1. अगर आपको किसी अल्फाबेट या नंबर पर स्क्वायर लगाना है, या बेस में नंबर या अल्फाबेट लगाना है तो निम्न प्रोसेस करें-
2. मान लेते हैं आपको  $a^2+b^2$  लिखना है।
3. तब सबसे पहले पेजमेकर को खोले और उसमें टेक्स्ट टूल से  $a^2+b^2$  लिखें।



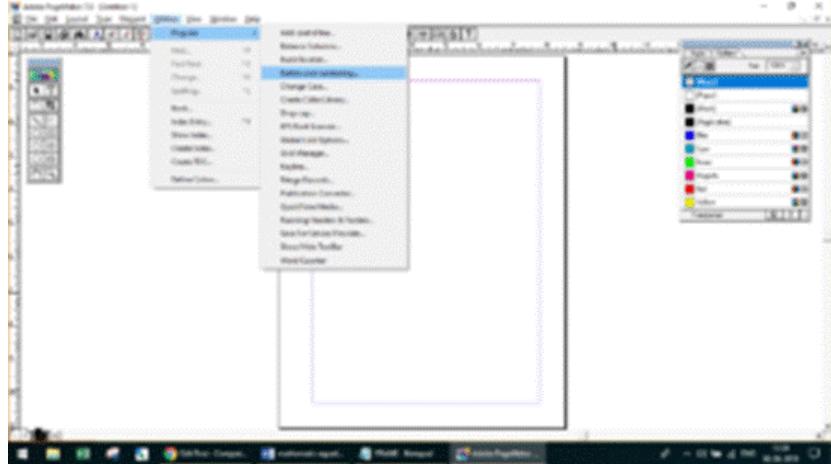
4. फिर 2 का चयन करे और कंट्रोल पैलेट पर (नीचे) जाकर इस टूल  का चयन करें। जैसा चित्र में दर्शाया गया है।  
नोट-अगर कंट्रोल पैलेट नीचे दिखाई नहीं दे रहा तो आप उसका चयन ऐसे करें।

5. Windows menu का चयन करें और Show pallet का चयन करें। जैसा चित्र में दर्शाया गया है।

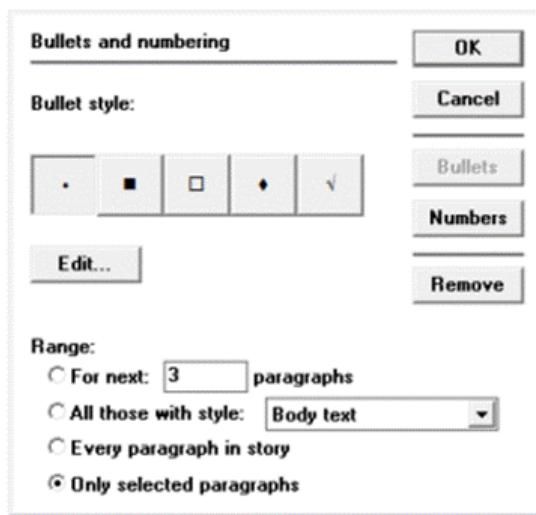


अन्य मैथमैटिक सिम्बल्स लाने के लिए निम्न प्रक्रिया को पूरा करें-

- टेक्स्ट का चयन करें।
- Utilities मेनू का चयन करें।
- उसके बाद Plug In ऑप्शन का चयन करें।
- 6. Bullets and Numbering ऑप्शन का चयन करें।



7. चित्र में प्रदर्शित एक डायलॉग बॉक्स ओपन होगा।



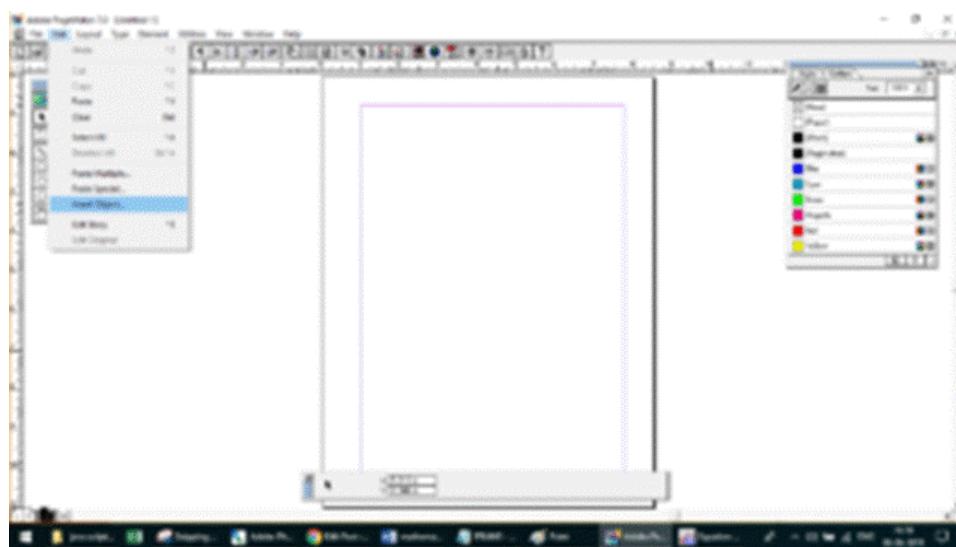
8. इस डायलॉग बॉक्स में एडिट (Edit...) ऑप्शन का चयन करें।

9. इस ट्रूल की सहायता से आप सब तरह के मैथमैटिक सिंबल सकते हैं।

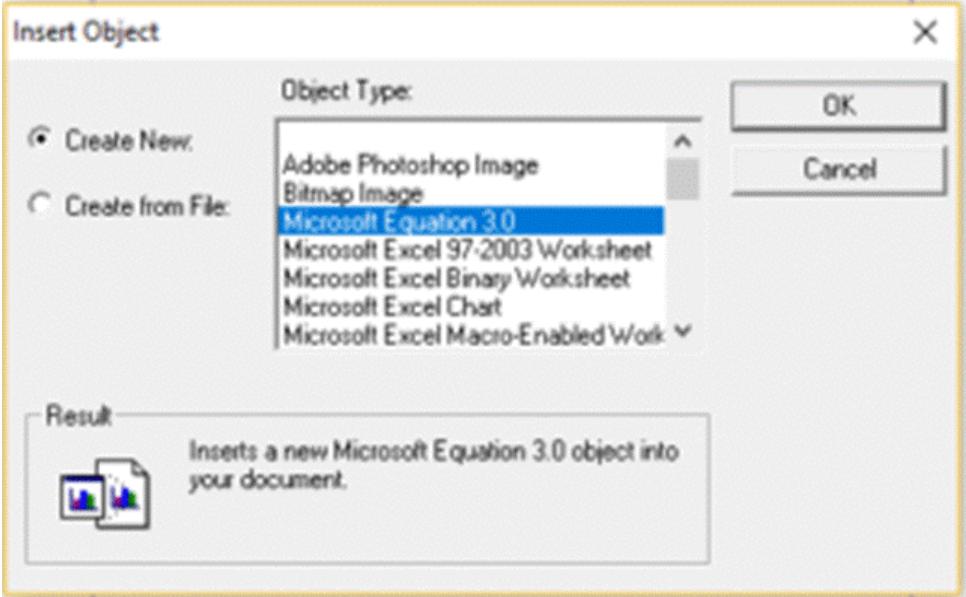
#### Method II

OLE के द्वारा भी पेजमेकर में मैथमैटिक इक्वेशन्स प्रयोग की जा सकती है।

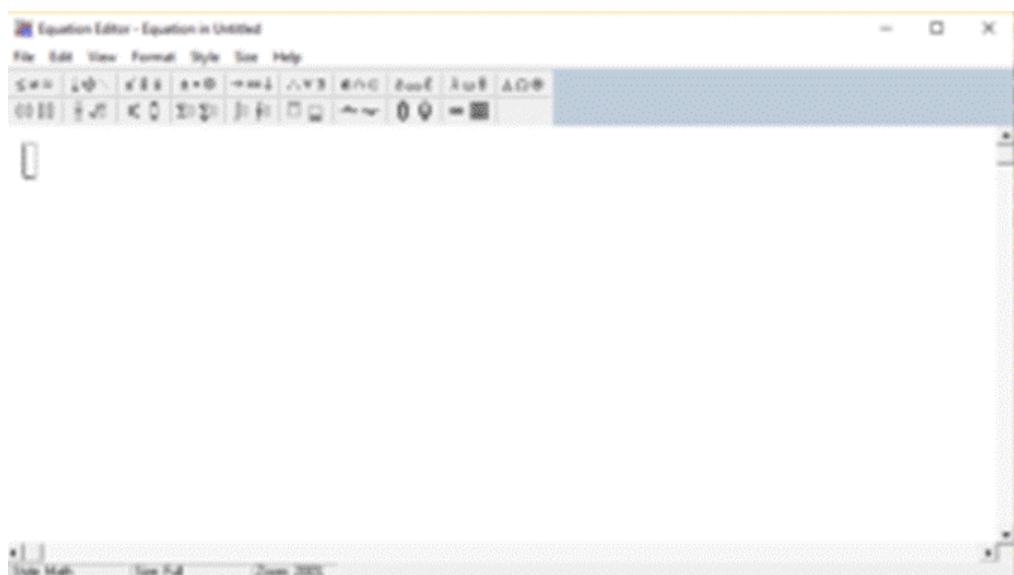
सबसे पहले पेजमेकर के Edit menu से Insert object ऑप्शन को चुने।



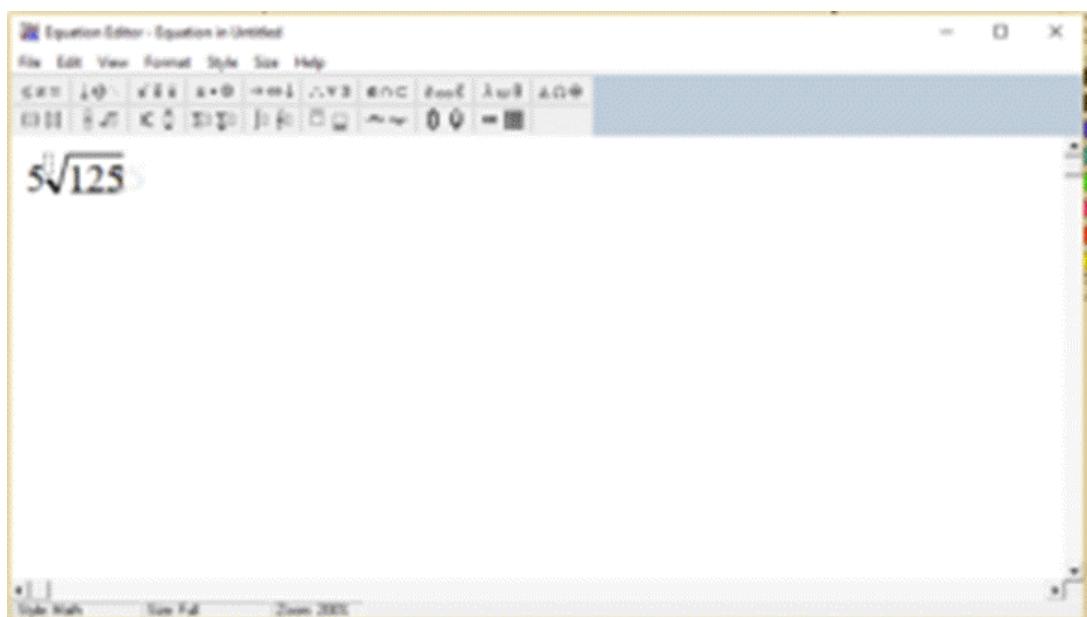
Insert object डायलॉग बॉक्स में MathType Equation ऑप्शन को चुने।



[MathType Equation विंडो ओपन होगी।](#)



[MathType Equation विंडो में अपना Equation टाइप करे।](#)



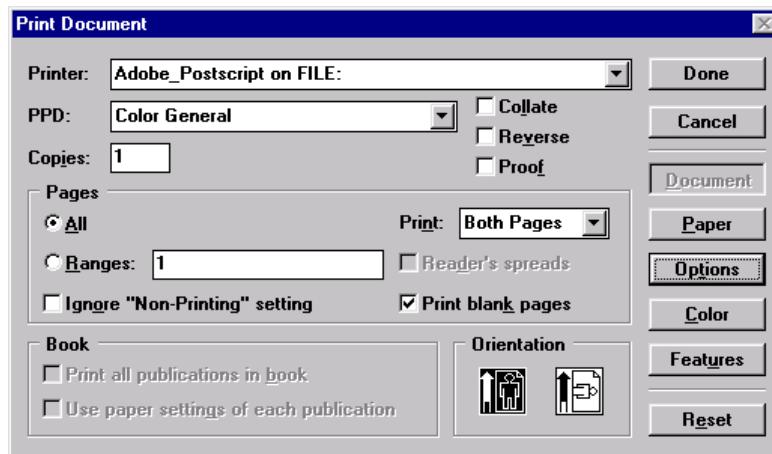
[विंडो को बंद कर दें Equation पेज मेकर में आ जायगी।](#)



**प्रिन्ट डायलॉग बॉक्स का परिचय (An Overview on the print dialog box)**

जब आप File मेन्यू से Print का चयन करते हैं, तो पेजमेकर आपके चयनित (Selected) प्रिन्टर के लिये प्रिन्टिंग डायलॉग बॉक्स को प्रदर्शित करता है।

- अपने पब्लिकेशन को प्रिन्ट करने के लिये Print बटन पर क्लिक कीजिये।
- प्रिन्ट किये बिना प्रिन्टिंग डायलॉग बॉक्स को बंद करने तथा सेट प्रिन्टिंग विकल्पों की स्थिति में परिवर्तन करने के लिये Cancel बटन पर क्लिक कीजिये।
- प्रिन्ट डॉक्यूमेंट विकल्प को पुनः प्रदर्शित करने के लिये Document बटन पर क्लिक कीजिये।
- पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर के लिये अन्य प्रिन्टिंग विकल्पों को देखने के लिये Paper, Options, Color विकल्पों पर क्लिक कीजिये।
- पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर के लिये प्रिन्टर-विशेष गुणों को देखने के लिये Features बटन पर क्लिक कीजिये।
- नॉन-पोस्टस्क्रिप्ट प्रिन्टर के लिये अन्य प्रिन्टिंग विकल्पों को देखने के लिये Setup, Options, Color विकल्पों पर क्लिक कीजिये।
- प्रिन्ट डायलॉग बॉक्स की सेटिंग को पुनः सेट करने के लिये Reset बटन पर क्लिक कीजिये।



अब प्रिन्ट डायलॉग बॉक्स में उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से प्रत्येक के बारे में जानेंगे, जिनका प्रयोग आप पब्लिकेशन के लिये अपने डॉक्यूमेंट को सेट करने के लिये करेंगे।

#### डॉक्यूमेंट प्रिन्ट करना (Print Document).

**प्रिन्टर (Printer):-** यदि आपने एक से ज्यादा प्रिन्टरों के लिये ड्राइवर्स को लोड किया हैं, तो यहां से प्रिन्टर के प्रकार का चयन कीजिये, अन्यथा आपका चयनित डिफॉल्ट प्रिन्टर प्रदर्शित होगा।

**प्रतियां (Copies):-** आप पेज की कितनी प्रतियां प्रिन्ट करना चाहते हैं, यह यहां चयन किया जाता है। डॉक्यूमेंट की कई प्रतियां प्रिन्ट करने के लिये, प्रतियों की संख्या टाइप कीजिये।

**कोलैट (Collate):-** यह विकल्प प्रिन्ट हुए आउटपुट को मिश्रित करता है। यदि आप 1 से 5 संख्या तक के पेजों की दो प्रतियां प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो यह कमांड पेज 1-5 को मिश्रित रूप में दो बार प्रिन्ट कर देगी।

**रिवर्स (Reverse)** :- इसका प्रयोग डॉक्यूमेंट पेज के प्रिन्ट क्रम को उल्टा करने के लिये किया जाता है। अर्थात् जब आप 1-5 को प्रिन्ट करेंगे, तो 5-1 प्रिन्ट होगा।

**प्रूफ (Proof)** :- इस विकल्प का चयन करके आप निम्न स्तरीय प्रूफ के रूप में पेजों को प्रिन्ट कर सकते हैं।

**पेज (Pages)** :- यदि आप All का चयन करते हैं, तो पूरा डॉक्यूमेंट प्रिन्ट होगा तथा अगर आप Ranges का चयन करते हैं, उन पेजों का चयन कर सकते हैं, जिनका प्रिन्ट आप प्राप्त करना चाहते हैं। उदाहरण के लिये, पेज 7 से 18 तक के पेजों को प्रिन्ट करने के लिये ranges रेडियो बटन का चयन करके टैक्स्ट बॉक्स में 7-18 टाइप कीजिये। यदि आप अलग-अलग पेजों को प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो पेज संख्या को कॉमा से विभाजित कीजिये। उदाहरण के लिये, पेज 2, 6 और 12-18 को प्रिन्ट करने के लिये टैक्स्ट बॉक्स में 2, 6, 12-18 टाइप कीजिये।

**बुक (Book)** :- यदि आप पुस्तक के पब्लिकेशन को प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो यह विकल्प वैध (valid) होता है। इस विकल्प के द्वारा आप पुस्तक में स्थित सभी पब्लिकेशन्स के सभी पेजों को प्रिन्ट कर सकते हैं।

**प्रिंट ड्रॉप डाउन लिस्ट (Print drop down list)** :- ‘Both Pages’ का प्रयोग एक समय पर दोनों और डॉक्यूमेंट प्रिन्ट करने के लिये किया जाता है। ‘Odd Pages’ का प्रयोग विषम संख्या वाले पेजों को पहले प्रिन्ट करने के लिये किया जाता है। इसके बाद ‘Even Pages’ का चयन करके पेजों के पिछले भाग में सम संख्या वाले पेजों को प्रिन्ट किया जा सकता है।

**ओरिएंटेशन (Orientation)** :- इसमें दो आइकॉन होते हैं, पोर्ट्रॉट (Portrait) और लैंडस्केप (landscape)। उपयुक्त आइकॉन का चयन कीजिये।

**इग्नॉर नॉन-प्रिन्टिंग (Ignore ‘Non-Printing’)** :- यदि आप प्रिन्ट न होने वाले कैरेक्टर्स को भी प्रिन्ट करना चाहते हैं, तो इस विकल्प का चयन कीजिये।

**रीडर्स स्प्रेड (Reader’s Spreads)** :- आप दो पेजों के फैलाव का मूल्यांकन कर सकते हैं।

प्रिन्ट के विकल्प (Print Options)

प्रिन्ट ऑप्शन को प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बॉक्स के Options बटन पर क्लिक करके ओपन किया जा सकता है।

**प्रतिशत (Percentage)** :- आप पेज को प्रिन्ट करने से पहले उसके आकार को माप सकते हैं।

**रिड्यूस टू फिट (Reduce to Fit)** :- यदि पेपर का आकार आपके द्वारा डिजाइन किये गये डॉक्यूमेंट के आकार से कम है, तो इस कमांड का प्रयोग करके आप डॉक्यूमेंट का प्रिन्ट पेज पर प्राप्त कर सकते हैं, भले ही पेपर का आकार छोटा हो।

**थम्बनेल (Thumbnails)** :- थम्बनेल डॉक्यूमेंट के सभी पेजों पर एक नजर दौड़ाने, पूरी डिजाइन थीम को देखने का सबसे आसान तरीका है। इस विकल्प का प्रयोग करके आप सभी पेजों आइकॉन के रूप में प्रिन्ट कर सकते हैं। एक पेज में अधिकतम 16 थम्बनेल का प्रयोग किया जाता है।

**इयूप्लैक्स (Duplex)** :- इयूप्लैक्स का प्रयोग एक बार में पेज के दोनों ओर प्रिन्ट करने के लिये किया जाता है। यदि आप दोनों ओर सही प्रिन्ट चाहते हैं, तो आपको इसका ध्यान देना होगा। इसमें None, Short Edge तथा Long Edge जैसे विकल्प भी होते हैं।

**ऑप्शन्स (Options)** :- इसमें कई विकल्प होते हैं, जिन्हें पेज पर स्वतः प्रिन्ट किया जा सकता है, जैसे कि प्रिन्टर का चिन्ह और पेज की सूचना, पेज सेटअप, पेज सेटअप डायलॉग बॉक्स में निर्दिष्ट पेज आकार पर फिट करने के लिये पूरे आकार को छोटे-छोटे खंडों में विभाजित कर दिया जाता है। पेजमेकर स्वतः पेज के कोनों की प्रिन्ट न होने वाली मार्जिन के बाहर जाने वाले खंडों को ओवरलैप कर देता है या फिर यह आप स्वतः भी कर सकते हैं।

**कलर विकल्प (Color Options)** :- कलर ऑप्शन को प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बॉक्स के Color बटन पर क्लिक करके ओपन किया जा सकता है। यह प्रिन्टिंग कलर पर नियंत्रण प्रदान करता है।

**कम्पोजिट (Composite)** :- जब इस विकल्प का चयन किया जाता है, तो रंग विभाजित नहीं होते हैं बल्कि ये ग्रेशेड्स या रंगों के निकटतम अनुमान के रूप में प्रिन्ट होते हैं। रंगों को कलर प्रिन्टर पर प्रिन्ट करने के लिये Composite बटन पर क्लिक कीजिये। यदि आप एक लेजर प्रिन्टर का प्रयोग कर रहे हैं, तो इस विकल्प का चयन करने पर आपको ग्रेशेड्स प्राप्त होंगे।

**प्रिन्ट कलर्स इन ब्लैक (Print Colors In Black)** :- सभी कलर प्रिन्ट को संग्रहित प्रक्रिया और स्पॉट पृथक्करण (Separations) के साथ उसी स्क्रीनिंग प्रतिशत में काले शेड में प्रिन्ट करता है।

**पृथक्करण (Separations)** :- जब आप पृथक्करण (Separations) रेडियो बटन का चयन करते हैं, तो सेपरेशन पॉप-अप लिस्ट सक्रिय हो जाती है। इसमें डॉक्यूमेंट के लिये परिभाषित किये गये स्पॉट और प्रोसेस कलर्स शामिल होते हैं। इससे उस पृथक्करण (Separation) का चयन कीजिये जिसे आप प्रिन्ट

करना चाहते हैं और फिर पॉप-अप लिस्ट में एक X जोड़ने के लिये 'Print This Ink' चेक बॉक्स पर क्लिक कीजिये। पेजमेकर प्रिन्ट कॉलम में X वाले कलर्स के लिये पृथक्करण (Separation) को बस प्रिन्ट करेगा।

**सीएमएस सेटअप (CMS Setup)** :- इस कमांड का प्रयोग कलर मैनेजमेंट के लिये किया जाता है। पेजमेकर का ओपन स्ट्रक्चर आपको स्क्रीन पर प्रदर्शित और अंतिम आउटपुट में प्रिन्ट होने वाले कलर्स को बेहतर प्रबंधित करने के लिये एक संगत कलर मैनेजमेंट सिस्टम (Color Management System or CMS) का प्रयोग करने देता है। प्रिलिकेशन का निर्माण करने के लिये उपयोग किये जाने वाला प्रत्येक डिवाइस, स्कैनर, मॉनीटर, डेस्कटॉप प्रिन्टर तथा प्रिन्टिंग प्रेस, रंगों के सीमित सेट को प्रदर्शित या पुनः निर्मित कर सकती हैं। रंग का वह स्पेक्ट्रम जिसका पुनर्निर्माण एक डिवाइस कर सकती है, उसे उसकी रंग विस्तार (Color Gamut) कहते हैं। कई डिवाइसों का कलर गैमट निर्माता द्वारा डिवाइस प्रोफाइल नामक एक फाइल में रिकॉर्ड किया जाता है।

**CMS (Color Management System)** एक डिवाइस के रंगों को कलर गैमट (Color Gamut), या कलर स्पेस से डिवाइस स्वंतत्र मॉडल में अनुवादित करता है तथा फिर कलर गैमट पर कलर सूचना को फिट करता है। CMS प्रत्येक डिवाइस के रंग के गुण उसे डिवाइस प्रोफाइल से प्राप्त करता है, तथा डिवाइस पर निर्भर रंग सूचना का मापन डिवाइसों के बीच करता है। रंग प्रबंध न उन डिवाइसों में बहुत महत्वपूर्ण है जिनमें छोटे कलर गैमट होते हैं, जैसे कि डेस्कटॉप प्रिन्टर। कलर गैमट जितना छोटा होगा, यह CMS के साथ कलर गैमट के अंतरों का सामंजस्य स्थापित करने में यह उतना ही उपयोगी होगा।

**प्रिन्ट ऑल इंक (Print All Inks)** :- इस कमांड का प्रयोग X वाले सभी रंगों को चिन्हित करने के लिये किया जाता है।

**प्रिन्ट नो इंक (print No Inks)** :- इस कमांड का प्रयोग रंगों की लिस्ट से सभी X को हटाने के लिये किया जाता है।

**ऑल टू प्रोसेस (All to Process)** :- इस कमांड का प्रयोग सभी स्पॉट कलर सेपरेशन्स को अस्थायी रूप से प्रोसेस सेपरेशन्स में परिवर्तित करने के लिये किया जाता है।

**रिमूव अनयूज्ड (Remove Unused)** :- इस कमांड का प्रयोग उपयोग न हुए रंग को हटाने के लिये किया जाता है।

**डॉक्यूमेंट को प्रिन्ट करना (Printing Document)**

- **File मेन्यू पर क्लिक कीजिये।**
- **Print विकल्प का चयन कीजिये या फिर कीबोर्ड से Ctrl + P दबाइये।** ऐसा करते ही Print Document डायलॉग बॉक्स चित्र की तरह ओपन हो जाएगा।
- **प्रिन्ट डॉक्यूमेंट डायलॉग बॉक्स में, Copies टैक्स्ट बॉक्स में 4 टाइप कीजिये।**
- **Pages रेडियो बटन विकल्प में, Range का चयन कीजिये।**
- **रेज टैक्स्ट बॉक्स में 1 – 10 टाइप कीजिये।**
- **Options बटन पर क्लिक कीजिये।** ऐसा करते ही Print Options डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा।
- **प्रिन्ट ऑप्शन डायलॉग बॉक्स में Reduce to fit रेडियो बटन का चयन करके डॉक्यूमेंट को पेज के आकार में फिट कीजिये।**
- **Color बटन पर क्लिक कीजिये।** ऐसा करते ही Print Color डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर प्रदर्शित होने लगेगा।
- **प्रिन्ट कलर डायलॉग बॉक्स में Separations रेडियो बटन का चयन कीजिये।**
- **Print all inks विकल्प का चयन कीजिये।**
- **अंत में Print बटन पर क्लिक कीजिये।** डॉक्यूमेंट प्रिन्ट हो जाएगा।

News Paper क्या हैं ?

लोंगो के लिए आज के समय में समाचार पत्र दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया हैं क्योंकि देश विदेश से सम्बन्धित सारी जानकारी हमें समाचार पत्र में एक ही जगह पर मिल जाती हैं चाहे वह खेल से सम्बन्धित हो या राजनीति से। समाचार पत्र पूरे संसार भर की खबरों का संग्रह होता है, जो हमें विश्व में होने वाली सभी घटनाओं के बारे में जानकारी देता है।

पेजमेकर 7.0 में न्यूज पेपर की पेज फोर्मटिंग कैसे करें

समाचार पत्र का आकार बड़ा होता है, इसलिये उसमें सामान्य पेज लेआउट का प्रयोग नहीं किया जाता है। यद्यपि समाचार पत्र का आकार निश्चित नहीं है, क्योंकि कई प्रकार के समाचार पत्र आते हैं जैसे दैनिक भास्कर, नई दुनिया, पत्रिका, टाइम्स, जागरण आदि फिर भी वह A4 आकार के पेपर से बड़ा होता है।

यहाँ आकार से ताप्त्य एक पेज के आकार से हैं। अलग अलग देशों में समाचार पत्र का आकार अलग होता है। एक पेज में आठ कॉलम होते हैं। प्रत्येक कॉलम की चौड़ाई 4 सेन्टीमीटर होती है, तथा दो कॉलम के बीच में 5 मिलीमीटर की जगह छोड़ी जाती है। न्यूजपेपर में पेज

लेआउट मे सामान्यतः ऊपर की ओर मुख्य या महत्वपूर्ण खबर रखी जाती हैं। उसे lead कहा जाता है। कम महत्वपूर्ण खबरों को नीचे की ओर रखा जाता है। समाचार पत्र को सामान्यतः बीच में मोड़ा जाता है। डिजाइनर यह कोशिश करता है कि मुझे हुए हिस्से में कोई टेक्स्ट ना आये। running text को एक से अधिक कॉलम में रखा जाता है। डाटा के अनुसार किसी कॉलम की चौड़ाई बढ़ाई जाती है। मुख्य हेडिंग का आकार सबसे बड़ा रखा जाता है। तथा हेडिंग के आकार का दूसरा टेक्स्ट उस पेज में नहीं रखा जाता है। फोटो या ग्राफिक्स का आकार, टेक्स्ट के अनुसार सेट किया जाता है।

प्रत्येक राष्ट्रीय न्यूज पेपर की अपनी स्टाइल गाइड (Style Guides) होती हैं, जो उस न्यूजपेपर को अन्य राष्ट्रीय न्यूजपेपर से अलग बनाती हैं।  
किसी स्थानीय समाचार पत्र मे स्थानीय समाचार को अधिक महत्वपूर्ण तरीके से दर्शाया जाता है।

किसी भी बड़े या मध्यम समाचार पत्र में उच्च गुणवत्ता के पूर्वनिर्मित टेम्पलेट्स का प्रयोग किया जाता है। इन टेम्पलेट के प्रयोग से कार्य को दोहराने की जरूरत नहीं पड़ती है। टेम्पलेट में समाचार पत्र का लेआउट, कॉलम का आकार, हेडलाइन में कौन सा टाइफेस उपयोग होना है, एक विशिष्ट हेडलाइन में कितने शब्द रखना है, विभिन्न रंग संयोजन आदि पूर्वनिर्धारित होते हैं।

#### News Paper Setting

समाचार पत्र की सेटिंग करने के लिए DTP प्रोग्राम पेजेस पर लेआउट का खाका बनाया जाता है। इसमें अलग कॉलम की एक ग्रिड बना कर पेज का लेआउट निश्चित किया जाता है। एक हेडिंग की चौड़ाई एक कॉलम से अधिक हो सकती हैं, मुख्य हेडिंग सभी कॉलम के चौड़ाई के समान भी हो सकती हैं। कोई तस्वीर एक से अधिक कॉलम मे सेट कि जा सकती हैं। बॉडी टेक्स्ट के लिए 9 या 10 पाइंट टाइप का उपयोग किया जाता है। हेडलाइन और सब-हेडिंग का आकार बड़ा होता है। चित्रों और कैप्शन के लिए रिक्त स्थान छोड़ी जाती है। कोई भी न्यूजपेपर का लेआउट बनाने से पहले अन्य प्रचलित समाचार पत्रों को लेआउट जांच लेना चाहिए। न्यूजपेपर की डिजाइन मे निम्न विशेषताओं का उपयोग किया जाता है। बॉर्डर रूल्स (टेक्स्ट और ग्राफिक्स को विभाजित करते हुए सीधी लाइनें) कलर का प्रयोग, हेडर बोर्ड या बड़े आकार में टेक्स्ट, हेडलाइन और टाइपफेस आदि। लेआउट में टेक्स्ट को सेट करने के लिए ग्राफिक्स या इमेज की सहायता ली जा सकती हैं, सभी फारमैटिंग पूर्ण होने के बाद उसका draft आउटपुट निकाल कर चेक किया जाता है। आवश्यक सुधार के बाद उसे व्यवसायिक प्रिन्टर पर भेजा जाता है।

## फोटोशॉप का परिचय (Introduction of Photoshop)

फोटोशॉप एक इमेज एडिटिंग सॉफ्टवेयर है जिसे Adobe कंपनी ने बनाया है। फोटोशॉप 1988 में थॉमस और जॉन नॉल द्वारा बनाया गया था। फोटोशॉप में स्कैन की गई इमेज, डिजिटल कैमरे द्वारा ली गई फोटो, इन्टरनेट द्वारा डाउनलोड की गई फोटो आदि का उपयोग किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न टूल होते हैं जिसकी सहायता से आप इस सॉफ्टवेयर में अपनी इच्छा अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं। Photoshop के द्वारा पिक्चर को एडिट कर सकते हैं किसी भी पिक्चर में इफेक्ट डाल सकते हैं तथा नई डिजाइन बना सकते हैं आजकल इस सॉफ्टवेयर का उपयोग मुख्यतः फोटो बनाने, एल्बम बनाने, फ़्लेक्स बनाने, पोस्टर बनाने, बुक कवर बनाने आदि में किया जाता है।

### फोटोशॉप की विशेषताएं (Features of Photoshop):-

1. फोटोशॉप में बनी फाइलों को आसानी से वेब पेज में डाला जा सकता है।
2. Photoshop के कार्य को अनडू ऑप्शन के द्वारा हटाया भी जा सकता है।
3. इसमें हिस्ट्री पैलेट की सुविधा दी गई है जिसमें पुरानी कार्य की सूची दिखाई जाती है। इस पैलेट के उपयोग से फोटो या इमेज को पुरानी स्थिति में ला सकते हैं।
4. फोटोशॉप में इमेज को सेलेक्ट करने के लिए बहुत से टूल हैं जिनके द्वारा इमेज के अलग-अलग पार्ट को सिलेक्ट किया जा सकता है। इस सुविधा से फोटोशॉप में किसी भी फोटो का काम बहुत आसानी से किया जा सकता है।
5. फोटोशॉप में वांछित रंगों को सुधारने या बदलने का कार्य फोटोशॉप में बहुत तेजी से एवं आसानी से किया जा सकता है।
6. फोटोशॉप में बहुत से इफेक्टिव टूल्स दिए होते हैं जिनकी मदद से फोटो में अलग अलग इफेक्ट आसानी से डाल सकते हैं।
7. Photoshop के द्वारा किसी भी इमेज के आकार को आसानी से बदला जा सकता है तथा उस इमेज को रोटेट भी किया जा सकता है।
8. फोटोशॉप में इमेज पर आसानी से कार्य करने के लिए लेयर का उपयोग किया जाता है। लेयर सुविधा के माध्यम से हम इमेज को अलग-अलग हिस्सों में बाँट कर उस पर कार्य कर सकते हैं।
9. फोटोशॉप के द्वारा बनाई गई इमेज को अलग अलग इमेज एक्सटेंशन में सेव किया जा सकता है। जैसे Bitmap, GIF, JPG, PNG, PDF आदि।

### Photoshop file extensions

फोटोशॉप में बनाई गई इमेज by default .PSD फॉर्मेट में सेव होती है। .PSD फोटोशॉप का एक्सटेंशन होता है जिसका पूरा नाम फोटोशॉप डॉक्यूमेंट है। परन्तु फोटोशॉप में बनाई गई फाइल को हम किसी भी फाइल फॉर्मेट में सेव कर सकते हैं। जैसे – GIF, IMG, PNG, JPG, WPG, tiff, EPS.

- IMG file format
- Tiff (Tag image file format)
- EPS (Encapsulated postscript)
- WPG file format
- JPEG (Joint photographic expert group)
- BMP (Bitmap file format)
- PNG (Portable network graphic)

### जीआईएफ फाइल फॉर्मेट (GIF file format).

जी आई एफ का पूरा नाम ग्राफिक्स इंटरचेंज फॉर्मेट (Graphic file format) है। इस फॉर्मेट का प्रयोग मुख्य रूप से सिंथेटिक, डायग्राम, लोगोस, नेविगेशन बटन आदि फ़्लैट इमेज बनाने के लिए किया जाता है। यह रंगों के लिए कलर लुकअप टेबल का प्रयोग करता है और केवल 256 Colors प्रति इमेज के लिए प्रयोग करता है।

### आई एम जी फाइल फॉर्मेट (IMG file format).

आई एम जी फाइल फॉर्मेट को मूलतः IMG प्रोग्राम के साथ कार्य करने के लिए बनाया गया था। यह फाइल फॉर्मेट मोनोक्रोम और गे स्केल इमेज को हँडल करता है।

### टिफ फाइल फॉर्मेट (TIFF file format).

tiff का पूरा नाम टैग इमेज फाइल फॉर्मेट (Tag image file format) है। इस प्रकार की इमेज फाइल का एक्सटेंशन .tif होता है। इसलिए इनको टिफ फाइल कहा जाता है। यह एक ऐसा फाइल फॉर्मेट है जिसे व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है और यह सभी प्लेटफॉर्म्स जैसे Map, Windows, Unix को सपोर्ट करता है। यह RGB, CMYK कलर को सपोर्ट करता है। इस फाइल का आकार अपेक्षाकृत अधिक होता है। अर्थात् यह फाइल्स अधिक मेमोरी का प्रयोग करते हैं।

### EPS file format

EPF फाइल को एनकेप्सुलेटेड पोस्ट स्क्रिप्ट फाइल (Encapsulated Post Script) भी कहा जाता है। यह वह इमेज होती है जिनका प्रयोग ग्राफिक्स फाइल को रेंडर करने के लिए किया जाता है ताकि इनको किसी अन्य पोस्ट स्क्रिप्ट डॉक्यूमेंट में प्रयोग किया जा सके। ईपीएस फाइल का मुख्य लाभ यह है कि इसका आकार इसकी गुणवत्ता में परिवर्तन किए बिना परिवर्तित किया जा सकता है। ईपीएस फाइल की आवश्यकता उच्च स्तरीय प्रिंटिंग के लिए होती है।

### WPG file format

WPG फाइल फॉर्मेट का प्रयोग word perfect द्वारा किया जाता है। इससे पहले इसका प्रयोग वर्ल्ड पर्फेक्ट 5.0 के साथ किया गया था। इस फॉर्मेट की फाइल्स vector इमेज को सपोर्ट करती थीं।

### JPG file format

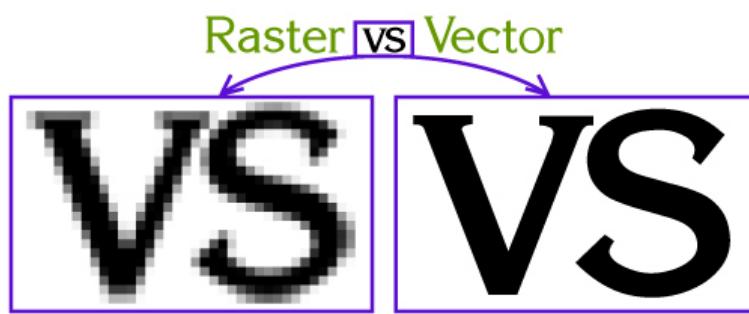
JPG फाइल फॉर्मेट का पूरा नाम जॉइंट फोटोग्राफिक एक्सपर्ट ग्रुप (Joint photographic expert group) है। यह एक raster ग्राफिक्स फॉर्मेट है जो dos, windows, Macintosh, unix आदि के लिए स्पेस की बचत करने के लिए किसी इमेज को कंप्रेस करती है। जेपीजी फाइल को लगभग सभी सॉफ्टवेयर में इंपोर्ट किया जा सकता है। यह सबसे अधिक प्रयोग होने वाला इमेज फाइल फॉर्मेट है। सामान्यतः जेपीजी फाइल्स RGB कलर मोड में होती हैं। अतः इन को प्रिंटिंग के लिए प्रयोग किए जाने पर इनका कलर मोड RGB से CMYK में परिवर्तित किया जा सकता है।

### PNG file format

PNG को Portable Network Graphics कहा जाता है। यह इंटरनेट पर सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला दोषरहित इमेज कम्प्रेशन फॉर्मेट है। यह GIF के तरह 8-बिट कलर को सपोर्ट करता है। दोषरहित इमेज कम्प्रेशन का अर्थ है कि वे एडिटिंग के दौरान अपनी क्वालिटी नहीं खोती। PNG में ट्रांसपरेंसी के कई ऑप्शन्स हैं। PNG-24 और PNG-32 ट्रांसपरेंसी को सपोर्ट करती हैं। यह GIF की तुलना में अधिक एडवांस है।

## ग्राफिक फाईल क्या हैं इनकी विशेषताएँ, लाभ एवं हानि

किसी भी ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर में कंप्यूटर पर ही तैयार की गई इमेज, स्कैनर द्वारा स्कैन की गई इमेज तथा डिजिटल कैमरे द्वारा ली गई इमेज ग्राफिक फाइल कहलाती है। कंप्यूटर ग्राफिक दो प्रकार के होते हैं – Vector Image और Raster Image



### रस्टर इमेज (Raster Image).

Raster Image वे इमेज होती हैं जो पिक्सेल से मिलकर बनती हैं। इमेज में पिक्सेल का प्रयोग होने के कारण इमेज के आकार को बढ़ाने पर इमेज की गुणवत्ता कम होती जाती हैं क्योंकि इमेज के आकार को बढ़ा करने पर पिक्सेल दूर दूर होने लगते हैं। पिक्सेल दूर होने के कारण इमेज स्पष्ट दिखाई नहीं देती हैं।

रस्टर इमेज में प्रत्येक पिक्सेल के रंग की वैल्यू स्पेसिफिक होती है। इमेज का डाटा एक सीरीज की लाइन में होता है। इसमें इमेज एक गिड में होती है। इसमें जैसे-जैसे इमेज को ज़ूम करते हैं। इमेज फटने लगती हैं। इन्हें Bitmap इमेज भी कहते हैं।

#### Example :

Tiff – Taged Image file format

PSD – Photoshop Document

EPS – Encapsulated Post Script

JPG – Joint Photographic Expert Group

PNG – Portable Network Graphics

GIF – Graphical Interchange format

BMP – Windows BITMAP

### वेक्टर इमेज (vector Image).

वेक्टर इमेज वे इमेज होती हैं जो टेक्स्ट, लाइन तथा आकृति से मिलकर बनती हैं। यह इमेज पिक्सेल से मिलकर नहीं बनती हैं। इसलिए इनके आकार में कोई भी परिवर्तन करने पर इनकी गुणवत्ता पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

#### Example :

EMF – Enhanced Meta File

EPS – Encapsulated Post Script

PDF – Portable Document format

PS – Post Script

### Features of Vector Image and Raster Image

वेक्टर	रस्टर
इसे Mathematical Equations (Line & Curve) से दर्शाया जाता है।	इसे पिक्सेल के द्वारा दर्शाया जाता है।
इसे आकार से मापा जा सकता है।	इसे मापा नहीं जा सकता।
इसका रिजोल्यूशन से कोई मतलब नहीं है।	यह रिजोल्यूशन पर निर्भर करता है।

## वेक्टर और रास्टर इमेज के लाभ और हानि

### (Advantage & Disadvantage of Vector and Raster Graphics)

Vector Image के लाभ, हानि निम्न प्रकार हैं –

#### Advantage of Vector image

1. इसमें डाटा अपने ऑरिजनल रेजोल्यूशन में प्रदर्शित होता है।
2. इसमें आउटपुट आमतौर पर अधिक अच्छा देता है।
3. वेक्टर फॉर्म में किसी डेटा के रूपान्तरण की ज़रूरत नहीं होती।
4. डेटा का स्टीक भौगोलिक स्थान बनाए रखा जाता है।

#### Disadvantage of Vector image

1. प्रत्येक शीर्ष के स्थान को स्पष्ट रूप से स्टोर करने की ज़रूरत है।
2. प्रभावी विश्लेषण के लिये वेक्टर डाटा को टोपोजिकल (Topological) संरचना में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
3. बहुभुज के अंदर पैतृक विश्लेषण और फिल्टर करना कठिन है।

Raster Image – रास्टर ग्राफिक के लाभ, हानि निम्न प्रकार हैं –

#### Advantage of Vector image

1. प्रत्येक सेल की भौगोलिक स्थिति सेल मैट्रिक्स में अपनी स्थिति में निहित है।
2. डेटा संग्रहण तकनीक के कारण, डेटा विश्लेषण आमतौर पर प्रोग्राम के लिए आसान होता है और प्रदर्शन करने के लिए अग्रसर रहता है।
3. विस्तृत छवि के लिए यह बहुत अच्छा माना जाता है।

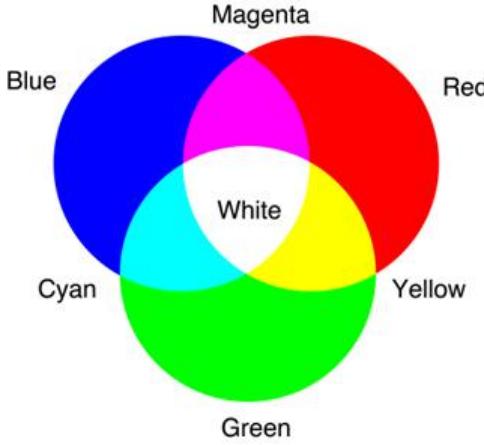
#### Disadvantage of Vector image

1. सेल का आकार उस Resolution को निर्धारित करता है, जिस पर डाटा का प्रतिनिधित्व किया जाता है।
2. इमेज को बड़ा करने पर Pixel कट जाते हैं और पिक्चर खराब हो जाती है।
3. इनमें बड़ी फाइल का आकार अधिक होता है।

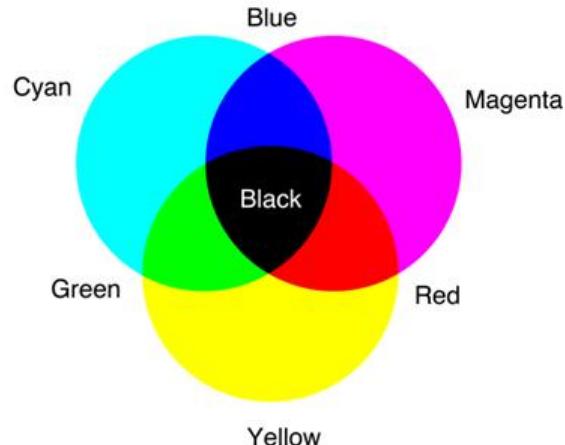
### What is Color Models?

Color model प्राइमरी रंगों के एक छोटे से सेट में से रंगों की एक पूरी रेंज तैयार करने का एक क्रमबद्ध सिस्टम होता है। कलर models दो तरह के होते हैं एक वह जो additive color होते हैं और दूसरे वह जो subtraction color होते हैं। additive color models लाइट का प्रयोग रंगों को डिस्प्ले करने के लिए करते हैं जबकि subtraction color model से प्रिंटिंग करने के लिए करते हैं। additive color models में जो color महसूस किए जाते हैं वह ट्रांसमिट की गई लाइट का परिणाम होते हैं जबकि subtraction models में दिखने वाले color Replaced लाइट के परिणाम होते हैं।

## Additive color



## Subtractive color



चूंकि additive color models ट्रांसमिट की गई लाइट के परिणाम स्वरूप रंगों को डिस्प्ले करते हैं। अतः लाइट की पूरी अनुपस्थिति को काला कहा जा सकता है। subtraction color models अवशोषित की गई लाइट के परिणाम स्वरूप रंगों को डिस्प्ले करते हैं और इनमें ink की प्रिंटिंग होती है। जैसे-जैसे ज्यादा ink जोड़ी जाती है कम से कम लाइट Replaced होती है। जब ink पूर्णतः अनुपस्थित हो जाती है तो सतह से Replaced होने वाली परिणामी लाइट को सफेद माना जाता है। प्रत्येक कलर डिस्प्ले सिस्टम किसी भी समय केवल सीमित संख्या में ही रंगों को हैंडल करने में सक्षम होते हैं। न्यूनतम क्षमता वाले सिस्टम भी किसी भी दी गई इमेज के लिए 16 अलग-अलग रंगों को दिखाने में समर्थ होते हैं। जबकि उच्च क्षमता वाले सिस्टम एक सिंगल स्क्रीन में ही 16 मिलियन रंगों या उससे अधिक रंगों को दिखाने में समर्थ होते हैं। मॉनिटर द्वारा हैंडल किए जा सकने वाले रंगों की कुल संख्या वीडियो कंट्रोलर कार्ड की मेमोरी क्षमता पर निर्भर होती है। यह कार्ड कंप्यूटर एवं डिस्प्ले डिवाइस के बीच इंटरफ़ेस की तरह कार्य करता है। इससे Video Random Access Memory (VRAM) के नाम से जाना जाता है।

कलर डिस्प्ले सिस्टम की पूरी की पूरी स्क्रीन छोटे-छोटे बिंदुओं से बनी होती है। जिन्हें पिक्सेल कहा जाता है। समय के किसी भी छोटे अंतराल में एक पिक्सेल द्वारा डिस्प्ले किए जाने वाले color Video Random Access Memory के कलर डेटा के रूप में स्टोर रहते हैं। इस तरह से रंगों की कुल संख्या जो सिस्टम द्वारा किसी भी संख्या डिस्प्ले से की जा सकती हैं कलर डेटा की मात्रा पर निर्भर करती है। जो Video Random Access Memory के भीतर स्टोर किया जा सकता है। Video Random Access Memory में प्रत्येक bit में स्टोर किए जाने वाले रंगों की संख्या वास्तव में सभी संभावित 0-1 कॉन्फिनेशन की कुल संख्या होती है। अंततः Video Random Access Memory में मेमोरी बिट्स की कुल संख्या जो कलर डाटा को स्टोर करने के लिए समर्पित होती है रंगों की कुल संख्या को निश्चित करती है जो किसी भी समय डिस्प्ले के लिए उपलब्ध होंगे।

स्क्रीन छोटे-छोटे बिंदुओं से बनी होती है। जिन्हें पिक्सेल कहा जाता है। किसी भी एक समय पर स्क्रीन पर ऐसे कई पिक्सेल होते हैं जिन्हें मॉनिटर का रिजोल्यूशन कहा जाता है।

कंप्यूटर मॉनिटर एकसेल का color आमतौर पर लाल, हरे एवं नीले एक मात्रा के रूप में व्यक्त किया जाता है। यह अधिक कंप्यूटर मेमोरी लेता है और इसकी प्रोसेसिंग स्पीड भी अधिक होती है ताकि लाल, हरे और नीले रंगों की वैल्यू के अधिक संयोजनों को मैनेज और डिस्प्ले किया जा सके, जो आंखों के लिए इश्यरंगों के ज्यादा से ज्यादा शेइस बनाता है।

models या तरीके जो computer terms के रूप में रंगों का निर्धारण करने के लिए प्रयुक्त होते हैं जैसे RGB, HSB, CMYK, CIE आदि।

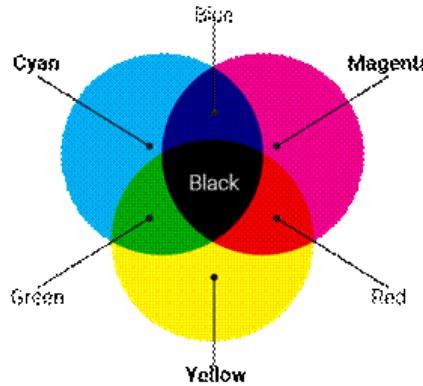
एक कलर model को परिभाषित करने का एक तरीका है दो या दो से अधिक प्राइमरी रंगों के सेट को निर्धारित करना। जो विभिन्न अन्य रंगों को बनाने के लिए मिलाए जाते हैं 3 प्राइमरी रंगों के साथ परिभाषित कॉमन कलर models हैं। RGB और CMYK MODELS। वीडियो मॉनिटर डिस्प्ले RGB model का प्रयोग करते हैं। जबकि हार्ड कॉपी डिवाइसेस CMYK model का प्रयोग करके कलर आउटपुट तैयार करते हैं। 24 bit RGB model का प्रयोग करके आप एक निर्धारित जिसमें लाल, हरे और नीले color का प्रत्येक परिणाम को एक वैल्यू का सेट किया जाता है जो 0 से लेकर 255 तक 256 choices की रेंज के अंदर होती है।

### Different types of Color Models

#### CMYK model

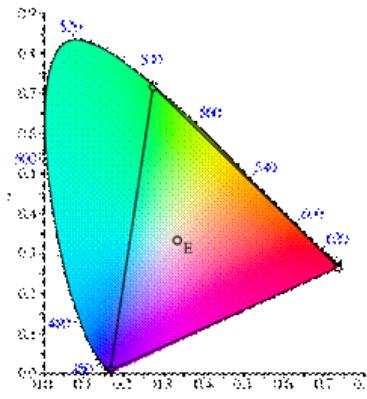
Cyan, magenta, yellow एवं black कलर model मल्टीमीडिया प्रोडक्शन में कम प्रयोग किया जाता है। यह model डेस्कटॉप पब्लिशिंग की प्रिंटिंग डिवाइस में ज्यादा प्रयोग होता है। यह कलर subtraction model है और यह केवल कलर प्रिंटिंग डिवाइस में ही सबसे ज्यादा प्रयोग में लाया जाता है।

# CMYK



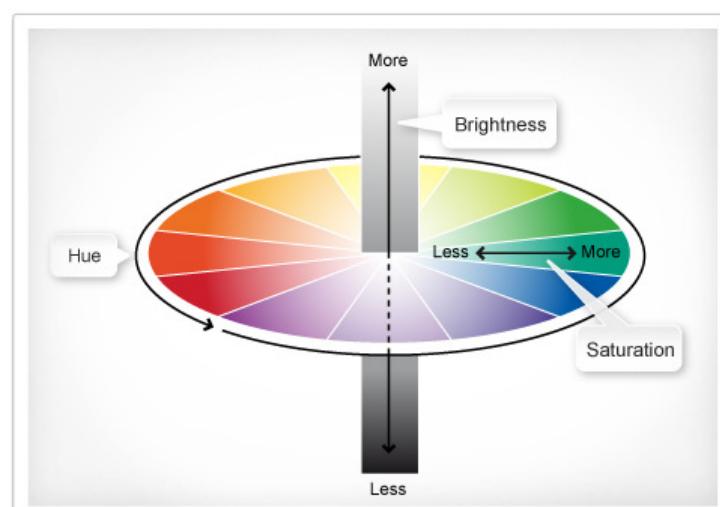
## Chromaticity model

Chromaticity model कलर वैल्यूज को frequency saturation एवं luminance के रूप में दर्शाता है। यह थी डायमेंशन model है जिसमें 2 डायमेंशन X और Y रंगों को परिभाषित करते हैं और तीसरा डायमेंशन luminance को परिभाषित करता है। यह एक additive model है क्योंकि x और y को जोड़कर अलग-अलग color बनाए जाते हैं। CIE model की तुलना मानव की रंगों को पहचानने की क्षमता से की जाती सकती हैं लेकिन कुछ डिवाइस जैसे स्कैनर इस प्रक्रिया को दोबारा तैयार करने में असमर्थ होते हैं।



## HSB एवं HSL

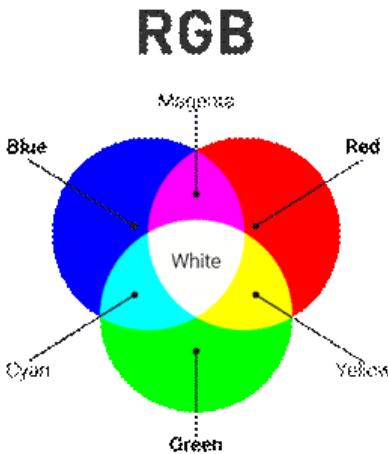
लाइट के स्रोतों को उनकी बेहतर frequency (या hue), ल्यूमिनेस (या brightness) एवं शुद्धता (या saturation) के रूप में वर्णित किया जाता है। कॉन्प्लमैटरी कलर स्रोत वह होते हैं जो मिलकर सफेद लाइट बनाते हैं। saturation color की गहराई होती है लाइटनेस या ब्राइटनेस किसी भी color में मिलाया गया काले या सफेद color का प्रतिशत होता है 100 प्रतिशत की lightness से सफेद color बनेगा 0% की lightness से काला और एक शुद्ध color में 50% lightness होती है।



HSB और HSL models में आप HUE या कलर व्हील पर 0 से 360 डिग्री के एंगल के रूप में दर्शाते हैं तथा saturation, brightness एवं lightness को प्रतिशत के रूप में

## RGB MODEL

टेलीविजन, मॉनिटर और कैमरा हार्डवेयर मैन्युफैक्चर ने RGB model को इमेज कैप्चर डिवाइसेस की डिजाइन के रूप में विकसित किया है। यह model addictive है, जिसमें लाल, हरे और नीले की अलग-अलग गहराइयाँ को मिलाकर विभिन्न color उत्पन्न किए जाते हैं। यह model इमेज प्रोसेसिंग के लिए ठीक नहीं है।



## YIQ, YUV और YCC MODEL

YIQ और YUV का विकास टीवी प्रसारण के लिए किया गया था। यह luminance and chrominance पर आधारित है जो एक वेब के एंप्लीट्यूड एवं फेज के रूप में व्यक्त की जाती है। YUV model subtraction model है। YUV model का प्रयोग फुल मोशन वीडियो में होता है। फोटो YCC को Kodak कंपनी ने विकसित किया था ताकि नेगेटिव स्लाइड्स एवं अन्य हार्ड कवालिटी इनपुट से डिजिटल कलर इमाजों का एक स्पष्ट प्रदर्शन करने के लिए परिभाषा प्रदान की जा सके।

## फोटोशॉप में इमेज साइज और रेजोल्यूशन कैसे बदलें

अगर हम किसी इमेज का साईज बदलना चाहते हैं, तब हमें यह समझना होगा कि इमेज का निर्माण किस प्रकार होता है? जब हम किसी इमेज को बहुत ज्यादा बड़ा (zoom) करके देखते हैं तो इमेज छोटे-छोटे वर्गाकार पिक्सल्स में दिखाई देती है, जिससे वह बनी होती है। फोटोशॉप इन पिक्सल्स का नियंत्रण ppi (pixel-per-inch) के द्वारा करता है। यहां पर ppi (pixel-per-inch) से तात्पर्य यह है कि प्रत्येक इंच में कुल कितने पिक्सल्स रहेंगे। इमेज में पिक्सल्स की संख्या इमेज का रेजोल्यूशन (resolution) होती है। सामान्यतः 300 ppi को ही इमेज की प्रिंटिंग के लिए पर्याप्त रेजोल्यूशन (resolution) माना जाता है। लेकिन इससे ज्यादा रेजोल्यूशन (resolution) भी रखा जा सकता है।

### इमेज साइज (Image Size and re-sampling)

फोटोशॉप में इमेज की साइज बदलने के लिए Image size (Image>image size) कमांड का प्रयोग करते हैं। Image size कमांड का प्रयोग फोटोशॉप के Image menu में जाकर करते हैं। इसके लिए shortcut key है Alt+Ctrl+I। Image size डायलाग बाक्स खुल जाने के बाद हम अपने इमेज की Document Size को बदल लेते हैं, फिर बाद में Resolution एवं pixels dimensions को देखते हैं। Image size डायलाग बाक्स में सभी चीजें इमेज साईज एवं रेजोल्यूशन से जुड़ी हुई हैं।

फोटोशॉप में आप अपनी आवश्यकतानुसार इमेज का साइज भी बदल सकते हैं। यहां Image Size कमांड से आप पिक्सेल की दिशाओं को बदल सकते हैं। इसके साथ ही प्रिंट व इमेज का रिजोल्यूशन भी बदल सकते हैं।

### जब आप इमेज साइज बदलें तब कॉपी पर कार्य करें (Work on a Copy When Changing Image Sizes)

इमेज का साइज बदलने से इमेज में कलर की जानकारी बदलती है। इसलिये आप इमेज का साइज चालीस बार बदलना चाहेंगे तथा सेव करेंगे जिससे आप तय कर सकें कि कौन सी बेहतर हैं। प्रत्येक समय इमेज शॉप जब इमेज बदलता है, तो ये पिक्सेल को जोड़ता या हटाता है। जिससे इमेज की किसी में कमी आती है।

### डाक्यूमेंट साइज (Document Size)

Document Size जो आप बदल रहे हो यह इमेज की फिजिकल साईज होती है। प्रोफेशनल लोग हमें इमेज की साईज को पिक्सल्स में मापते हैं, बाकी हमें से बहुत लोग इमेज की साईज को फिजिकल साईज से मापते हैं। यहां पर फिजिकल साईज से तात्पर्य है कि इमेज कौन सी साईज में प्रिंट होगा। Document Size के पैमाने की इकाई (unit) percent, Inch, Centimetres, Millimetres, Point, Columns में होती है। हम अपने अनुसार यूनिट चुन लेते हैं एवं इमेज की चौड़ाई (width) एवं ऊँचाई (Height) की वेल्यु बदल लेते हैं।

#### पिक्सल्स आयाम (Pixel Dimensions)

यह एरिया स्पष्ट करता है कि इसमें पिक्सल्स की संख्या निर्धारित होती है। जब हम Document Size (डाक्यूमेंट साईज) में वेल्यु डालते हैं तो Pixel Dimensions में लंबाई में एवं चौड़ाई में पिक्सल्स की संख्या प्रदर्शित होती है। यहां पर पिक्सल्स की संख्या डालकर भी इमेज की साईज बढ़ाई जा सकती है।

#### Resample Image (रिसैम्पल इमेज)

यदि हम इमेज के रिजोल्यूशन (Resolution) को स्थिर रखते हुए इमेज की फिजिकल साईज (Document Size) को बढ़ाना या कम करना चाहते हैं तो हमें Resample Image ऑप्शन को चुनना होगा। इससे इमेज की फिजिकल साईज को कम या ज्यादा कर सकते हैं लेकिन इमेज का रिजोल्यूशन (Resolution) स्थिर रहता है, जिससे इमेज की क्वालिटी बनी रहती है। Resample Image को चुनने के पश्चात नीचे एक Drop Down Menu प्रदर्शित होता है, उसमें विभिन्न Resampling option प्रदर्शित होते हैं। यदि हम इमेज की साईज छोटा करना चाहते हैं तो Bicubic Sharper option को चुनना होगा, यह स्वतः इमेज पर Sharpening Apply करता है जिससे इमेज छोटा होते हुए भी बहुत ही स्पष्ट दिखाई देता है। यदि हम इमेज की साईज बढ़ा रहे हैं तो Bicubic Smoother option को चुनना होगा। इसी प्रकार Drop Down Menu में और भी ऑप्शन हैं। जो ऑप्शन उचित लगता है उसे चुन लेते हैं।

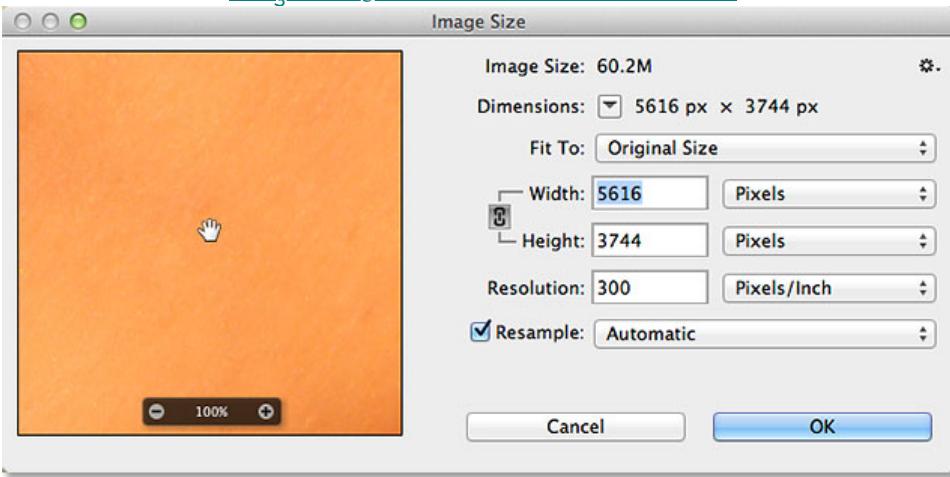
#### इमेज साइज बदलना ना कि रिजोल्यूशन (Changing Size, but not Resolution for Images)

1.

पहले साइज बदलने वाली सारी इमेज खोले (Ctrl + O)।

2.

चित्रानुसार Image Size डायलॉग बॉक्स स्क्रीन पर आयेगा।



3. ध्यान रखें कि Resample Image में चैक किया गया है। 'Resample Image' फोटोशॉप को ये निर्देश देता है कि जब भी इमेज का साइज बदला जाए, उसके रिजोल्यूशन में परिवर्तन ना हो। यदि आप इमेज को बड़ा करेंगे तो फोटोशॉप उसमें पिक्सेल जोड़ेगा। यदि आप इमेज को छोटा करेंगे तो फोटोशॉप उसमें से पिक्सेल हटाएगा।
4. 'Pixel Dimensions' में width में 200 तथा Height में भी 200 डालिए। वैल्यू को वर्तमान डायमेंशन के प्रतिशत में डालने के लिए यूनिट के मापक के तौर पर 'Percent' चुनिए।

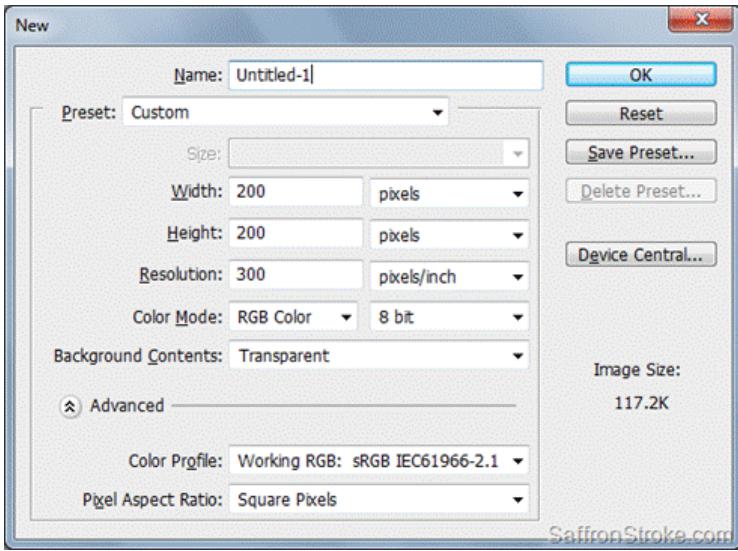
5.

अंत में Ok बटन पर क्लिक करें। नए साइज की इमेज आयगी।

#### रिजोल्यूशन (Resolution)

रिजोल्यूशन या DPI का अर्थ इमेज के प्रति इंच पर डॉट या पिक्सेल की संख्या है। रिजोल्यूशन बदलते समय फोटोशॉप इमेज के कठिन अल्गोरिदम को रन करता है जिससे ये पता चलता है कि किस प्रकार बदलना है। इमेज शॉप पिक्सेल को जोड़ने व घटाने का बढ़िया कार्य करता है परन्तु ये कोई जादू नहीं हैं। अधिकतर आप रिजोल्यूशन को कम या अधिक करीब 1/3 तक भर सकते हैं। इससे पहले कि इमेज पर वास्तव में प्रभाव पड़े।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में नयी इमेज क्रिएट करने के लिये File मेन्यू के New ऑप्शन को सिलेक्ट करके या की-बोर्ड पर Ctrl 'की' तथा N 'की' को एक साथ दबाने पर New डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।



1. इस डायलॉग बॉक्स में Name टैक्स्ट बॉक्स में Untitled -1 प्रदर्शित होता। इसमें क्रिएट की जाने वाली नई इमेज की फाइल का नाम टाइप किया जाता है। यदि यहां पर इमेज फाइल का नाम टाइप नहीं करते हैं, तो फोटोशॉप स्वतः ही इस फाइल का नाम Untitled -1 देता है।
2. New डायलॉग बॉक्स में Preset लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से क्रिएट की जाने वाली इमेज के लिये फोटोशॉप में पूर्वनिर्धारित आकारों में से वांछित आकार को सिलेक्ट किया जा सकता है।
3. New डायलॉग बॉक्स में Width टैक्स्ट बॉक्स में, Preset में अपने जो पेज का आकार चुना होगा उसके अनुसार इमेज की चौड़ाई दिखाई देने लगेगी। यदि आप इसमें परिवर्तन करते हैं तो Preset के सामने दिये गये बॉक्स में Custom option प्रदर्शित होने लगता है।
4. इमेज की चौड़ाई को set करने के लिए इसके आगे स्थित लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न इकाईयों की सूची में से वांछित इकाई को सिलेक्ट करके किया जाता है। इसी प्रकार New डायलॉग बॉक्स में Height टैक्स्ट बॉक्स में इमेज की वांछित Height और उसकी इकाई का निर्धारण किया जाता है।
5. जो इमेज तैयार की जा रही है उसका इमेज फाइल का रिजॉल्यूशन सेट करने के लिए इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है। रिजॉल्यूशन के लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित दो ऑप्शन्स – Pixels/inch एवं Pixels/cm में से वांछित ऑप्शन को सिलेक्ट करके किया जाता है।
6. क्रिएट की जाने वाली इमेज के कलर मोड को बदलने के लिए New डायलॉग बॉक्स में Color Mode लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित ऑप्शन्स में से किसी एक को सिलेक्ट करके किया जाता है। यदि क्रिएट की जाने वाली इमेज पर केवल सफेद एवं काले रंग में ही कार्य किया जाना है, तो इस सूची में स्थित पहले दो कलर मोड्स Bitmap और Grayscale में से किसी एक को सिलेक्ट किया जाता है। Bitmap मोड को सिलेक्ट करने पर केवल सफेद एवं काले रंग का ही प्रयोग किया जा सकता है, जबकि Grayscale मोड को सिलेक्ट करने पर सफेद एवं काले रंग के साथ-साथ इन दोनों रंगों के सम्मिश्रण का भी प्रयोग किया जा सकता है। लिस्ट में स्थित अन्य तीनों मोड्स को सिलेक्ट करके किसी भी प्रकार के रंग का प्रयोग इमेज पर किया जा सकता है। चूंकि इमेज को कलर मोड CYMK होने पर इसके लिये फोटोशॉप के सीमित फ़िल्टर्स ही उपलब्ध होते हैं, अतः इमेज फाइल का कलर मोड RGB निर्धारित किया जाना अधिक उपयुक्त रहता है।
7. क्रिएट की जाने वाली इमेज का बैकग्राउण्ड सेट करने के लिए New डायलॉग बॉक्स में Background Contents लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में स्थित तीन ऑप्शन्स में से किसी एक ऑप्शन को सिलेक्ट करके किया जाता है। White ऑप्शन को सिलेक्ट करने पर इमेज का बैकग्राउण्ड white दिखाई देता है। यदि क्रिएट की जाने वाली इमेज के बैकग्राउण्ड में कलर सेट करना है, तो दूसरे ऑप्शन Background Color को सिलेक्ट किया जाता है। इस सूची में से Transparent ऑप्शन को सिलेक्ट करने पर क्रिएट की जाने वाली इमेज का बैकग्राउण्ड पारदर्शी होती है।
8. सभी ऑप्शन सेट कर देने के बाद New डायलॉग बॉक्स में ok बटन पर क्लिक करके या Enter 'की' को दबाकर नयी इमेज फाइल एडोब फोटोशॉप में क्रिएट की जा सकती है।

## फाइल ब्राउजर का प्रयोग (Using the File Browser)

फाइल ब्राउजर से आप इमेज फाइलें देख सकते हैं, उन्हें सॉर्ट तथा प्रोसेस कर सकते हैं। हम फाइल ब्राउजर का प्रयोग कई कार्यों के लिए कर सकते हैं जैसे नए फोल्डर बनाना, नाम बदलना, मूव करना व फाइलें डिलीट करना, तथा इमेज घुमाना। हम फाइल की जानकारी को देख भी सकते हैं। इसके साथ ही डिजिटल कैमरा से डाटा इम्पोर्ट भी कर सकते हैं।

### फाइल ब्राउजर दर्शाना (Displaying the File Browser)

File – Browse Or Window – File Browser चुनिए। डिफॉल्ट रूप से फाइल ब्राउजर पैलेट वैल में दर्शाया जाता है। फाईल ब्राउजर को एक अलग विण्डो में दर्शाने के लिए पैलेट मेन्यू से show in separate window चुनिए।

### फाइल ब्राउजर पैलेट मेन्यू का प्रयोग (Using the File Browser Palette Menu).

पैलेट के ऊपर दायें कॉर्नर में त्रिभुज पर क्लिक करें। जिससे लेयर के साथ कार्य करने की कमांड ऐक्सेस पर पाएंगे। यदि पैलेट को पैलेट वैल में डॉक किया गया हो, तो पैलेट टैब पर त्रिभुज (triangle) पर क्लिक करें।

### फाइल ब्राउजर में नैविगेट करना (Navigating into a file browser).

फोल्डर के तत्व (Element) देखने के लिए उस पर डबल क्लिक करें। पैलेट के दायें ओर फोल्डर डिस्प्ले करने या छिपाने के लिए पैलेट मेन्यू से Show folders चुनें। एक चेक मार्क का अर्थ है कि फोल्डर दिखाए जा रहे हैं।

### फाइल का डिस्प्ले बदलना (Change the file's display).

पैलेट मेन्यू से thumbnail display ऑप्शन चुनें या फाइल ब्राउजर के नीचे View By Popup Menu पर क्लिक करें तथा display ऑप्शन चुनिए।

### फाइलों को सॉर्ट करना (Sorting Files).

फाइल ब्राउजर के नीचे से sort by pop-up menu पर क्लिक करें तथा चित्रानुसार sorting ऑप्शन चुनिए (Ascending order)।

### फाइलों को नम्बर देना (Ranking Files).

फाइलों को नम्बर देने का अर्थ है कि अपनी इच्छानुसार फाइलों को सॉर्ट करना। नम्बर देने के लिए Large thumbnail चुनें जिसके साथ Rank display ऑप्शन हो, Rank फील्ड पर क्लिक करें, एक अक्षर टाइप करें तथा Enter दबाएँ। इसके अलावा आप thumbnail पर दायें तरफ क्लिक करें context मेन्यू से rank भी चुन सकते हैं।

नोट :- मल्टीपल फाइलों को नम्बर देने के लिए Multiple thumbnails सिलेक्ट करें तथा context मेन्यू से rank चुनिए।

### फाइल की जानकारी दर्शाना (Displaying File Information).

फाइल ब्राउजर के नीचे File Information पॉप-अप मेन्यू पर क्लिक करें तथा इनमें से एक सिलेक्ट करें –

### All – फाइल की सारी इमेज जानकारी देखने के लिए।

**EXIF** – अपने डिजिटल कैमरा से इम्पोर्ट की गई इमेज की जानकारी देखने के लिए।

### फाइलों को सिलेक्ट या डीसिलेक्ट करना (Selecting and Deselecting Files).

पैलेट के दायें ओर फाइल सिलेक्ट करने के लिए Shift + Click करें। वर्तमान फोल्डर में सभी फाइलें सिलेक्ट करने के लिए पैलेट मेन्यू से Select All चुनें। सभी फाइलें डीसिलेक्ट करने के लिए पैलेट मेन्यू से Deselect All चुनिए।

### फाइलें खोलना (Opening Files).

जो फाइल या एक से ज्यादा फाइलें आप चाहते हैं, उन्हें सिलेक्ट करें तथा निम्न में से एक करें :-

- **फाइल सिलेक्ट कीजिए** तथा की-बोर्ड से enter की दबाएँ। Remove term: How to use file browser in page maker How to use file browser in page maker

सिलेक्ट की गई फाइल पर डबल क्लिक करें।

फाइल या फाइलों को फाइल ब्राउजर के बाहर इंग करें।

पैलेट मेन्यू से Open चुनिए।

- पैलेट के दायीं ओर फाइल के नाम या फॉल्डर के नाम पर क्लिक करें, या एक फाइल या फॉल्डर को सिलेक्ट करें तथा पैलेट मेन्यू से Rename चुनें।
- फिर एक नया नाम टाइप करें तथा की-बोर्ड पर Enter दबाएँ।

**नोट :** अगले फाइल के नाम पर जाने के लिए Tab दबाएँ। पिछले फाइल के नाम पर जाने के लिए Shift + Tab दबाएँ।

फाइलें डिलीट करना (Deleting Files)

सबसे पहले उन फाइलों का चयन करें जिन्हें आप हटाना चाहते हैं, और निम्न में से कोई एक कार्य करें-

- Trash बटन पर क्लिक करें
- फाइलों को Trash बटन पर drag करें।
- डिलीट की दबाएँ।
- Delete form ऑप्शन को palette menu से सेलेक्ट कीजिए।

नया फॉल्डर बनाना (Creating New Folders)

- पैलेट मेन्यू से new folder चुनिए।
- फिर फाइल ब्राउजर के नीचे नया फॉल्डर प्रदर्शित होगा, जिसका नाम Untitled Folder है।
- अर्थपूर्ण नाम टाइप करके की-बोर्ड से Enter दबाएँ।

फाइलों को कॉपी व मूव करना (Moving and Copying files)

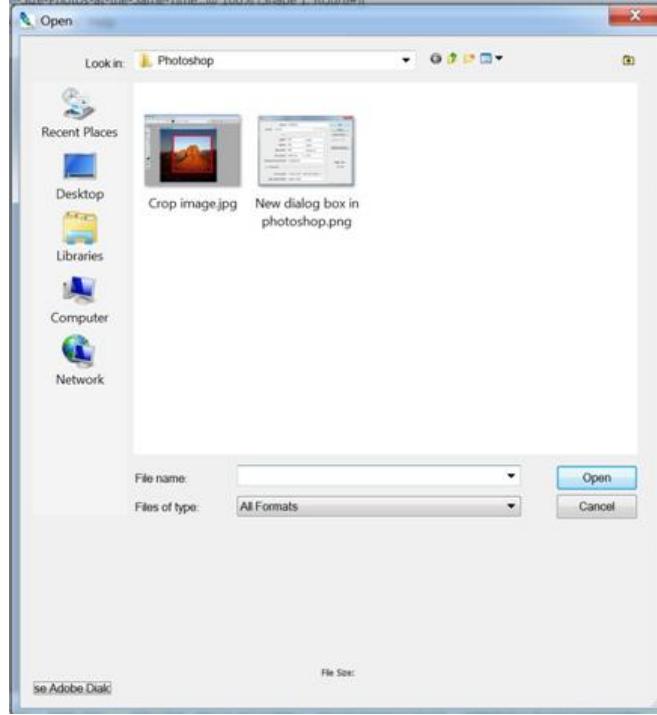
फाइल को मूव करने के लिए दूसरे फॉल्डर में ड्रॉग करें तथा फाइल को कॉपी करने के लिए इसे दूसरे फॉल्डर में Alt + Drag करें।

### How to open image in Photoshop

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में किसी इमेज (Image) को खोलने के लिये Open option का use किया जाता है किसी भी फाइल को ओपन करने के लिए निम्न तरीके हैं

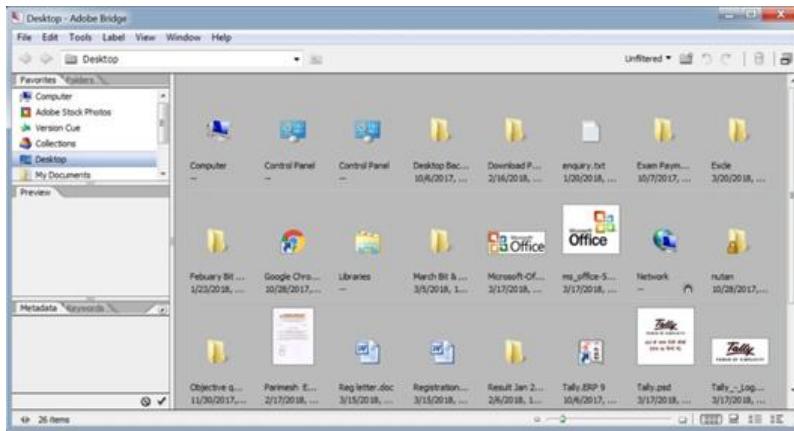
- File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।
- File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।
- File मेन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है, कि यह इमेज फाइल फोटोशॉप में ही बनाई गई अनेक Image प्रकार की इमेज फाइल्स को खोला जा सकता है।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग करके या Ctrl 'की' और O 'की' को एक साथ दबाने पर प्रदर्शित होने वाले Open डायलॉग बॉक्स में Look in लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली List में से वांछित फॉल्डर को सिलेक्ट किया जा सकता है। अब इस फॉल्डर में स्थिर फाइल्स (Files) की प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में से वांछित इमेज फाइल को सिलेक्ट करने पर उसका File name टैक्स्ट बॉक्स में प्रदर्शित होता है और इस फाइल का आकार एवं इमेज का Preview इस डायलॉग बॉक्स में नीचे की ओर प्रदर्शित होता है।



इस डायलॉग बॉक्स में files of type लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में एडोब फोटोशॉप द्वारा खोली जा सकने वाली फाइल्स के प्रकार प्रदर्शित होते हैं। यदि किसी विशेष प्रकार की फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) को खोला जाना हैं, तो इस सूची में उस विशेष प्रकार को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में केवल इसी प्रकार की फाइल्स की ही सूची प्रदर्शित होती हैं। इस सूची के अन्तिम ऑप्शन All Formats को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में सभी फाइल्स की सूची प्रदर्शित होती हैं, भले ही वे फोटोशॉप में खोली जा सकती हैं या नहीं। वांछित फाइल को सिलेक्ट करके कमाण्ड बटन Open पर क्लिक करने पर यह फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खुल जाती हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग करने या की-बोर्ड पर Alt, Ctrl तथा O तीनों 'कीज' को एक साथ दबाने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Adobe Bridge एप्लीकेशन विंडो प्रदर्शित होती हैं।



इस विंडो में मेन्यू बार के नीचे स्थित लिस्ट बॉक्स के स्थित डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता हैं, जिसमें खोली जाने वाली इमेज फाइल स्थित हैं। अब इस फोल्डर में स्थिर फाइल्स का प्रदर्शन इस विंडो में थम्बनेल्स (Thumbnails) के रूप में होता हैं। इनमें से वांछित फाइल को सिलेक्ट करने पर उस फाइल का प्रिव्यू इस विंडो में Preview पैलेट में इस फाइल के बारे में मेटाडेटा का प्रदर्शन Metadata पैलेट में होता हैं। अब सिलेक्ट की गयी फाइल को एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खोलने के लिये एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) के File मेन्यू के Return to Adobe Photoshop CS2 ऑप्शन को सेलेक्ट करने पर या इस इमेज फाइल पर डबल क्लिक करने पर यह इमेज फाइल फोटोशॉप में खुल जाती हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पैलेट वैल (Palette Well) से प्रदर्शित होने वाले Go To Bridge पर क्लिक करके भी एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) को खोला जा सकता है।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी फाइल जो कि सीधे-सीधे फोटोशॉप में नहीं खोली जा सकती हैं, तो फोटोशॉप में खोली जा सकने वाली फाइल्स में परिवर्तित करके खोलने के लिये किया जाता है। कभी-कभी कार्य करते समय

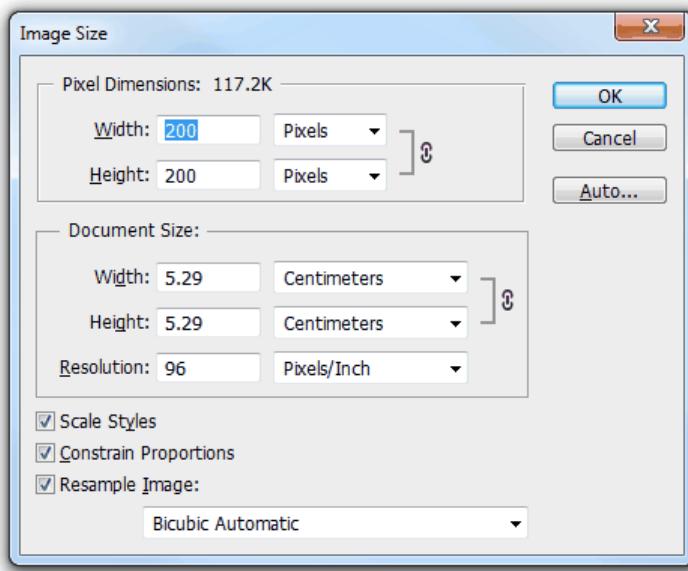
## Image menu of Photoshop

Photoshop में इमेज में सुधार करने से सम्बंधित कार्य करने के लिए इमेज मेनू का प्रयोग किया जाता है इमेज मेनू के द्वारा इमेज में कई कार्य आसानी से किये जा सकते हैं जैसे इमेज का कलर बदलना, इमेज के आकार को बदलना, ब्राइटनेस कम या ज्यादा करना, कलर बैलेंस सेट करना आदि।

*On screen image का साइज़ बदलना*

फोटोशॉप में एक ही बार में पूरी इमेज के लिए कंप्यूटर मॉनिटर पर इमेज का आकार बदला जा सकता है

- सबसे पहले मेनू बार में इमेज मेनू पर क्लिक करें।
- इसके बाद इमेज साइज़ पर क्लिक करें, इमेज साइज़ पर क्लिक करते ही आपके सामने image size dialog box open हो जायेगा।



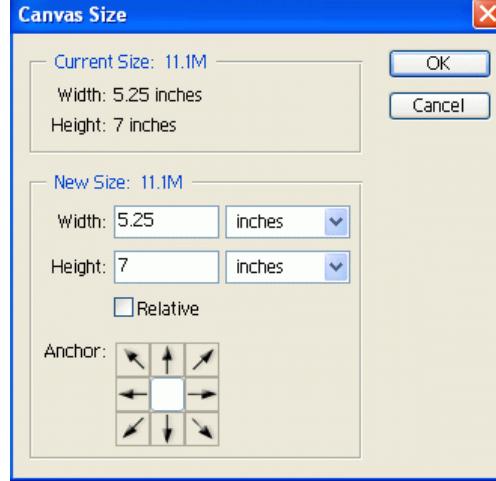
- Dimension बदलने के लिए width, height टाइप करें।
- यह याद रखे की Resample image विकल्प को चालू रखा जाये।
- इसके बाद ok पर क्लिक करें।
- ऐसा करने पर फोटोशॉप इमेज को resize कर देगा।

नोट – एक छोटी इमेज के बजाय एक बड़ी इमेज के साथ काम करें छोटी इमेज को बड़ा करने पर इमेज की digitability खत्म हो जाती है।

इमेज का कैनवास साइज़ बदलना

इमेज के कैनवास आप्शन का प्रयोग इमेज के वर्गाकार आकार को बदलने के लिए किया जाता है इससे इमेज का साइज़ बदल जाता है।

- सबसे पहले मेनू बार में इमेज मेनू पर क्लिक करें।
- इसके बाद canvas size को सिलेक्ट करें।
- canvas size पर क्लिक करते ही आपके सामने canvas size dialog box open हो जायेगा।

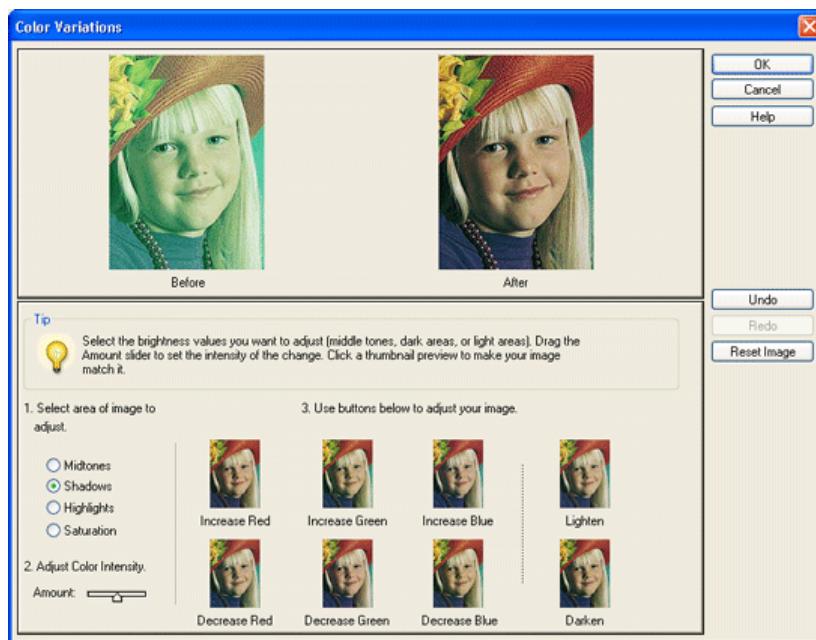


- नए डायलॉग बॉक्स में Dimension सेट करें
- इसके बाद एंकर पॉइंट में एंकर सेलेक्ट करें
- Ok पर क्लिक करें
- फोटोशॉप इमेज के कैनवास साइज को बदल देगा (कैनवास इमेज के दोनों साइड को परिवर्तित कर देगा जो सेलेक्ट किये गए एंकर पॉइंट पर आधारित होगा).

कलर वेरिएशन सेट करना

फोटोशॉप इमेज कलर एडजस्ट करने के लिए एक वेरिएशन कमांड देता है जिसके द्वारा इमेज को कई रंगों में देख सकते हैं।

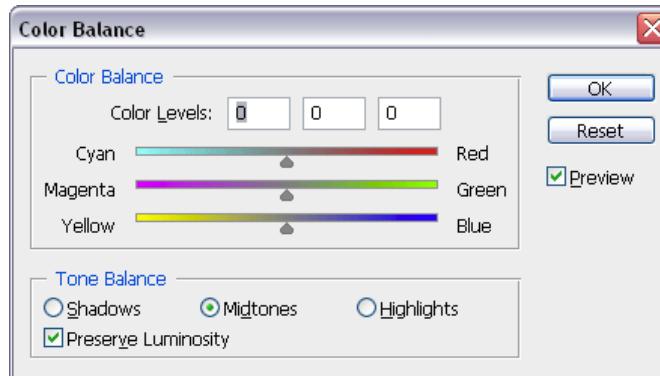
- Color variation के लिए मेनू बार में इमेज मेनू पर क्लिक करें
- यहाँ आपको adjustment आप्शन दिखाई देगा जिसे सेलेक्ट करें
- इसके बाद कलर वेरिएशन आप्शन को सेलेक्ट करें



- वेरिएशन विंडो में अलग अलग टोन्स दिए गए हैं इच्छानुसार टोन रेडियो बटन पर क्लिक करें।
- कम एडजस्टमेंट करने के लिए स्लाइडर को बाए तथा ज्यादा एडजस्टमेंट के लिए दाये खिसकाए।
- इमेज में कलर डालने के लिए वेरिएशन की अन्य इमेज के more color पर क्लिक करें
- करंट पिक थम्बनेल में वर्तमान कलर परिणाम नजर आएगा
- इमेज की ब्राइटनेस को बढ़ाने के लिए लाइटर आप्शन का प्रयोग करें तथा ब्राइटनेस को कम करने के लिए डार्कर पर क्लिक करें।
- Ok पर क्लिक करें
- कलर बैलेंस सेट करना

फोटोशॉप में कलर बैलेंस इमेज की मात्रा को निर्धारित करने के काम आता है।

- मैनू बार में इमेज पर क्लिक करें।
- Adjustment पर क्लिक करें।
- कलर बैलेंस पर क्लिक करें।
- कलर बैलेंस पर क्लिक करते ही आपके सामने कलर बैलेंस dialog box open हो जायेगा।

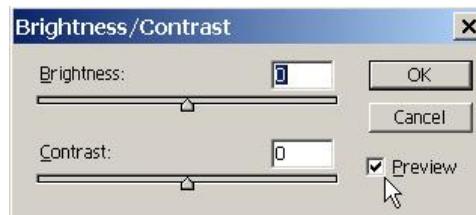


- कलर बैलेंस डायलोग बॉक्स से कलर भरने के लिए tone रेडियो बटन पर क्लिक करें।
- कलर एडजस्ट करने के लिए स्लाइडर को ड्रैग करे या कलर लेवल में .100 से 100 तक नंबर डाले।
- OK पर क्लिक करें।

ब्राइटनेस और कंट्रास्ट सेट करना

फोटोशॉप में ब्राइटनेस और कंट्रास्ट का आप्शन इमेज के लुक्स को बढ़ाता है।

- मैनू बार में इमेज पर क्लिक करें।
- Adjustment पर क्लिक करें।
- ब्राइटनेस या कंट्रास्ट पर क्लिक करने पर एक डायलोग बॉक्स स्क्रीन पर आ जायगा।

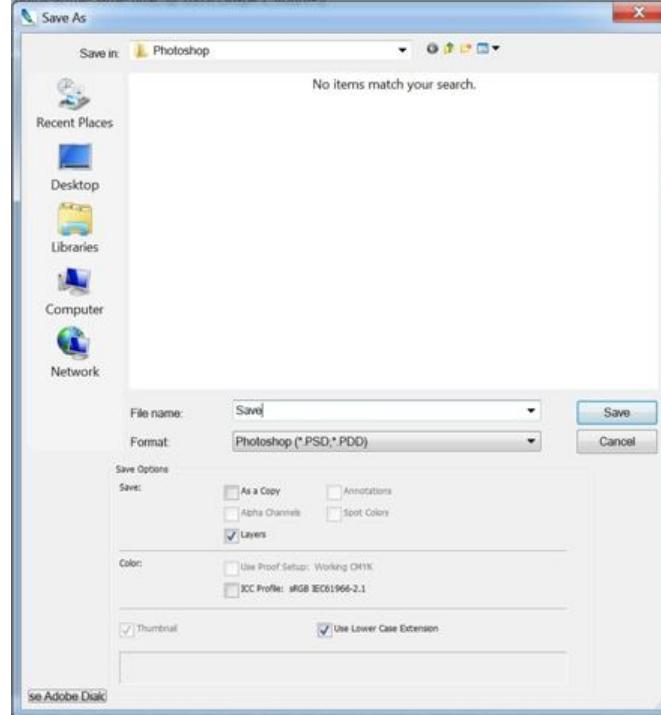


- इमेज को ब्राइटनेस देने के लिए ब्राइटनेस स्लाइडर को राईट ड्रैग या लेफ्ट में ड्रैग कर डाकेनेस दें।
- कंट्रास्ट बढ़ाने के लिए कंट्रास्ट स्लाइडर को राईट ड्रैग करे या लेफ्ट ड्रैग करें।
- OK पर क्लिक करें।

## How to save image in Photoshop

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में इमेज पर किये गये कार्य को सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) करने लिए Save option का use किया जाता है। इसे प्रयोग करने के लिए File मेन्यू के Save ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है। की-बोर्ड पर Ctrl 'की' और S 'की' को एक साथ दबाकर भी इमेज पर किये कार्य को सेव (Save) किया जा सकता है।

यदि किसी ऐसी फाइल पर कार्य किया जा रहा है, जिसे एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पहले ही सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) किया जा चुका है, तो उपरोक्तानुसार इमेज फाइल को सेव (Save) करने पर इसमें किये गये परिवर्तन तुरन्त ही सेव (Save) हो जाते हैं, परन्तु यदि किसी नयी इमेज पर कार्य किया जा रहा है, तो इस पर किये गये कार्य को उपरोक्तानुसार सेव (Save) करने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Save as डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।



1. इस डायलॉग बॉक्स का प्रयोग वर्तमान में दिखाई जाने वाली इमेज फाइल को किसी अन्य नाम अथवा फॉरमेट में सुरक्षित करने के लिये किया जाता है। एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू में स्थित Save As ऑप्शन का प्रयोग करने पर भी मॉनीटर स्क्रीन पर Save As डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।

2. इस डायलॉग बॉक्स में Look In लिस्ट बॉक्स में उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता है, जिसमें इस इमेज फाइल को सेव (Save) किया जाना है। File Name टैक्स्ट बॉक्स में इमेज फाइल का नाम टाइप किया जाता है। इस डायलॉग बॉक्स में Format लिस्ट बॉक्स में इस इमेज फाइल का वर्तमान फॉरमेट प्रदर्शित होता है, यदि इसे किसी अन्य फॉरमेट में सेव (Save) किया जाना है, तो Format लिस्ट बॉक्स को डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न फॉरमेट्स की सूची में से वांछित फॉरमेट को सिलेक्ट करके फाइल का फॉरमेट भी बदला जा सकता है।

3. इस डायलॉग बॉक्स में स्थित चैक बॉक्स as a copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy शब्द जुड़ जाता है, के रूप में सेव (Save) हो जाती है। यदि इस ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी इमेज फाइल के लिये किया जा रहा है, जिसमें एक से अधिक लेयर्स का प्रयोग किया गया है, तो Photoshop फॉरमेट के अतिरिक्त किसी अन्य फॉरमेट में इस इमेज की प्रति बनाने पर सभी लेयर्स मर्ज होकर एक ही लेयर में परिवर्तित हो जाती है।

4. इस डायलॉग बॉक्स में वांछित निर्धारण करने के बाद कमाण्ड बटन Save पर क्लिक करके वर्तमान इमेज फाइल को नये नाम से नये फॉरमेट में सेव (Save) किया जा सकता है।

### Photoshop Work area (फोटोशॉप का वर्क एरिया)

फोटोशॉप में डिजिटल इमेज को खोलने तथा एडिट करने के लिए tools group, menu command तथा pallets के फंक्शन को मुख्यतः प्रयोग किया जाता है।

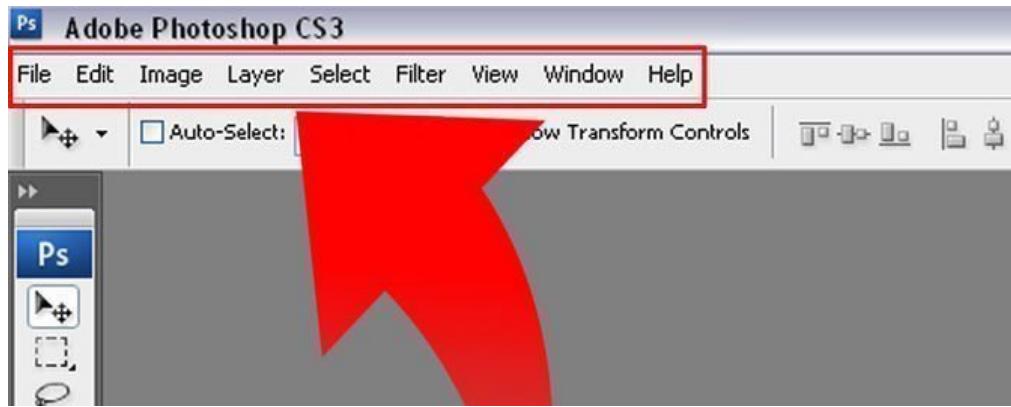
- Title bar
- Menu bar
- Option bar
- Tool box
- pallets

#### Title bar

फोटोशॉप की विंडो में सबसे ऊपर दिखाई देने वाली बार को टाइटल बार कहा जाता है, इस बार में सॉफ्टवेर का टाइटल दिखाई देता है और right side तीन कंट्रोल बटन होते हैं minimize, maximize, close button.

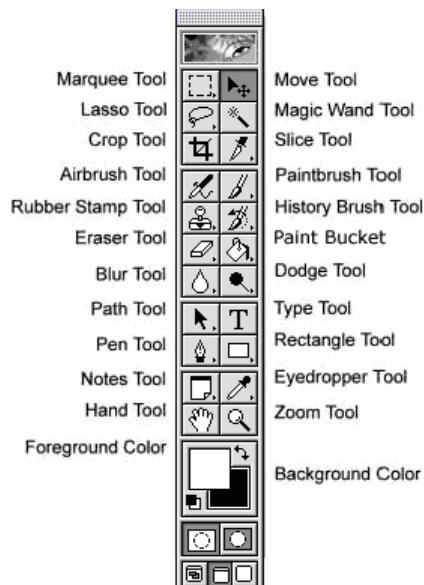
#### Menu bar –

मेनू बार का प्रयोग मेनू डिस्प्ले करने के लिए किया जाता हैं जिसमे फोटोशोप के कमांड शामिल हैं जैसे file menu, edit menu, view menu, image menu आदि। इन मेनू के अन्दर sub menu होते हैं जिनसे इमेज पर आसानी से कार्य किया जा सकता हैं।



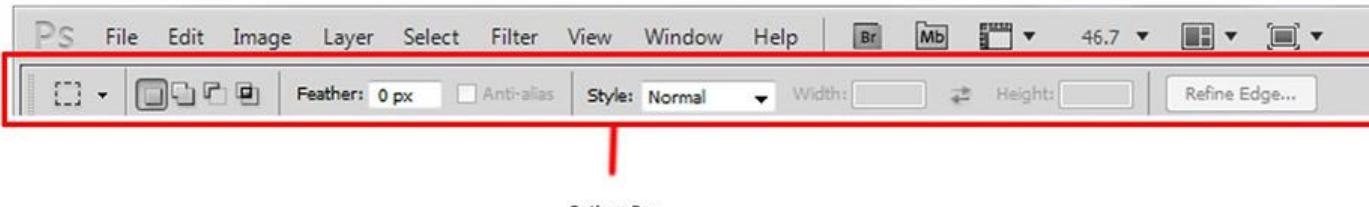
Tool box -

यह अलग अलग तरह के आइकॉन को दर्शाता हैं जिसके प्रत्येक टूल का प्रयोग इमेज को विभिन्न तरीकों से आकर्षक बनाने के लिए किया जाता है।



Option bar

यह उन कंट्रोल्स को दिखाता हैं जिसमे टूल बॉक्स द्वारा सिलेक्ट किये गए टूल को कस्टमाइज किया जाता है। हम टूल बॉक्स से जो भी टूल सेलेक्ट करते हैं उसकी टूल की प्रोपर्टी आप्शन बार में दिखाई देने लगती हैं जिससे आप उस टूल को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं।



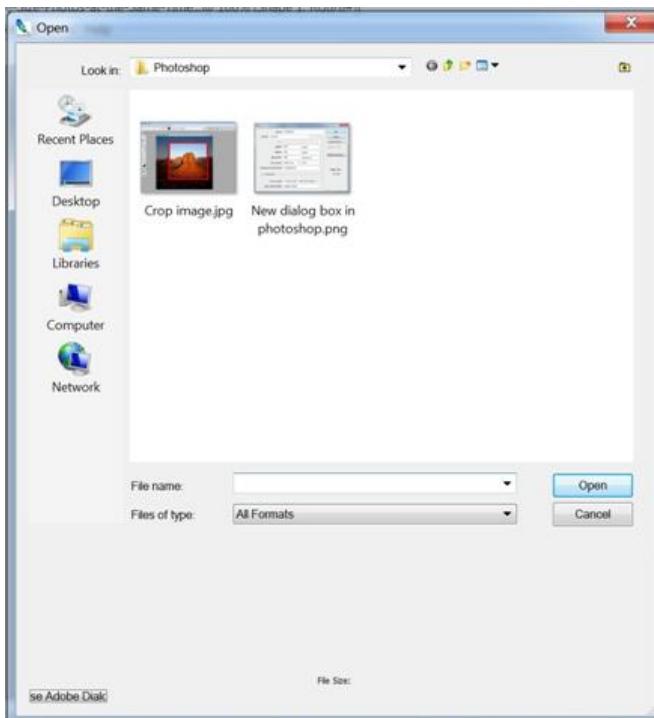
Task bar -

फोटोशोप की विंडो में सबसे नीचे की बार को टास्क बार कहा जाता हैं इसमें left side, start button दिखाई देता हैं वह प्रोग्राम दिखाई देते हैं जिन पर कार्य किया जा रहा हैं और right side, icon tray होती हैं जिसमे date, time, volume, network आदि दिखाई देते हैं।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में किसी इमेज (Image) को खोलने के लिये Open option का use किया जाता हैं किसी भी फाइल को ओपन करने के लिए निम् तरीके हैं

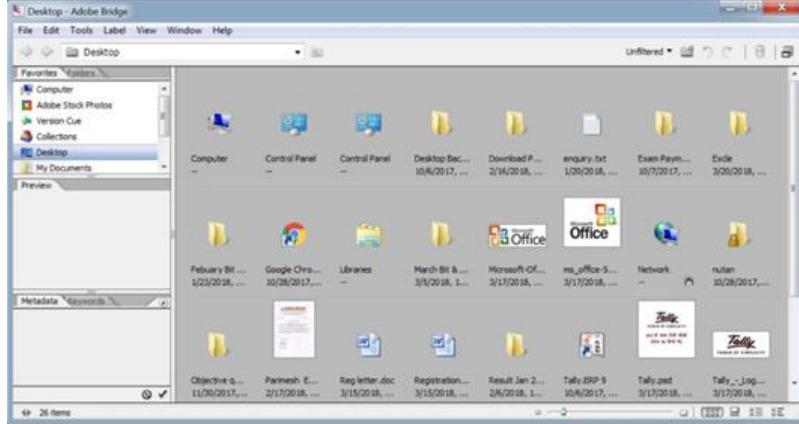
1. File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।
2. File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है।
3. File मेन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं हैं, कि यह इमेज फाइल फोटोशॉप में ही बनाई गई अनेक Image प्रकार की इमेज फाइल्स को खोला जा सकता है।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Open ऑप्शन का प्रयोग करके या Ctrl 'की' और O 'की' को एक साथ दबाने पर प्रदर्शित होने वाले Open डायलॉग बॉक्स में Look in लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली List में से वांछित फोल्डर को सिलेक्ट किया जा सकता हैं। अब इस फोल्डर में स्थिर फाइल्स (Files) की प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में से वांछित इमेज फाइल को सिलेक्ट करने पर उसका File name टैक्स्ट बॉक्स में प्रदर्शित होता हैं और इस फाइल का आकार एवं इमेज का Preview इस डायलॉग बॉक्स में नीचे की ओर प्रदर्शित होता हैं।



इस डायलॉग बॉक्स में files of type लिस्ट बॉक्स के डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली लिस्ट में एडोब फोटोशॉप द्वारा खोली जा सकने वाली फाइल्स के प्रकार प्रदर्शित होते हैं। यदि किसी विशेष प्रकार की फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) को खोला जाना है, तो इस सूची में उस विशेष प्रकार को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में केवल इसी प्रकार की फाइल्स की ही सूची प्रदर्शित होती हैं। इस सूची के अन्तम ऑप्शन All Formats को सिलेक्ट करने पर इस डायलॉग बॉक्स में सभी फाइल्स की सूची प्रदर्शित होती हैं, भले ही वे फोटोशॉप में खोली जा सकती हैं या नहीं। वांछित फाइल को सिलेक्ट करके कमाण्ड बटन Open पर क्लिक करने पर यह फाइल एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खुल जाती है।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू के Browse ऑप्शन का प्रयोग करने या की-बोर्ड पर Alt, Ctrl तथा O तीनों 'कीज' को एक साथ दबाने पर मॉनीटर स्क्रीन पर Adobe Bridge एप्लीकेशन विंडो प्रदर्शित होती हैं।



इस विंडो में मैन्यू बार के नीचे स्थित लिस्ट बॉक्स के स्थित डाउन एरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली सूची में से उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता हैं, जिसमें खोली जाने वाली इमेज फाइल स्थित हैं। अब इस फोल्डर में स्थिर फाइल्स का प्रदर्शन इस विंडो में थम्बनेल्स (Thumbnails) के रूप में होता हैं। इनमें से वांछित फाइल को सिलेक्ट करने पर उस फाइल का प्रिव्यू इस विंडो में Preview पैलेट में इस फाइल के बारे में मेटाडेटा का प्रदर्शन Metadata पैलेट में होता हैं। अब सिलेक्ट की गयी फाइल को एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में खोलने के लिये एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) के File मैन्यू के Return to Adobe Photoshop CS2 ऑप्शन को सेलेक्ट करने पर या इस इमेज फाइल पर डबल क्लिक करने पर यह इमेज फाइल फोटोशॉप में खुल जाती हैं।

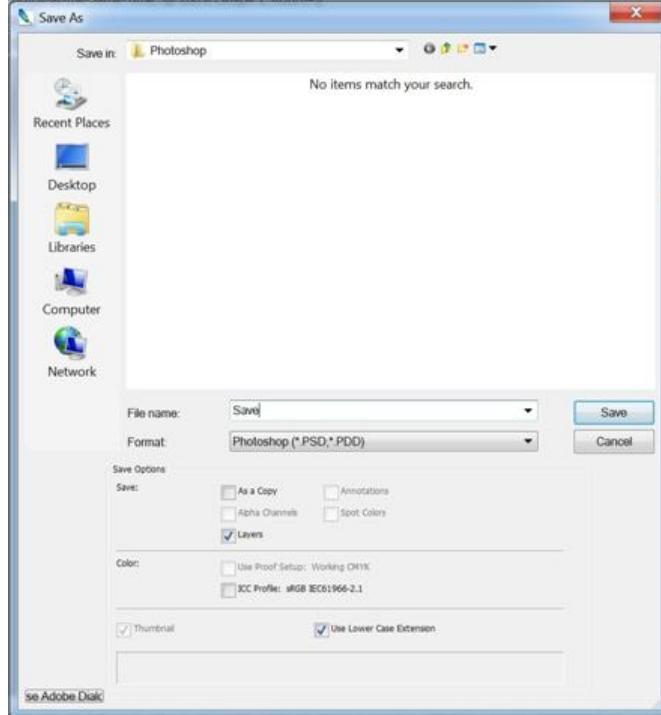
एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पैलेट वैल (Palette Well) से प्रदर्शित होने वाले Go To Bridge पर क्लिक करके भी एडोब ब्रिज (Adobe Bridge) को खोला जा सकता है।

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मैन्यू के Open As ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी फाइल, जो कि सीधे-सीधे फोटोशॉप में नहीं खोली जा सकती हैं, तो फोटोशॉप में खोली जा सकने वाली फाइल्स में परिवर्तित करके खोलने के लिये किया जाता हैं। कभी-कभी कार्य करते समय दृष्टिनावश फाइल्स क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसी फाइल्स को खोलने के लिये इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है।

### How to save image in Photoshop (इमेज को सेव करना)

एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में इमेज पर किये गये कार्य को सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) करने लिए Save option का use किया जाता है इसे प्रयोग करने के लिए File मैन्यू के Save ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है। की-बोर्ड पर Ctrl 'की' और S 'की' को एक साथ दबाकर भी इमेज पर किये कार्य को सेव (Save) किया जा सकता है।

यदि किसी ऐसी फाइल पर कार्य किया जा रहा है, जिसे एडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop) में पहले ही सुरक्षित अर्थात् सेव (Save) किया जा चुका है, तो उपरोक्तानुसार इमेज फाइल को सेव (Save) करने पर इसमें किये गये परिवर्तन तुरन्त ही सेव (Save) हो जाते हैं, परन्तु यदि किसी नयी इमेज पर कार्य किया जा रहा है, तो इस पर किये गये कार्य को उपरोक्तानुसार सेव (Save) करने पर मॉनिटर स्क्रीन पर Save as डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।



1. इस डायलॉग बॉक्स का प्रयोग वर्तमान में दिखाई जाने वाली इमेज फाइल को किसी अन्य नाम अथवा फॉरमेट में सुरक्षित करने के लिये किया जाता है। एडोबे फोटोशॉप (Adobe Photoshop) के File मेन्यू में स्थित Save As ऑप्शन का प्रयोग करने पर भी मॉनीटर स्क्रीन पर Save As डायलॉग बॉक्स प्रदर्शित होता है।

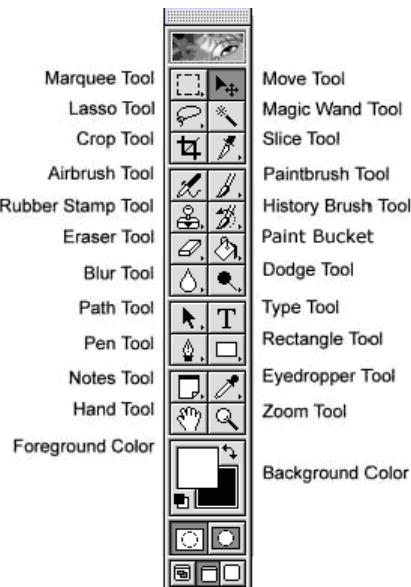
2. इस डायलॉग बॉक्स में Look In लिस्ट बॉक्स में उस फोल्डर को सिलेक्ट किया जाता है, जिसमें इस इमेज फाइल को सेव (Save) किया जाना है। File Name टैक्स्ट बॉक्स में इमेज फाइल का नाम टाइप किया जाता है। इस डायलॉग बॉक्स में Format लिस्ट बॉक्स में इस इमेज फाइल का वर्तमान फॉरमेट प्रदर्शित होता है, यदि इसे किसी अन्य फॉरमेट में सेव (Save) किया जाना है, तो Format लिस्ट बॉक्स को डाउन ऐरो पर क्लिक करने पर प्रदर्शित होने वाली विभिन्न फॉरमेट्स की सूची में से वांछित फॉरमेट को सिलेक्ट करके फाइल का फॉरमेट भी बदला जा सकता है।

3. इस डायलॉग बॉक्स में स्थित चैक बॉक्स as a copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy को सिलेक्ट करने से वर्तमान इमेज की एक नयी इमेज फाइल, जिसके नाम में वर्तमान इमेज फाइल के नाम के बाद Copy शब्द जुड़ जाता है, के रूप में सेव (Save) हो जाती हैं। यदि इस ऑप्शन का प्रयोग किसी ऐसी इमेज फाइल के लिये किया जा रहा है, जिसमें एक से अधिक लेयर्स का प्रयोग किया गया है, तो Photoshop फॉरमेट के अतिरिक्त किसी अन्य फॉरमेट में इस इमेज की प्रति बनाने पर सभी लेयर्स मर्ज होकर एक ही लेयर में परिवर्तित हो जाती हैं।

4. इस डायलॉग बॉक्स में वांछित निर्धारण करने के बाद कमाण्ड बटन Save पर क्लिक करके वर्तमान इमेज फाइल को नये नाम से नये फॉरमेट में सेव (Save) किया जा सकता है।

## Photoshop Tools (फोटोशॉप के ट्रूल्स )

एडोब फोटोशॉप पर कार्य करने के लिए विभिन्न प्रकार के ट्रूल्स होते हैं इन ट्रूल्स को जिस जगह पर व्यवस्थित रखा जाता है उसे ट्रूलबॉक्स कहते हैं इन ट्रूल्स की मदद से हम फोटोशॉप में कई प्रकार के कार्य कर सकते हैं जैसे फोटो को सिलेक्ट करना, फोटो को साफ़ करना, क्रॉप करना, कलर चेंज करना, ब्लर करना आदि



## SELECTION TOOL

इस ट्रूल का प्रयोग इमेज को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस ट्रूल के द्वारा हम इमेज के किसी भी हिस्से को सिलेक्ट कर सकते हैं यह चार प्रकार के होते हैं

Rectangular Marquee tool

Elliptical marquee tool

Single row tool

Single column tool

Rectangular Marquee tool – Rectangular Marquee tool का प्रयोग इमेज के आयताकार भाग को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है इस ट्रूल पर क्लिक करते ही माउस का पॉइंटर चेंज हो जाता है माउस पॉइंटर को इमेज पर सिलेक्ट किए जाने वाले भाग पर ड्रैग करने से इमेज का आयताकार भाग सिलेक्ट हो जाता है।

Elliptical marquee tool – Elliptical marquee tool का प्रयोग इमेज के अंडाकार भाग को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है।

Single row tool – Single row tool का प्रयोग सिंगल रो को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है।

Single column tool – Single column tool का प्रयोग सिंगल कॉलम को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है।

## MOVE TOOL

Move टूल का प्रयोग इमेज में सिलेक्ट किए गए हिस्से को Move करने के लिए किया जाता है।

## MAGIC BAND TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर प्रयोग किए गए रंगों में से एक समान रंगों के पिक्सेल को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है। इस टूल को चुनकर इमेज के उस स्थान पर क्लिक करते हैं जिस स्थान के कलर के पिक्सेल को सिलेक्ट करना है।

## CROP TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के सिलेक्ट किए गए भाग को संपूर्ण इमेज के रूप में प्रयोग करने के लिए किया जाता है। इस टूल में जिस भाग को सिलेक्ट किया जाता है वह रह जाता है और शेष भाग मिट जाता है।

## LASSO TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज को कट करने के लिए किया जाता है। परंतु यह टूल इमेज को सही तरीके से कट नहीं कर पाता है। यह टूल असमान आकार की आकृति को सिलेक्ट करने के लिए प्रयोग किया जाता है।

## POLYGONAL TOOL

इस टूल का प्रयोग भी इमेज को कट करने के लिए किया जाता है। परंतु यह टूल इमेज को बहुभुज आकार में सिलेक्ट करता है। यह टूल lasso tool के समान ही कार्य करता है, लेकिन इससे सिलेक्शन आयताकार आकृति में होता है।

## MAGNETIC TOOL

यह भी एक lasso tool है जिसका प्रयोग इमेज को कट करने के लिए किया जाता है। परंतु यह टूल इमेज को सही तरीके से सिलेक्ट करके उसे कट करता है। अनियमित आकार सिलेक्ट करने के लिए यह सबसे आसान टूल है। इसमें सिलेक्शन करने के लिए अक्षत आकार में माउस को घुमाते जाएं। यह टूल स्वयं है इमेज के भाग को सिलेक्ट करता जाता है।

## SLICE TOOL

इस टूल का प्रयोग साधारण तथा वेब पेज में किया जाता है जिसमें एक इमेज के अलग-अलग हिस्से को किलक करने पर अलग-अलग काम किये जा सके लेकिन यह एक इमेज की तरह ही दिखती है।

## SPOT HEALING BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर स्थित दाग धब्बों को साफ करने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके माउस पॉइंटर को इमेज के उस स्थान पर किलक किया जाता है जहां कोई दाग या धब्बा है यह टूल उस दाग का रंग अपने आप ही बदल देता है।

## HEALING BRUSH TOOL

यह एक इंटेलिजेंट टूल है इसका प्रयोग इमेज को रिपेयर करने के लिए किया जाता है यह इमेज को टारगेट पॉइंट की तरह रिपेयर करता है।

## PATCH TOOL

इस टूल का प्रयोग भी इमेज को रिपेयर करने के लिए किया जाता है।

## RED EYE TOOL

इस टूल का प्रयोग कैमरे द्वारा किसी व्यक्ति की फोटो खींचे जाने पर कैमरे में फ्लैश लाइट कैमरे के लेंस के पास होने के कारण व्यक्ति की आंख में लाल रंग का धब्बा बन जाता है जिसे रेट आई कहते हैं इस इफेक्ट को हटाने के लिए रेड आई टूल का प्रयोग किया जाता है।

## CLONE STAMP TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग को इमेज के किसी अन्य स्थान पर प्रयोग करने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके कीबोर्ड पर ऑल्ट की को दबाकर इमेज के उस भाग पर किलक किया जाता है जिस भाग का प्रयोग क्लोन स्टैप के रूप में किया जाना है।

## PATTERN STAMP TOOL

इसका प्रयोग इमेज के वांछित भाग पर किसी पैटर्न का प्रयोग करने के लिए किया जाता है प्रयोग किए जाने वाले पैटर्न को पैटर्न लाइब्रेरी से सिलेक्ट किया जा सकता है और अपना नया पैटर्न भी बनाया जा सकता है।

## ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी लेयर के किसी विशेष भाग को मिटाने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज पर क्लिक करने पर इमेज का बैकग्राउंड कलर दिखाई देने लगता है

## BACKGROUND ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज से किसी विशेष कलर को एक साथ सिलेक्ट करके मिटाने के लिए किया जाता है

## MAGIC ERASER TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर प्रयोग किए गए रंगों में से समान रंग के पिक्सेल को एक साथ सिलेक्ट करके मिटाने के लिए किया जाता है

## BLUR TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज को blur अर्थात् धुंधला करने के लिए किया जाता है

## SHARPEN TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज को शार्प करने के लिए किया जाता है

## SMUDGE TOOL

इस tool का प्रयोग रंगों को समान रूप से सम्मिश्रित करने के लिए किया जाता है

## DODGE TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के किसी भी भाग के रंग को हल्का करने के लिए किया जाता है

## BURN TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के किसी भी भाग के रंग को गहरा करने के लिए किया जाता है

## SPONGE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग पर कलर saturation को बढ़ाने या कम करने के लिए किया जाता है

## BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज में फोन राउंड के लिए निर्धारित कलर को भरने के लिए किया जाता है ब्रश ब्रश टूल के आकार और आकृति को बदला भी जा सकता है इस टूल का प्रयोग नई पैटिंग बनाने के लिए भी किया जाता है

## PENCIL TOOL

इस टूल का प्रयोग फोटोशॉप में किसी भी प्रकार के रेखा आकृति बनाने के लिए किया जाता है इस में प्रयोग होने वाली पैसिल के आकार और आकृति को बदला भी जा सकता है

## COLOR REPLACEMENT TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के कलर को किसी दूसरे कलर से रिप्लेस करने के लिए किया जाता है

## HISTORY BRUSH TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर कार्य करते समय इमेज में किए गए परिवर्तन को इमेज के किसी विशेष भाग से हटाने के लिए किया जाता है

## ART HISTORY BRUSH TOOL

यह टूल हिस्ट्री ब्रश टूल की तरह ही कार्य करता है दोनों में अंतर इतना है कि आर्ट हिस्ट्री ब्रश टूल में विभिन्न ब्रश ऑप्शन होते हैं जिनसे अलग अलग इफेक्ट डाले जा सकते हैं

## GRADIENT TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के चुने हुए भाग में मल्टी कलर के ग्रेडिएंट को भरने के लिए किया जाता है इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज के लिए सेट किए गए भाग में माउस पॉइंटर लाकर जिस स्थान से ड्रैग करना प्रारंभ किया जाता है उसे प्रारंभिक बिंदु तथा जिस स्थान पर माउस का बटन छोड़ जाता है उसे अंतिम बिंदु कहा जाता है

## PAINT BUCKET TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर क्लिक किए गए स्थान में एक समान कलर भरने के लिए किया जाता है

## DRAWING AND TYPING TOOL

## PEN TOOL

इस tool का प्रयोग फोटोशॉप में कोई आकृति बनाने के लिए किया जाता है।

## HORIZONTAL TYPE TOOL

इस टूल का प्रयोग टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है। इसे टाइप टूल भी कहते हैं। यह हॉरिजॉन्टल टेक्स्ट टाइप करता है। हम टेक्स्ट का कलर बदल भी सकते हैं।

## VERTICAL TYPE TOOL

इस टूल का प्रयोग टेक्स्ट को वर्टिकल टाइप करने के लिए किया जाता है। यह भी एक टाइप टूल है।

## VERTICAL MASK TOOL

इस टूल का प्रयोग भी वर्टिकल टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है। परंतु जो भी टेक्स्ट टाइप होता है उसका आउटलाइन ही प्रदर्शित होता है।

## HORIZONTAL MASK TOOL

इस टूल का प्रयोग हॉरिजॉन्टल टेक्स्ट टाइप करने के लिए किया जाता है। यह भी टेक्स्ट का आउटलाइन प्रदर्शित करता है।

## CUSTOM SHAPE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर विभिन्न प्रकार की आकृति बनाने के लिए किया जाता है।

## RECTANGLE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर आयताकार आकृति बनाने तथा उसमें निर्धारित कलर भरने के लिए किया जाता है।

## ROUNDED RECTANGLE TOOL

इस टूल का प्रयोग गोल होने वाली आयताकार आकृति बनाने तथा उसमें निर्धारित कलर भरने के लिए किया जाता है।

## ELLIPSE TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज पर गोल आकृति बनाने के लिए किया जाता है। तथा उस में निर्धारित कलर भी भर सकते हैं।

# POLYGON TOOL

इस टूलका सहयोग इमेज पर बहुभुज आकृति बनाने तथा उस में कलर भरने के लिए किया जाता है।

## LINE TOOL

इस टूल का प्रयोग निर्धारित कलर की रेखा बनाने के लिए किया जाता है। रेखा की मोटाई को ऑप्शन के द्वारा बदला जा सकता है।

## NOTES TOOL

इस tool का प्रयोग इमेज के साथ एक नोट डालने के लिए किया जाता है। इस नोट पर इमेज या इमेज के किसी भाग से संबंधित जानकारी को स्टार्ट किया जा सकता है ताकि इस इमेज पर पुनः कार्य करते समय यह जानकारी प्राप्त हो सके। नोट के स्थान पर इमेज पर केवल एक आइटम प्रदर्शित होता है।

## AUDIO ANNOTATION TOOL

इस टूल का प्रयोग इमेज के साथ नोट के रूप में ऑडियो विलप जोड़ने के लिए किया जाता है। इसके लिए कंप्यूटर में माइक्रोफोन और साउंड कार्ड होना आवश्यक है।

## EYEDROPPER TOOL

टूल का प्रयोग इमेज के किसी भाग के कलर को सिलेक्ट करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार से किया गया कलर फॉर ग्राउंड कलर में सेट हो जाता है।

## HAND TOOL

इस टूल का प्रयोग तब किया जाता है जबकि पूरी इमेज फोटो शॉप की इमेज विंडो में प्रदर्शित ना हो रही हो। इस tool का प्रयोग करके इमेज को अपने अनुसार खिसकाकर उसे किसी भी भाग को मॉनिटर स्क्रीन पर देखा जा सकता है।

## ZOOM TOOL

टूल का प्रयोग इमेज विंडो में इमेज को बड़े आकार में देखने के लिए किया जाता है। इस टूल को सिलेक्ट करके इमेज के किसी भी भाग पर ब्रैक करने पर इमेज का वह भाग बड़ा हो जाता है।

# लेयर क्या हैं? (What is Layer?)

Adobe Photoshop में लेयर्स एक पारदर्शी पेपर की तरह होती हैं लेयर फोटोशॉप में एक ऑब्जेक्ट को छेड़े बिना दूसरे ऑब्जेक्ट पर कार्य करने की अनुमति प्रदान करता है लेयर एडोब फोटोशॉप में इमेज और ऑब्जेक्ट को व्यवस्थित करने की एक शक्तिशाली पद्धति है।

फोटोशॉप में नई इमेज में केवल एक लेयर होती है इमेज पर लेयर्स को जोड़ा जा सकता है, साथ ही लेयर्स इफेक्ट का प्रयोग भी किया जा सकता है, लेयर्स के क्रम में परिवर्तन भी किया जा सकता है, एक से अधिक लेयर्स का ग्रुप भी बनाया जा सकता है, साथ ही विभिन्न लेयर्स को मर्ज करके एक लेयर में परिवर्तन भी किया जा सकता है। फोटोशॉप में आपके द्वारा उपयोग की जाने वाली कई प्रकार की परतें हैं, और वे दो मुख्य श्रेणियों में आती हैं:

**Content Layer:** इन लेयर्स में विभिन्न प्रकार की सामग्री होती है, जैसे कि photographs, text, और shapes.

**Adjustment layers:** ये लेयर्स आपको उनके नीचे की लेयर्स में समायोजन लागू करने की अनुमति देती हैं, जैसे saturation या brightness। समायोजन परतें एक प्रकार का nondestructive संपादन हैं क्योंकि वे वास्तव में मूल इमेज के बारे में कुछ भी नहीं बदलते हैं।

लेयर्स का उपयोग करते समय, व्यक्तिगत लेयर्स को चालू करने और बंद करने में मदद मिल सकती है यह देखने के लिए कि वे इमेज को कैसे प्रभावित करते हैं। आप प्रत्येक लेयर नाम के बगल में स्थित नेत्र आइकन पर क्लिक करके ऐसा कर सकते हैं।

## लेयर का उपयोग क्यों करें? (Why Use Layer).

आप सोच रहे होंगे कि आपको लेयर्स का उपयोग करने की आवश्यकता क्यों है। सच्चाई यह है कि लेयर आपको लचीलेपन और नियंत्रण की एक अद्भुत मात्रा प्रदान करती है क्योंकि आप प्रत्येक लेयर को शेष इमेज में स्वतंत्र रूप से सुधार कर सकते हैं। एक बार जब आप लेयर्स के साथ सहज हो जाते हैं, तो आप हर समय उनका उपयोग करेंगे।

## लेयर बेसिक (Layer Basic).

अब आप फोटोशॉप में लेयर्स के साथ काम करना शुरू करने के लिए तैयार हैं। आप लेयर पैनल के साथ लेयर्स को देख, बना और सुधार कर सकते हैं। यह आमतौर पर स्क्रीन के निचले-दाएँ कोने में मिलेगा, हालाँकि आप Window Menu से Layer पर जा सकते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह चालू है।



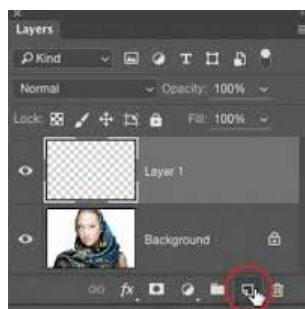
## समायोजन लेयर बनाने के लिए (How to create an adjustment layer).

यदि आपने पहले कभी लेयर्स का उपयोग नहीं किया है, तो हम पहले Adjustment Layer की कोशिश करने की सलाह देते हैं। याद रखें, एक समायोजन लेयर में सामग्री नहीं होती है – यह आपको इसके नीचे की लेयर्स में समायोजन लागू करने की अनुमति देता है।

- लेयर पैनल में, नीचे दी गई लेयर का चयन करें जहाँ आप समायोजन लेयर दिखाना चाहते हैं।
- लेयर पैनल के नीचे समायोजन बटन पर क्लिक करें, फिर वांछित समायोजन चुनें।
- समायोजन लेयर दिखाई देगी, और फिर आप गुण पैनल में समायोजन को अनुकूलित कर सकते हैं। आपके द्वारा किए गए कोई भी परिवर्तन समायोजन लेयर के नीचे की प्रत्येक लेयर को प्रभावित करेंगे।
- वैकल्पिक रूप से, आप समायोजन लेयर बनाने के लिए समायोजन पैनल के बटन का उपयोग कर सकते हैं।

## खाली लेयर कैसे बनाये (How to Create New Blank Layer).

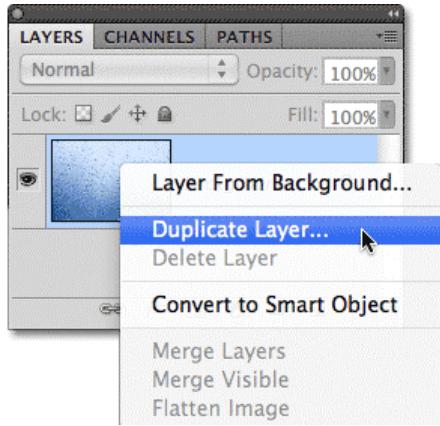
यदि आप एक नई खली लेयर बनाना चाहते हैं, तो एक नई लेयर बनाने के लिए, लेयर पैनल के निचले-दाएँ कोने के पास New Layer बटन पर क्लिक करें। लेयर्स पैनल में नई लेयर दिखाई देगा।



## डुप्लीकेट लेयर कैसे बनाये (How to create a duplicate layer).

यदि आप कोई डुप्लीकेट लेयर बनाना चाहते हैं। मूल लेयर में फेरबदल किए बिना अलग-अलग सुधार की कोशिश करने का यह एक आसान तरीका है।

- लेयर को राइट-क्लिक करें, फिर डुप्लिकेट लेयर का चयन करें।
- एक डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। Ok पर क्लिक करें। डुप्लिकेट लेयर दिखाई देगी।



## एक लेयर को हटाने के लिए (How to Delete Layer).

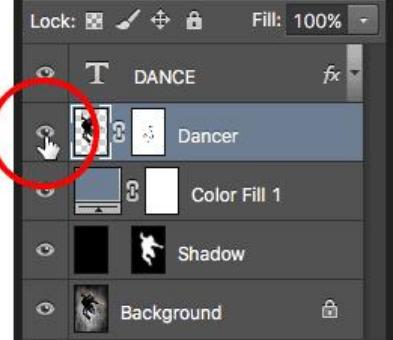
यदि आपको किसी लेयर की जरूरत नहीं है, तो आप इसे हटा भी सकते हैं। ऐसा करने के लिए, बस लेयर का चयन करें और फिर अपने कीबोर्ड पर डिलीट की दबाएं। वैकल्पिक रूप से, आप लेयर पैनल के निचले-दाएं कोने में ट्रैश कैन पर लेयर को क्लिक और ड्रैग कर सकते हैं।

## लेयर्स के साथ काम करना (Working with Layers).

आपके दस्तावेज़ में लेयर्स के साथ काम करने के कई अलग-अलग तरीके हैं। उदाहरण के लिए, आप विभिन्न लेयर्स को दिखा और छिपा सकते हैं, स्टैकिंग क्रम को बदल सकते हैं, और भी बहुत कुछ।

## लेयर्स को दिखाना और छिपाना (How to hide and show layer).

एक लेयर को छिपाने के लिए, वांछित लेयर के बगल में स्थित नेत्र आइकन पर क्लिक करें। लेयर दिखाने के लिए इसे फिर से क्लिक करें। नीचे दी गई इमेज में, आप देख सकते हैं कि हमने टेक्स्ट लेयर को बंद कर दिया है, इसलिए टेक्स्ट अब दस्तावेज विंडो में दिखाई नहीं देता है:



## लेयर्स को पुनः व्यवस्थित कैसे करें (How to reorder layer).

जिस क्रम में लेयर्स खड़ी होती हैं वह यह निर्धारित करेगा कि दस्तावेज़ कैसा दिखता है। ऐसे समय हो सकते हैं जब आपको स्टैकिंग ऑर्डर को बदलने की आवश्यकता होती है। एक लेयर को फिर से व्यवस्थित करने के लिए लेयर पर क्लिक करें और लेयर पैनल में इच्छित स्थान पर खींचें।

## लेयर में सुधार करना (Editing layers).

कई प्रकार के सुधार के लिए, वांछित लेयर को सुधार करने से पहले चुना जाना चाहिए; अन्यथा, आप गलती से गलत लेयर में सुधार कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप इरेजर टूल का उपयोग करते हैं, तो यह केवल आपके द्वारा चुनी गई लेयर को प्रभावित करेगा। आपको यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपको सही लेयर का चयन करने के लिए अक्सर लेयर्स पैनल की जाँच करने की आदत डालनी चाहिए।

### Editing text layers

यदि आप एक टेक्स्ट लेयर में सुधार करना चाहते हैं, तो आपको लेयर पैनल में लेयर आइकन पर डबल-क्लिक करना होगा। फिर आप टेक्स्ट को बदल सकते हैं, एक अलग फँक्ट चुन सकते हैं, या टेक्स्ट का आकार और रंग में सुधार कर सकते हैं।

---

